NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 I शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024 I हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित I epaper.shubhlabhdaily.com I संपादक : गोपाल अग्रवाल I पृष्ठ : 14 I मूल्य-8 रु. I वर्ष-6 I अंक-221

पाकिस्तान में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर जारी है कहर

राहुल गांधी को भेज रहे मीठा आम...

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के शैतानियत से बांग्लादेश कराह रहा है। दूसरी तरफ पाकिस्तान भारतवर्ष के खास-खास विपक्षी नेताओं से मीठे संबंध कायम कर रहा है, ताकि भविष्य में काम आए। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद समेत कांग्रेस के कई नेता यह कह ही चुके हैं कि भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात आ सकते हैं। यह खुली चेतावनी है, लेकिन कांग्रेस की तरफ से इसका आधिकारिक खंडन या मंडन नहीं आया है। अर्थात, कांग्रेस इस भारत के लिए दी गई इस चेतावनी को अपनी हरी झंडी दे रही है।

राहुल समेत 7 नेताओं के लिए पाकिस्तान ने भेजा आम का तोहफा

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि पाकिस्तान ने कुछ खास-खास विपक्षी नेताओं के लिए आम का तोहफा भेजा है। पाकिस्तान के मीठे आम का तोहफा पाने वाले सात खास नेताओं में सबसे ▶10 पर

हिंदू समुदाय को दे रहे तीखा जहर...

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान एक तरफ भारत के सात खास नेताओं के लिए आम का तोहफा भेज रहा है तो दूसरी तरफ पाकिस्तान में अत्याचार से त्रस्त हिंदुओं की खेप दर खेप भाग कर भारत आ रही है। भारत के वे सभी नेता पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर चुप हैं जो पाकिस्तानी आम खाने में मस्त हैं। पाकिस्तान में हिंदुओं पर अत्याचार बदस्तूर जारी है। हिंसा से बचने के लिए वहां के हिंदू एवं अन्य अल्पसंख्यक लगातार पलायन कर रहे हैं। इसी क्रम में पाकिस्तान के दो हिंदू परिवारों के करीब दो दर्जन लोग भाग कर बुधवार को अमृतसर के पास अटारी सीमा पार कर गए। पाकिस्तानी हिंदू परिवार को जोधपुर ले जाया गया है। पाकिस्तान से भारत आने वाले दर्शन और बिरया राम के परिवार ने ▶10 पर

पाकिस्तानी आम खाने वाले नेता हिंदुओं पर हो रहे जुल्म पर चुप

संसद में पेश वक्फ बोर्ड संशोधन बिल जेपीसी में भेजा गया

विधेयक हक लेने का नहीं देने का है: रिजिजू

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया है। विधेयक पारित होने पर सरकार को वक्फ सम्पत्तियों को विनियमित करने में बड़ी भूमिका मिलेगी। हालांकि विपक्षी सांसदों ने इसकी निंदा करते हुए इसे असंवैधानिक और कठोर बताया है। इस पर रिजिजू ने कहा कि विपक्ष की सारी आशंकाओं को दूर किया जाएगा। यह विधेयक किसी का हक लेने के लिए नहीं बल्कि उन्हें अधिकार दिलाने के लिए लाया गया है, जिन्हें कभी उनका अधिकार नहीं मिला। विधेयक पर करीब एक घंटा बोलने के बाद किरेन रिजिजू ने इस बिल को जेपीसी में भेजने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इस बिल को जेपीसी के लिए भेजने का प्रस्ताव देती है। इस प्रस्ताव को स्वीकृति देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वे इस मामले में विचार के लिए कमेटी गठित करेंगे।

विपक्षी गठिबंधन के नेताओं ने विधेयक का विरोध किया

विपक्ष के कई मुस्लिम सांसदों ने 'गुप्त' सहमति जताई

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, इस विधेयक से किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। किसी के अधिकार छीनने की बात तो भूल ही जाइए, यह विधेयक उन लोगों को अधिकार देने के लिए लाया गया है जिन्हें कभी अधिकार नहीं मिले। उन्होंने कहा, इस विधेयक से संविधान का उल्लंघन नहीं हो रहा है। जिन्हें हक नहीं मिला उन्हें हक देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। किसी धर्म में दखल नहीं दिया जा रहा है। विपक्ष की सारी आशंकाएं दूर की जाएंगी। इस विधेयक का समर्थन करिए करोड़ों लोगों की दुआएं मिलेंगी।

रिजिजू ने कहा, विपक्ष मुसलमानों को गुमराह कर रहा है। कल देर रात मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल मेरे पास आए थे। कई सांसदों ने मुझे बताया है कि माफिया ने वक्फ बोर्डों पर कब्जा कर लिया है। कुछ सांसदों ने कहा है कि वे व्यक्तिगत रूप से विधेयक का समर्थन करते हैं, लेकिन अपने राजनीतिक दलों के कारण ऐसा नहीं कह रहे हैं। हमने इस विधेयक पर बहुस्तरीय देशव्यापी विचार-विमर्श किया है। विपक्ष ने नेताओं के नाम पूछे तो मंत्री ने कहा, मैं आप लोगों का सियासी रिश्ता खराब नहीं करूंगा। इसलिए मैं नाम नहीं बताऊंगा।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि इस विधेयक का नाम अब यूनाइटेड वक्फ एक्ट मैनेजमेंट, ▶10 पर

राज्यसभा में टीएमसी सांसद डेरेक ब्रायन की बदतमीजी की इंतिहा

आसन छोड़ कर चले गए नाराज सभापति

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

ओलंपिक खेल के नियम भारत की सस्ती राजनीति से तो बदलेंगे नहीं। इसके बावजूद विपक्षी सदस्य फ्रांस ओलंपिक में वजन के नियम पर विनेश फोगाट के पदक से वंचित होने पर ओछी राजनीति से बाज नहीं आ रहे हैं। ओलंपिक खेल फ्रांस में हो रहा है लेकिन विपक्ष इसके लिए भी मोदी सरकार पर ही उंगली उठा रहा है। राज्यसभा भी आज विनेश फोगाट के मामले में तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने सभापति जगदीप धनखड़ से अभद्रता की। इस घटना के बाद जगदीप धनखड़ अपना आसन छोड़ कर चले गए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आग में घी डालने का काम किया। खड़गे ने कहा, हमें कारण जानना है कि विनेश फोगाट को बाहर क्यों किया गया और भारत सरकार ने कुछ नहीं किया। जबकि विनेश को प्रतिस्पर्धा से बाहर क्यों किया गया, इसकी खबर दुनियाभर के अखबारों और चैनेलों पर आ चुकी थी। लेकिन खड़गे का सवाल पूर्व नियोजित था। खड़गे के सवाल पूछते ही टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन सभापति के आसन की तरफ उंगली करके चीखने चिल्लाने लगे। इस बात से सभापति जगदीप धनखड़ काफी नाराज हो गए।

डेरेक ब्रायन की हरकत घटिया है, मैं इसकी निंदा करता हूं

कुछ लोग पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बना रहे हैं

धनखड़ ने कहा, आपकी हिम्मत कैसी हुई अध्यक्ष पर चिल्लाने की? आपकी हरकत सबसे घटिया हरकत है। मैं इसकी निंदा करता हूं। अगली बार मैं आपको सदन से बाहर कर दूंगा। आपने अध्यक्ष की ओर हाथ करके चिल्लाने की हिम्मत कैसे की? सभापति ने कहा, हमने सदन के अंदर अभी सबसे खराब स्थिति देखी। हमने आपातकाल के दौरान अपने संविधान का सबसे काला दौर देखा था। हमें पता है यह कैसे शुरू हुआ था। यह सबसे संवैधानिक संस्थाओं को चुनौती देने के साथ शुरू हुआ था। जून 1975 में चुनौती थी। अभी भी गंभीर चुनौती है। क्या इस तरह के व्यवहार की कोई सही ठहरा सकता है?

विपक्ष के हंगामे और वाकआउट पर जगदीप धनखड़ ने कहा, विपक्ष के लोग इस पवित्र सदन की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। इसे अराजकता का केंद्र बना रहे हैं। ये सांसद गलत आचरण तो दिखा ही रहे हैं, साथ ही शारीरिक रूप से भी सभापति के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल पैदा कर रहे हैं। उन्होंने आहत मन से कहा, पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाना, भारतीय प्रजातंत्र के ऊपर कुठाराघात करना। अध्यक्ष की गरिमा को धूमिल करना, शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण वातावरण करना, यह अमर्यादित आचरण नहीं है, यह हर सीमा लांघने वाला आचरण है। ▶10 पर

दिल्ली पुलिस की चार्ज शीट से हुआ खुलासा

सीएम घर में ही थे जब स्वाति को पीटा जा रहा था

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ अरविंद केजरीवाल के घर में जो मारपीट की घटना घटी थी, उस मामले में दिल्ली पुलिस की चार्जशीट ने कई बड़े खुलासे कर दिए हैं। असल में अब यह बात सामने आ रही है कि 13 मई को जब स्वाति को विभव कुमार ने पीटा था, तब सीएम अरविंद केजरीवाल अपने घर में ही मौजूद थे। दिल्ली पुलिस ने अपनी चार्जशीट में प्रामाणिक तौर पर यह दावा किया है। घटना वाले दिन मुख्यमंत्री केजरीवाल और आरोपी विभव साथ में ही थे। दिल्ली पुलिस यह मान रही है कि स्वाति मालीवाल के साथ हुए घटना एक बड़ी साजिश थी। पुलिस का मानना है कि स्वाति के साथ जो कुछ भी हुआ है, वो किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा है। ▶10 पर

राज्यसभा की 12 सीटों पर उपचुनाव 3 सितंबर को

आम चुनाव के बाद बिछी प्रतिष्ठा की दूसरी बिसात

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

नौ राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों के लिए 3 सितंबर को उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने बुधवार को उच्च सदन की 12 रिक्त सीटों के लिए कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। केंद्रीय मंत्रियों पीयूष गोयल, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत मौजूदा सदस्यों के लोकसभा सांसद के तौर पर निर्वाचित होने के बाद राज्यसभा की 10 सीटें खाली हो गई थीं। बाद में राज्यसभा के दो सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया था।

चुनाव आयोग ने नौ राज्यों में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इनमें हरियाणा में एक बार फिर एनडीए बनाम इंडी की कड़ी लड़ाई दिख सकती है। महाराष्ट्र के हालिया सियासी घटनाक्रमों को देखते हुए यहां भी राज्यसभा उपचुनाव पर सबकी नजरें टिकी होंगी।

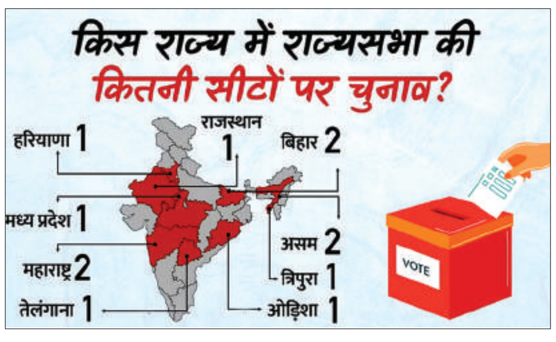

चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए अधिसूचना 14 अगस्त को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। प्रत्येक राज्यसभा सीट के लिए 3 सितंबर को अलग-अलग चुनाव होगा और 3 सितंबर को ही नतीजे घोषित किए जाएंगे। राज्यसभा में 10 सीटें लोकसभा चुनावों के बाद खाली हो गई थीं। राज्यसभा सचिवालय ने इन रिक्तियों को अधिसूचित किया था। जो सीटें खाली हुईं, उसमें असम, बिहार और महाराष्ट्र में दो-दो, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और त्रिपुरा में एक-एक सीट शामिल हैं। इस अधिसूचना के बाद 7 अगस्त को निर्वाचन आयोग राज्यसभा में इन रिक्तियों को भरने के लिए चुनाव की नई तारीखों की घोषणा की। मध्य प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा था और जीत दर्ज की। भाजपा नेता को केंद्र की मोदी कैबिनेट में दूरसंचार और पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय भी सौंपा गया है। महाराष्ट्र से भाजपा के राज्यसभा के सांसद रहे पीयूष गोयल और उदयनराजे भोंसले अब लोकसभा के सदस्य हैं। मुंबई उत्तर सीट से जीते गोयल को मोदी सरकार में ▶10 पर

प. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

कोलकाता, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के 34 साल के वाम मोर्चा शासन के दूसरे और आखिरी मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे। बुद्धदेव 2000 से 2011 तक लगातार 11 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बुद्धदेव की निधन की खबर उनके बेटे सुचेतन भट्टाचार्य ने गुरुवार सुबह दी। उनके निधन से पूरे बंगाल में शोक

18 साल मंत्री और 11 साल सीएम रहने वाले बुद्धो दा के पास न कोई बंगला न कोई कार

का लहर है। बंगाल में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर शोक जताया। चिकित्सा अनुसंधान के लिए बुद्धदेव भट्टाचार्य ने भी तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु की तरह अपना देहदान करने की शपथ ली थी। सीपीएम नेता मोहम्मद सलीम ने कहा कि उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार, शरीर को चिकित्सा में अनुसंधान के लिए दान कर दिया जाएगा। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 23^0

बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच भारत सरकार का बड़ा फैसला

सभी वीजा केंद्र अनिश्चितकाल के लिए बंद

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के बीच भारत सरकार ने बांग्लादेश में अपने सभी वीजा केंद्र बंद रखने का फैसला किया है। भारतीय वीजा के लिए आवेदन करने वाले ऑनलाइन पोर्टल पर जारी किए गए बयान के अनुसार, सभी भारतीय वीजा आवेदन केंद्र अगले आदेश तक बंद रखे जाएंगे। बांग्लादेश में जारी अस्थिरता के चलते यह फैसला किया गया है। आवेदन की अगली तारीख की जानकारी जल्द ही मैसेज के जरिए दे दी जाएगी। पासपोर्ट अगले कार्यदिवस पर लिया जा सकता है। भारत सरकार ने बांग्लादेश में बिगड़ते हालात को देखते हुए एक दिन पहले ही बांग्लादेश स्थित दूतावास और महावाणिज्य दूतावास से अपने अतिरिक्त कर्मचारियों और उनके परिवारों को वापस दिल्ली बुला लिया था। सरकार के इस फैसले के बाद ही सभी वीजा केंद्र बंद रखने का फैसला किया गया है। हालांकि अभी भी बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त और कई अन्य कर्मचारी मौजूद हैं और दूतावास में सामान्य रूप से काम हो रहा है। बांग्लादेश में भारत के एक उच्चायुक्त और चटगांव, ▶10 पर

भारत ने बांग्लादेश से कई राजनयिकों को वापस बुलाया

बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बना रहे कट्टरपंथी

ढाका, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और भारत आने के बाद से लगातार हिंदुओं के विरुद्ध इस्लामी कट्टरपंथियों की हिंसा जारी है। हिंदुओं के घरों पर इस्लामी भीड़ हमला कर उन्हें जला रही है। हिंदू अपनी जान बचाने को भाग और छिप रहे हैं। उन्हें बचाने के लिए कोई व्यवस्था काम नहीं कर रही।

बांग्लादेश के नारायणपुर जिले के रघुनाथपुर में रहने वाले माखन सरकार ने अपनी आपबीती फोन पर सुनाई। उन्होंने बताया कि नारायणगंज स्थित उनके घर पर लगभग 400 लोगों की भीड़ ने हमला किया और उनका घर लूट लिया। उनके घर में तोड़फोड़ भी की गई। माखन सरकार अपने परिवार सहित जान बचाने के लिए यहां से भाग गए। ▶10 पर

ईरान और उ. कोरिया आए साथ, अमेरिका-इज़राइल के माथे पर शिकन

दोनों अमेरिका के दुश्मन नंबर वन

तेहरान, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर कोरिया और ईरान अपनी बढ़ती परमाणु आकांक्षाओं और मजबूत होकर द्विपक्षीय संबंधों के चलते हालिया समय में चर्चा में हैं। उत्तर कोरिया और ईरान, दोनों को अमेरिका के दुश्मन नंबर वन है। इसके बाद इन दोनों का करीब आना और खासतौर से सैन्य मोर्चे पर इनका सहयोग अमेरिका, इजरायल और उसके सहयोगियों की चिंता बढ़ा रहा है। खासकर ईरान और उत्तर कोरिया का अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाना अमेरिका को तंग कर रहा है। दोनों के बीच बढ़ते सहयोग से एक बड़े युद्ध का अंदेशा भी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने हाल ही में दक्षिण कोरिया की सीमा पर 250 नए बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर तैनात किए हैं। तानाशाह किम जोंग उन का दावा है कि मिसाइलों को परमाणु वारहेड से लैस किया जा सकता है और इनकी जद में साउथ कोरिया का बड़ा हिस्सा आता है। जानकार मान रहे हैं कि इससे कोरियाई प्रायद्वीप पर संघर्ष की संभावना के बारे में चिंताएं बढ़ती हैं। दूसरी ओर ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं भी दुनिया से छुपी नहीं हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने बताया था कि ईरान के पास कई परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त यूरेनियम है। अमेरिकी और इजरायली खुफिया एजेंसियों ने परमाणु हथियारों के विकास से संबंधित रिसर्च में ईरानी वैज्ञानिकों की भागीदारी का खुलासा किया है। ईरान और उत्तर कोरिया दोनों ही पश्चिमी शक्तियों और उनके क्षेत्रीय सहयोगियों के विरोधी हैं। दोनों ने दशकों से एक रणनीतिक साझेदारी विकसित की है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि उ.कोरिया और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग को लेकर चिंतित है। खासतौर से दोनों देशों के बीच परमाणु और उन्नत मिसाइल प्रौद्योगिकी के संभावित प्रसार से वैश्विक सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण चिंताएं पैदा होती हैं। दोनों देशों की ये साझेदारी किसी बड़े संघर्ष को भी जन्म दे सकती है।

राष्ट्रपति मुर्मू का न्यूजीलैंड से पूरी दुनिया को संदेश, शिक्षा में परिवर्तन की शक्ति

वेलिंगटन, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की राजकीय यात्रा का पहला चरण फिजी में पूरा कर न्यूजीलैंड पहुंची हैं। उन्होंने यहां अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन पूरी दुनिया को संदेश दिया। राष्ट्रपति ने कहा, 'शिक्षा हमेशा मेरे दिल के करीब रही है। मैंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव किया है। 21वीं सदी के भारत में शिक्षा प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा ने विभिन्न क्षेत्रों को ऐसे नेता दिए हैं जो न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर में योगदान दे रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'आज भारत में युवाओं की बड़ी संख्या है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्व मालूम है। भारतीय माता-पिता भी अपने बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा दिलाने की आकांक्षा रखते हैं। यह वास्तव में स्वागत योग्य है। आज आठ हजार भारतीय विद्यार्थी न्यूजीलैंड के विभिन्न संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।'

इससे पहले न्यूजीलैंड पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का गवर्नमेंट हाउस में गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो ने गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू के स्वागत में पारंपरिक माओरी 'पोविरी' समारोह आयोजित किया गया। उन्हें रॉयल गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। गवर्नर-जनरल डेम सिंडी किरो के निमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू न्यूजीलैंड के दो दिन के दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गवर्नर जनरल किरो के साथ बैठक की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। राष्ट्रपति मुर्मू यहां प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से भी मुलाकात करेंगी। वो ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगी। यात्रा के अंतिम चरण में राष्ट्रपति तिमोर-लेस्ते जाएंगी।

39 साल पुरानी टिकट को ओनर किया डिज्नीलैंड ने

लॉस एंजेलिस। कैलिफोर्निया की 18 साल की सबरीना 39 साल पुरानी निशुल्क टिकट को लेकर डिजनीलैंड पार्क में पहुंची। 39 साल पुरानी टिकट पर उन्हें प्रवेश दिया गया। सबरीना को उनके पापा ने यह टिकट दी थी। 1985 में डिज्नीलैंड की 30 वीं वर्षगांठ का आयोजन किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

प्रोफेसर यूनुस ने क्यों कहा, हसीना का समर्थन कर भारत ने ठीक नहीं किया

ढाका। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनने का रास्ता साफ हो चुका है। गुरुवार को शपथ से पहले युनूस ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों का जिक्र कर कहा है कि भारत के साथ घनिष्ठ मित्रता को फिर से शुरू करने के कई अवसर जल्द ही आएंगे। लेकिन उन्होंने कहा कि भारत ने शेख हसीना का समर्थन किया, जो बांग्लादेश के लोगों की भावनाओं के अनुरूप नहीं है। इससे कहीं ना कहीं दोनों देशों के रिश्ते में दरार आई है। रिपोर्ट के मुताबिक युनूस ने कहा, हालांकि भारत जैसे कुछ देशों ने शेख हसीना का समर्थन किया, जिसके नतीजे में उन्हें बांग्लादेशी लोगों की नाराजगी हासिल हुई है। इससे रिश्तों में कुछ दरारें बनी हैं, जिन्हें ठीक करके द्विपक्षीय सबंधों में सुधार लाने और भारत से करीबी दोस्ती को फिर से शुरू करने के कई अवसर आने वाले समय में हमारे पास आने वाले है। युनूस ने कहा कि बांग्लादेश में नई सरकार के आने से देश की ताकत दुनिया में बढ़ेगी। यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार का अगला कदम सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा करना और यह सुनिश्चित करना होगा कि कुछ महीनों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हों। उन्होंने कहा कि मैं इस प्रक्रिया का समर्थन करने में मदद करने को तैयार हूं और मुझे उम्मीद है कि अन्य लोग भी मेरे साथ जुड़ सकते है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने जा रहे नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस एक अर्थशास्त्री और बैंकर हैं। उन्हें माइक्रोक्रेडिट बाजार विकसित करने के उनके काम के लिए 2006 के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

दक्षिणी जापान में 7.1 की तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

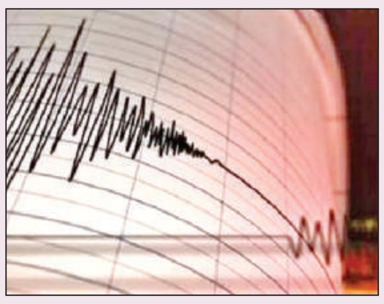

टोक्यो। जापान के दक्षिणी तट पर गुरुवार को भूकंप के शक्तिशाली झटके महसूस किए गए, जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि गुरुवार दोपहर दक्षिणी क्यूशू में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के पूर्वी तट पर 30 किलोमीटर (18.6 मील) की गहराई में था। उसके बाद क्यूशू के पूर्वी और दक्षिणी तट और शिकोकू के दक्षिणी तट पर सुनामी की चेतावनी जारी की गई। इसमें क्यूशू के दक्षिणी तट और पास के द्वीप शिकोकू के साथ 1 मीटर (3.3 फीट) तक की लहरें उठने की भविष्यवाणी की गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार दक्षिणी जापानी द्वीपों क्यूशू और शिकोकू के तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। जापान के सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने कहा कि यह मियाजाकी और कोच्चि प्रान्तों के लिए था।

शेख हसीना के ढाका से निकलने के तीन दिन बाद तक जारी रहा हिंसा का दौर

ढाका। बांग्लादेश में भारी हिंसा के बीच तख्तापलट का असर अब भी दिखाई दे रहा है। पूर्व सीएम शेख हसीना के ढाका से निकलकर भारत आने के बाद तीन दिन बाद तक हिंसा का दौर जारी है। अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं तो वहीं शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। 20 से ज्यादा अवामी लीग के नेताओं के शव अब तक मिल चुके हैं। इसके अलावा एक अवामी नेता के होटल को ही आग के हवाले कर दिया गया, जिसमें 24 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा शेख हसीना सरकार में मंत्री और सांसद रहे नेताओं को लगातार टारगेट किया जा रहा है। शेख हसीना की छोटी बहन रिहाना शेख के घर में भी लूटपाट की गई है। इसके कई वीडियो भी उपद्रवियों ने सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। ढाका के गुलशन एरिया में बने रिहाना शेख के घर में हमले किए गए। आसपास के 4 परिवारों ने यह जानकारी दी कि रिहाना के घर में लूट हुई है और वहां तोड़फोड़ भी की गई है। इसके अलावा मुजीबर रहमान से जुड़े संग्रहायल से भी कई शव बरामद किए गए हैं। यही वजह जगह भी थी, जहां शेख मुजीबर रहमान को परिवार के चार अन्य लोगों के साथ मार डाला गया था। इसके बाद शेख हसीना सरकार ने बंगबंधु की याद में इसे संग्रहालय में तब्दील कर दिया था। अवामी लीग के देश भर में स्थित दफ्तरों को भी आग के हवाले किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब तक बांग्लादेश में 469 लोगों की हिंसा में मौत हो चुकी है। ढाका के ही गुलशन इलाके में अवामी लीग के दफ्तर को आग के हवाले कर दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भीड़ दफ्तर से कुर्सियां, सोफा और अन्य तमाम चीजें लूटकर ले गए।

इस्लामिक सहयोग संगठन में दी चेतावनी

इज़राइल को छोड़ अरब देशों पर ही बरस पड़ा बौखलाया ईरान

जेद्दा, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

इजरायल में सेना से लेकर जनता तक ईरान के हमले की तैयारी कर रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि ईरान जल्द ही इजरायल के अंदर हमला कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, मिस्त्र ने अपनी एयरलाइंस के विमानों को कुछ घंटों के लिए ईरानी क्षेत्र से उड़ान न भरने को कहा है। जॉर्डन ने भी विमानों से 45 मिनट का अतिरिक्त ईंधन रखने को कहा है। दरअसल सऊदी अरब के जेद्दा में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के देशों की असाधारण बैठक हुई, जिसमें ईरान इजरायल पर हमले की बात करते हुए अरब देशों को भी धमकी दे डाली। ये बैठक ईरान के अनुरोध पर ही बुलाई गई थी।

ओआईसी की बैठक में ईरानी प्रतिनिधि ने अरब देशों को चेतावनी देकर कहा कि वे लड़ाई से दूर रहें। ईरान के एक्टिंग विदेश मंत्री ने ओआईसी की बैठक में कहा कि सभी मुस्लिम देशों को ईरान का जवाबी कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि हानिया की हत्या करके तेहरान की संप्रभुता का उल्लंघन किया गया है।

ईरान की अरब देशों को ये धमकी यूं ही नहीं दी है। इस साल अप्रैल की शुरुआत में इजरायल ने सीरिया में वाणिज्य दूतावास पर इजरायल ने हवाई हमला किया था। इसमें ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के शीर्ष कमांडरों में शामिल जनरल मोहम्मद रजा जहेदी सहित सात अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने 13 अप्रैल को जवाबी कार्रवाई कर इजरायल के ऊपर 300 से ज्यादा मिसाइलें और ड्रोन से हमला बोला था। तब जॉर्डन और सऊदी अरब ने भी इजरायल का साथ दिया था। हालांकि, सऊदी ने खुलकर स्वीकार नहीं किया था।

बीती 31 जुलाई को हमास चीफ इस्माइल हानिया की हत्या पर सऊदी अरब और यूएई जैसे प्रमुख अरब देशों ने कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दिखाई है। सऊदी अरब के प्रभाव वाले ओआईसी की बैठक में ईरान को जैसी उम्मीद थी, हानिया की हत्या पर उस तरह से तीखी बयानबाजी नहीं देखने को मिली। हालांकि, संयुक्त बयान में हत्या के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराते हुए उसकी निंदा की गई है।

फलस्तीनी कैदियों का यौन शोषण, अमेरिका ने कहा जांच होनी चाहिए

वॉशिंगटन। इजरायल ने गाजा युद्ध के दौरान हिरासत में लिए गए फलस्तिनियों को जहां रखा है उस जेल का नाम सेदे तेइमान बेस है। इजरायल के चैनल पर इसी जेल का एक लीक वीडियो प्रसारित हुआ। जिसमें साफ देखा जा सकता है कि सैनिक एक कैदी को उठाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका ने भी इस पर अपनी

प्रतिक्रिया दी है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बुधवार को इजरायल से आग्रह किया कि वह एक वीडियो के सामने आने के बाद इसकी जांच करे और जवाबदेही सुनिश्चित करे, जिसमें सैनिकों को एक फलस्तीनी कैदी का यौन शोषण करते हुए दिखाया गया है। इजयरायल की जेलों में बंद कैदियों के साथ ही बुरा व्यवहार किया जा रहा है, जिसे लेकर एक वीडियो सामने आया है। वीडियो को देख कर ऐसा प्रतीत होता है कि इजरायली सैनिक ढाल के पीछे से कैदी के साथ यौन क्रियाएं कर रहे हैं, और एक सैनिक ने अपने कमर पर हाथ रखा हुआ है।विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाताओं से कहा, हमने वीडियो देखा है और बंदियों के यौन शोषण की रिपोर्टें भयावह हैं। रिहा किये गये फलस्तीनी कैदियों ने हिरासत में यातना, बलात्कार और अन्य दुर्व्यवहार के आरोप लगाये हैं, जिनका इजरायली अधिकारियों ने खंडन किया है।

पोप फ्रांसिस के कार्यक्रम में पेटा समर्थकों ने किया प्रदर्शन

वेटिकन सिटी, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

वेटिकन में पोप फ्रांसिस की आम सभा में पहुंचे पेटा के दो समर्थकों प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। पशु अधिकारों की हिमायत करने वाली संस्था 'पीपल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स' (पेटा) के दो कार्यकर्ता बुधवार को वेटिकन में पोप फ्रांसिस के कार्यक्रम में पहुंचकर बाधा डालने का प्रयास किया। पेटा कार्यकर्ता 'बुलफाइटिंग' के खिलाफ नारे लगाए और बैनर दिखाते हुए शोर मचाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। हालांकि उनको परिसर से बाहर कर दिया गया। दोनों ने 'स्टॉप ब्लेसिंग कोरिडास' (बुलफाइटिंग को बढ़ावा बंद करें) लिखी हुई टी-शर्ट पहन रखी थी और 'बुलफाइटिंग इज अ सिन' (बुलफाइटिंग पाप है) लिखे हुए बैनर पकड़े हुए थे। 'पेटा' पोप से अनुरोध कर रही है कि वे 'कैथोलिक चर्च' का 'बुलफाइटिंग' से संबंध समाप्त कर दें तथा इस 'घृणित रक्त खेल' की निंदा करें। वेटिकन ने बुधवार के विरोध प्रदर्शन पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

लड़ाई में जान गंवाने वाले अपने सैनिकों का स्पर्म निकाल रही है इज़राइल सरकार

मास्को, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

इजराइल सरकार लड़ाई में जान गंवाने वाले अपने सैनिकों का शुक्राणु यानी स्पर्म सुरक्षित रखवा रहा है। अब तक 170 नौजवानों का स्पर्म रिट्रीवल के बाद लैब में फ्रीज किया किया गया है। इनमें कुछ आम नागरिक भी शामिल हैं। हमास से लड़ाई में जान गंवाने वाले सैनिकों या आम नागरिकों का जो स्पर्म रिट्रीव किया जा रहा है, उसके पीछे मकसद है कि उससे भविष्य में बच्चे पैदा हो सकें। रिपोर्ट के मुताबिक किसी सैनिक के निधन के बाद आर्मी फौरन उसके परिवार वालों को इन्फॉर्म करती है और उनसे पूछती है कि क्या वह स्पर्म रिट्रीव करवाना चाहते हैं। परिवार की लिखित सहमति के बाद शुक्राणु निकाला जाता है। हाल के महीनों में स्पर्म रिट्रीवल कराने वाले परिवारों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

लैब में फ्रीज में किया जा रहा स्टोर

रिपोर्ट के मुताबिक मौत के बाद जिनका स्पर्म रिट्रीव करना होता है, उनके अंडाशय में एक चीरा लगाकर उसमें से कोशिकाओं का एक छोटा हिस्सा निकाल लिया जाता है। फिर इसमें से जीवित शुक्राणु कोशिकाओं को निकाल कर लैब में फ्रीज कर दिया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया मौत के 24 घंटे के भीतर ही संभव है। अगर निधन के 24 घंटे के अंदर कोशिकाएं निकाल ली जाएं, तो भविष्य में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। स्पर्म रिट्रीव करवाने वाले परिवारों में अवी हारुश का परिवार भी है, जो अप्रैल में हमास से लड़ते हुए मारे गए थे। हारुश सिर्फ 20 साल के थे। उनकी ना तो शादी हुई थी और न ही कोई गर्लफ्रेंड थी। इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने जब हारुश के परिवार वालों को स्पर्श सुरक्षित रखने का ऑप्शन दिया तो वह फौरन इसके लिए तैयार हो गए। हालांकि उन्हें नहीं पता था कि उस स्पर्म का क्या करेंगे। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक बाद में जब हारुश की कहानी सोशल मीडिया के जरिये बाहर आई तो तमाम इजरायली महिलाएं उस स्पर्म से हारुश के बच्चे को जन्म देने के लिए आगे आईं। स्पर्म रिट्रीवल के साथ-साथ पिछले कुछ महीनों से इजरायल में एक कैंपेन भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका मकसद जंग में जान गंवाने वाले सैनिकों के स्पर्म से नया जीवन देने की है। इस कैंपेन से इस पूरी प्रक्रिया के प्रति लोगों की स्वीकार्यता भी बढ़ी है।

स्पर्म रिट्रीवल को लेकर इजरायल में दूसरी बहस छिड़ी

स्पर्म रिट्रीवल को लेकर इजरायल में एक दूसरी बहस भी छिड़ गई है। वह है मृतक की मंजूरी की। तमाम यहूदी रब्बी मानते हैं कि मृतक की मंजूरी के बगैर उसके स्पर्म से प्रजनन यहूदी सिद्धांतों के खिलाफ है। इस मामले पर प्रोटेस्ट भी हो चुके हैं। साल 2023 में इजरायली संसद ने स्पर्म रिट्रीवल से प्रजनन को लेकर एक कानून बनाने की कोशिश की। एक ड्राफ्ट बिल भी तैयार किया, लेकिन यह आगे नहीं बढ़ पाया। इस पूरी प्रक्रिया को लेकर और भी कई शंकाएं हैं। जैसे- तमाम एक्सपर्ट कह रहे हैं कि अभी इस बात पर संशय है कि इस प्रक्रिया से जन्मे बच्चे को क्या वो सारी सुख-सुविधाएं और लाभ मिलेंगे, जो सर्विस के दौरान मारे गए बाकी सैनिकों के बच्चों को मिलते हैं।

ब्रिटेन में हिंसा जारी, अप्रवासियों को बनाया जा रहा निशाना

प्रदर्शनकारियों की योजना को पुलिस ने किया नाकाम

लंदन, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

ब्रिटेन में कई दिनों से हिंसा जारी है। यहां अप्रवासियों को निशाना बनाया जा रहा है। ब्रिटेन के कई शहरों और कस्बों में हजारों की संख्या में नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनकारी सड़कों पर आ गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबक बुधवार देर रात दक्षिणपंथी समूह 100 से ज्यादा प्रदर्शन करने वाले थे उनकी इस योजना की पुलिस को भनक लग गई और यह प्रदर्शन विफल हो गया। पुलिस ने सख्त व्यवस्था कर उन पर कार्रवाई की। इसके बाद बड़ी संख्या में नस्लवाद-विरोधी प्रदर्शनकारियों ने लंदन, ब्रिस्टल, ब्राइटन, बर्मिंघम, लिवरपूल, हेस्टिंग्स और वॉल्थमस्टो जैसे शहरों और कस्बों की सड़कों पर उमड़ उतर आए।

दुकानों को लूटा और शरणार्थियों के होटलों पर किए हमले

प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर लिखा था-फासीवाद और नस्लवाद को खत्म करो। शरणार्थियों का स्वागत है। दक्षिणपंथ को रोकें और नफरत नहीं, प्यार करें। ब्राइटन में बहुत कम संख्या में दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारी आए लेकिन देखते ही देखते वहां विशाल भीड़ पहुंच गई। यह ब्रिटेन के लिए राहत की बात है। कई दिनों से देश में मुसलमानों और आम तौर पर अप्रवासी आबादी को निशाना बनाकर दक्षिणपंथी विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, जिस कारण पुलिस अधिकारी घायल हो गए, दुकानों को लूटा गया और शरणार्थियों के होटलों पर हमले किए गए।

तीन लोगों को जेल भेजा एक को तीन साल की सजा

बता दें सोशल मीडिया पर गलत जानकारी (अफवाह) फैलने से हिंसा भड़क गई थी, जिसमें दावा किया गया था कि जुलाई में साउथपोर्ट में तीन बच्चों की हत्या करने वाला संदिग्ध एक मुस्लिम था। यह संदिग्ध एक्सल रुदाकुबाना था। इस पर हत्या का आरोप लगाया गया था। उपद्रव के बाद 100 से ज़्यादा दंगाइयों पर मामले दर्ज किए गए हैं और अदालती प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। तीन लोगों को जेल भेज दिया गया, जिनमें से एक को तीन साल की सजा सुनाई गई है।

घरेलू और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद पूंजीगत व्यय में की गई वृद्धि: सीतारमण

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरूवार को राज्यसभा में कहा कि घरेलू और वैश्विक चुनौतियों के बीच चालू वित्त वर्ष के बजट में पूंजीगत व्यय में वृद्धि की गयी है और राज्यों को भी 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त वित्त उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है।

वित्त मंत्री ने सदन में जम्मू कश्मीर विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक 2024, विनियोग (संख्यांक 2) विधेयक 2024 और वित्त (संख्यांक 2) विधेयक 2024 पर चर्चा का जबाव देते हुये कहा कि बजट में कुल मिलाकर पूंजीगत व्यय 15.02 लाख करोड़ रुपये है जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। कोविड के बाद तथा हाल की वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। सरकार न:न सिर्फ घरेलू चुनौतियों का बल्कि वैश्विक चुनौतियों के बीच पूंजीगत व्यय में बढोतरी कर रही है और राज्यों को 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त पूंजी भी उपलब्ध करा रही है। बाद में इन विधेयको को सदन ने ध्वनिमत से लोकसभा लौटा दिया।

उन्होंने कहा कि देश में विनिर्माण पर जोर दिया गया है ताकि रोजगार सृजन में बढोतरी हो सके। सरकार की मंशा घरेलू स्तर पर रोजगार के अवसर और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना है। कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के व्यय में बढोतरी की गयी है। शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक कल्याण सहित लगभग हर क्षेत्र के व्यय में बढोतरी की गयी है। वित्त मंत्री ने कहा कि केन्द्रीय बजट में इस वर्ष कई मामलों में संतुलन बनाया गया है। वित्तीय समायोजन के साथ ही राजकोषीय घाटे पर भी ध्यान दिया गया है ताकि अगले वित्त वर्ष में इसको और नीचे लाया जा सके। बजट में कौशल विकास और इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए किये प्रावधानों को उल्लेख करते हुये कहा कि ये 2047 तक विकसित भारत की दिशा में पहला कदम है।

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर को 17 हजार करोड़ रुपये की मदद दी गयी है। उन्होंने ग्लोबल हंगर सूचकांक में भारत के माली, सीरिया और पाकिस्तान से भी नीचे रहने के मुद्दे पर कहा कि देश में 80 करोड़ लोगों को अनाज देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भूखा नहीं रहे। उन्होंने कहा कि ग्लोबल हंगर सूचकांक बहुत बड़ा मिथक है। उन्होंने कहा कि इससे जुड़े कई सूचकांकों में देश में सुधार हुआ है और इसके मद्देनजर इसकी समीक्षा किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बचत में कमी आने के कई कारण हो सकते हैं लेकिन अब लोग एक से अधिक विकल्पों में निवेश कर रहे हैं। लोगों को जहां बेहतर रिटर्न मिलता है, उसमें निवेश करने लगे हैं। मध्यम वर्ग अब पूंजी बाजार में वायदा एवं विकल्प सौदे में निवेश करने लगे हैं। लघु बचत ही अब सिर्फ बचत का माध्यम नहीं रह गया है। शहरी लोग अपनी बचत अलग अलग क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं। रियल एस्टेट में हाल में निवेश बढ़ा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के श्रमबल में बढोतरी हो रही है। महिलाओं का उच्च शिक्षा में पंजीयन बढ़ा है। महिलाओं और लड़कियों के लाभ के लिए तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रावधान किये गये है। कामकाजी महिलाओं के लिए होस्टल बनाये जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि कराधान को सरल बनाया जा रहा है। मध्यम वर्ग के लिए 2020-23 के दौरान नयी कर प्रणाली के तहत करदाताओं को राहत दी गयी है। नये बजट में भी इसमें बढोतरी की गयी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर विकसित अर्थव्यवस्थाओं ने कर बढ़ाया है जबकि भारत में मध्यम वर्ग पर कर को कम किया गया है। 15 लाख रुपये कमाने वाले पर प्रभावी कर की दर 10 प्रतिशत है। कर रिफंड में अभी 10 दिन लग रहा है। आयकर कानून की समीक्षा की जा रही है और छह महीने में इसे सदन में रखा जायेगा।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि भूमि एवं भवन पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ को 23 जुलाई से पहले के मामले में करदाता नयी कर व्यवस्था में 12.5 प्रतिशत बगैर इंडेक्सेशन के या 20 प्रतिशत इंडेक्सेशन के साथ, जो चाहे अपना सकते हैं और इनमें से जो कम होगा, उसका वे चयन कर सकते हैं। इस बदलाव से करदाताओं पर कोई बोझ नहीं आयेगा। भूमि या भवन को बेचने से मिली राशि में से 10 करोड़ रुपये तक का समान संपत्ति में निवेश करने पर कोई कर नहीं देय होगा। जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम को जीएसटी के दायरे से बाहर करने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इसका निर्णय जीएसटी परिषद को लेना होता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद में सभी राज्यों के वित्त मंत्री है और उनके पास दो तिहाई मताधिकार है। केन्द्र के पास सिर्फ एक तिहाई मताधिकार है। उन्होंने कहा कि जीएसटी के लागू होने से पहले भी राज्य अपने स्तर पर इन पर कर लगाया करते थे। राजनीतिक रोटी सेकने के लिए यहां खडे होकर मुद्दे उठाये जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर मिले जीएसटी में से करीब 71 प्रतिशत राज्यों को जाता है।

वित्त मंत्री ने कहा कि रेल बजट में कमी नहीं आयी है। रेलवे के पूंजीगत व्यय में लगातार बढोतरी की गयी है। पीएम जनधन खाते और बेसिक बचत खाता पर न्यूनतम बैंलेंस का नियम लागू नहीं होता है। 65 करोड़ खाता धारक इसके दायरे में ही नहीं है। पीवीसी फिल्म पर आयात शुल्क को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया गया है क्योंकि इसका पर्यावरण पर दुष्प्रभाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद से निजी निवेश बढ़ रहा है। बैंकों के ऋण पर हेयरकट के मामले में उन्होंने कहा कि यह मामला दो पक्षों से जुड़ा हुआ है। एनसीएलटी की निगरानी में दिवालिया होने की कगार पर खड़ी कंपनियों का निपटान किया जाता है और इसमें बैंक और संबंधित पक्ष सहमत होकर इसका समाधान करते हैं। ऐसी स्थिति में इससे सरकार का कोई लेना देना नहीं है।

इसरो 15 अगस्त को पृथ्वी अवलोकन उपग्रह करेगा प्रक्षेपित

चेन्नई, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 15 अगस्त को श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र से लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) का उपयोग करके 175.5 किलोग्राम वजन का पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (ईओएस-08) लॉन्च करेगा।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, एसएसएलवी-डी3, अपनी तीसरी और अंतिम विकासात्मक उड़ान में, माइक्रो उपग्रह के साथ शार रेंज से सुबह 09:17 बजे उड़ान भरेगा। इसरो ने एक्स पर पोस्ट में गुरुवार को कहा, एसएसएलवी-डी3/ईओएस-08 मिशन: एसएसएलवी की तीसरी और अंतिम उड़ान 15 अगस्त को श्रीहरिकोटा से भारतीय समयानुसार सुबह 09:17 पर ईओएस-08 माइक्रो उपग्रह लॉन्च करेगी। इसरो ने कहा कि यह एसएसएलवी विकास परियोजना को पूरा करता है और भारतीय उद्योग और एनएसआईएल द्वारा परिचालन मिशनों को सक्षम बनाता है।

ईओएस-08, इसरो का नवीनतम पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है, जिसके प्राथमिक उद्देश्यों में एक माइक्रो उपग्रह को डिजाइन और विकसित करना, माइक्रो उपग्रह बस के साथ संगत पेलोड उपकरण बनाना और भविष्य के परिचालन उपग्रहों के लिए आवश्यक नयी तकनीकों को शामिल करना शामिल है। इसरो ने कहा, 175.5 किलोग्राम वजनी यह उपग्रह तीन पेलोड ले जाएगा, जिन्हें मिट्टी की नमी के आकलन से लेकर आपदा प्रबंधन तक के विविध क्षेत्रों में उपयोग के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अंतरिक्ष यान 475 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक गोलाकार निचली पृथ्वी कक्षा में लगभग एक वर्ष तक रहेगा। ईओआईआर पेलोड को दिन और रात दोनों समय में मिड-वेव आईआर (एमआईआर) और लॉन्ग-वेव आईआर एलडब्ल्यूआईआर) बैंड में फोटो कैप्चर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें उपग्रह-आधारित निगरानी, आपदा निगरानी, पर्यावरण निगरानी, आग का पता लगाने, ज्वालामुखी गतिविधियां और औद्योगिक और बिजली संयंत्र आपदा निगरानी करना शामिल है।

बांग्लादेश में बैंकों से एक लाख टका से अधिक नकद निकालने पर रोक

ढाका, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के बैंकों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए गुरुवार के लिए नकद निकासी की सीमा प्रति खाता 1,00,000 टका तक निर्धारित कर दी है, हालांकि ऑनलाइन लेनदेन पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।

अंग्रेजी दैनिक ढाका ट्रिब्यून ने गुरुवार को बताया कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण से पहले केंद्रीय बैंक ने आज एक अधिसूचना जारी की, जिसमें बैंक से निकासी को प्रति खाता 1,00,000 टका तक सीमित करने की जानकारी दी गयी। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश बैंक ने नकद निकासी को हतोत्साहित करने का फैसला किया है, ताकि इन निधियों का उपयोग आतंकवादी या अवैध गतिविधियों के लिए न किया जा सके। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद से, विशेष रूप से अवामी लीग के सदस्यों और राजनेताओं द्वारा नकद निकासी में वृद्धि के बीच धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए एहतियाती उपाय किए गए थे। बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक ने मुख्यालय से नकदी प्रवाह को भी रोक दिया और गुरुवार को चेक भुगतान पर जोर दिया।

ढाका पुलिस कार्यालय पर सेना की छापेमारी

ढाका, 08 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की सेना ने ढाका पुलिस की जासूसी शाखा पर छापेमारी की है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में गुरुवार को बताया गया कि छापेमारी के दौरान कोई भी व्यक्ति नहीं मिला। डीबी कार्यालय के कई भूतल कमरों की सेना द्वारा जांच की गई, क्योंकि उन्हें संदेह था कि वहां कुछ लोग हिरासत में लिये गये हैं। सेना की ओर से एक घोषणा की गई, जिसमें पूछा गया कि क्या कोई फंसा हुआ है, जवाब दें, यह बताते हुए कि सेना उन्हें बचाने आई है। हालांकि, किसी ने जवाब नहीं दिया और सभी कमरे खाली पाये गये। निरीक्षण के दौरान, एक कमरे में रखी अलमारी खोली गई, जिसमें 13 लाख टका नकद मिले।

तमिलनाडु के मछुआरों के साथ श्रीलंका के संदिग्ध समुद्री डाकुओं ने की लूटपाट

नागापट्टिनम, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के पांच मछुआरों पर कोडियाकरई तट के पास कथित तौर पर समुद्र के बीच में श्रीलंकाई समुद्री डाकुओं ने हमला कर लूटपाट की घटना सामने आयी है। गुरुवार को वेदारण्यम तट पर लौटे मछुआरों ने तमिलनाडु मरीन पुलिस के तटीय सुरक्षा समूह (सीएसजी) के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित मछुआरों के अनुसार, वे कल सुबह अर्कोट्टुथुराई से मछली पकड़ने वाली नाव पर सवार होकर समुद्र में उतरे थे। मछुआरों ने बताया जब वे कोडियाकरई तट से लगभग 20 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में बीच समुद्र में मछली पकड़ रहे थे, तभी फाइबरग्लास की नाव में सवार होकर आए पांच अज्ञात लोगों के एक समूह ने उन पर हमला कर दिया।

वैश्विक व्यवधानों ने भारत को रक्षा विनिर्माण क्षमता बढाने का मौका दिया : सीडीएस

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने गुरूवार को कहा कि वैश्विक व्यवधानों के कारण भारतीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने का मौका मिला है जिससे कि भारत एक आयातक देश के बजाय रक्षा उत्पादों तथा साजो सामान का निर्यातक बन सके। जनरल चौहान उद्योग संगठन फिक्की द्वारा आयोजित सम्मेलन में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल निरंतर बदल रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा, हम बड़े वैश्विक व्यवधानों के युग से गुजर रहे हैं। दुनिया की अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता की अनिश्चितताओं के बीच, वैश्विक हथियार उद्योग बढ़ती मांग और आपूर्ति के अंतर की एक विकट समस्या से जूझ रहा है। जनरल चौहान ने रक्षा क्षेत्र में आत्मानिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि यह राष्ट्र के लिए रणनीतिक स्वायत्तता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से गोला-बारूद निर्माण के संबंध में मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड अभियान को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों द्वारा की गई विभिन्न नीतिगत बदलावों, सुधारों और पहलों का उल्लेख किया।

नागरिक-सैन्य तालमेल के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने देश के आत्मनिर्भरता अभियान को बढ़ावा देने के लिए सेवाओं, रक्षा उद्योगों और शिक्षा जगत सहित वैज्ञानिकों की तिकड़ी को एक साथ आने का आह्वान किया। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने युद्ध सामग्री में आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

दुमका में इंडियन बैंक से 15 लाख रुपए की लूट

दुमका, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

झारखंड-बिहार की सीमा पर दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र में अति व्यस्ततम हंसडीहा चौक पर स्थित इंडियन बैंक की शाखा में गुरुवार दिनदहाड़े अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर लगभग 15 लाख रुपए लूट कर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर बैंक में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों को चिन्हित कर सघन छापामारी कर रही है। दुमका के पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खैरवार और जरमुंडी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मुआयना कर अपराधियों को चिन्हित कर गिरफ्तार करने के सख्त निर्देश दिए हैं। जरमुंडी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार ने घटना की पुष्टि की है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र में संचालित इंडियन बैंक की हंसडीहा शाखा में गुरुवार को बैंक खुलने के बाद बाइक पर सवार तीन नकाबपोश सहित करीब पांच की संख्या में आये अपराधियों ने दिनदहाड़े धावा दिया और हथियार का भय दिखाकर बैंक कर्मियों को कब्जे में लेकर करीब 15-20 लाख रुपए लूट कर देवघर की ओर भाग निकले । हालांकि, लूटी गयी राशि बढ़- घट सकती है। अपराधियों की करतूत बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे कैद हो गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज को खंगाला और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जरमुंडी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) संतोष कुमार ने मीडिया को बताया कि बाइक पर सवार होकर आये करीब पांच अपराधियों द्वारा इंडियन बैंक की हंसडीहा शाखा में लूट की घटना को अंजाम दिये जाने की सूचना मिली है । लेकिन कितनी राशि लूटी गयी है। इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल नहीं मिल सकी है। मौके पर मौजूद कर्मियों से जो जानकारी मिल रही है।

वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए विपक्ष कर रहा वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध : सम्राट

पटना, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार के उप मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने कहा कि वोटबैंक की राजनीति और तुष्टिकरण की नीति के तहत कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियां वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध कर रही है।

श्री चौधरी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया है।

उन्होंने जदयू के इस बयान का भी स्वागत किया, जिसमें कहा गया है कि यह विधेयक मुस्लिम विरोधी नहीं बल्कि एक निरंकुश संस्था को कानून में बांधने के लिए लाया गया है।

उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में बताया गया है कि वक्फ बोर्ड की जितनी भी परिसम्पत्तियां हैं उससे सिर्फ 163 करोड़ की ही आमदनी होती है। यदि वक्फ परिसम्पत्तियों का उचित तरीके से रखरखाव किया गया होता तो इससे 12 हजार करोड़ रुपये सलाना आय अर्जित हुई होती।

भाजपा नेता ने कहा कि वक्फ अधिनियम में बदलाव के लिए वर्ष 2024 में अचानक विधेयक नहीं पेश किया गया है बल्कि वर्ष 2015 से ही सुझाव लिए जा रहे थे। इसके लिए कश्मीर से लेकर लखनऊ तक बैठकें आयोजित की गई। रहमान खान की अध्यक्षता वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने भी कहा कि वक्फ बोर्ड की व्यवस्था ठीक तरीके से नहीं चल रही है। कार्यबल अपर्याप्त है और फंड बहुत ही कम है। रिपोर्ट में वक्फ बोर्ड में महिला सदस्यों और बच्चों को भी जगह दिये जाने की अनुशंसा की गई है। वक्फ एक्ट की अनेक खामियों को दूर करने के लिए ही संशोधन का विधेयक लाया गया है।

श्री चौधरी ने कहा कि कोई पहली बार वक्फ अधिनियम में संशोधन नहीं किया जा रहा है। वर्ष 2013 में भी इस अधिनियम में बदलाव किया गया था। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन विधेयक पारित होने के बाद वक्फ बोर्ड किसी भी सम्पत्ति को अपना नहीं बता सकेगा। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी सम्पत्ति घोषित करने की शक्ति है। जमीन पर दावे से पहले उसका सत्यापन करना होगा। इससे बोर्ड की मनमानी और मुट्ठी भर लोगों की दलाली पर रोक लगेगी।

भाजपा नेता ने कहा कि विपक्ष स्वार्थ में मुस्लिमों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। हकीकत यह है कि देश में जितना भी वक्फ बोर्ड है, उसपर माफियाओं का कब्जा हो गया है। वक्फ अधिनियम में संशोधन विधेयक पारित होने के बाद वक्फ बोर्ड को सुचारू करने एवं उसकी परिसम्पत्तियों की उचित देखभाल में सहूलियत होगी तथा उसकी अकूत सम्पत्तियों का लाभ आम और जरूरतमंद मुस्लमानों, महिलाओं और बच्चों को भी मिल पायेगा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से की बातचीत

वेलिंगटन/नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड की राजकीय यात्रा पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यहां उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स के साथ बातचीत की और न्यूजीलैंड अतंरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को भी संबोधित किया़।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता और राष्ट्रपति भवन कार्यालय ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तौर तरीकों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने पर चर्चा की। न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा, शिक्षा संबंध - भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। भारत इस वर्ष के सम्मेलन में सम्मान के पात्र का देश है। राष्ट्रपति ने शिक्षा के लिए अपना दृष्टिकोण रखा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सहित शिक्षा के क्षेत्र में भारत द्वारा किए गए सुधारों पर प्रकाश डाला। श्रीमति मुर्मु ने द्विपक्षीय शिक्षा संबंधों को और गहरा करने का आह्वान किया।

श्रीमती मुर्मु ने वेलिंगटन में पुकेहू राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने वेलिंगटन रेलवे स्टेशन के पास महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति ने कहा, महात्मा की विरासत मानव जाति के लिए एक मार्गदर्शक है। उनकी कालजयी शिक्षाएँ हमें प्रेरित करती रहती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुँचा सकता है। जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। आज आपके करीबी लोग आपके करीब आने की कोशिश करेंगे लेकिन अपने मन को शांत बनाए रखने के लिए आप एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, तो आपकी मोहब्बत आज आपके सामने प्यार के फ़रिश्ते के रूप में आएगी। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार–चढ़ाव के बाद एक–दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपकी दिलचस्प रचनात्मकता आज घर के वातावरण को सुखद बनाएगी। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। जिन लोगों के साथ आप रहते हैं वे आपसे बहुत ख़ुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी क्यों न किया हो। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान–पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज़ पूरी तरह सुनी जाएगी। यात्रा और शिक्षा से जुड़े काम आपकी जागरुकता में वृद्धि करेंगे। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपका ख़याल रखेगा। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए। ख्याल रखें कि घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है जिसको आपकी जरुरत है। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपमें से कुछ लोगों को आज महत्वपूर्ण फ़ैसला लेने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है, जिससे आप तनावग्रस्त और चिंतित हो सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। आपको अपनी रसिक कल्पनाओं पर अधिक ग़ौर करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि संभव है कि वे आज सच हो जाएँ। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। कोई धार्मिक ग्रंथ पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। कोई आपको प्यार से दूर नहीं कर सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 08 अगस्त 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 12:38 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 11:34 तक
योग : शिव दोपहर 12:38 तक
करण : वणिज प्रात: 11:21 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी , भद्रा प्रात: 11:20 से रात्रि 12:3 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा के सीएम नायब सैनी का ऐलान

विनेश फोगाट को मिलेगा सिल्वर मेडल विजेता का सम्मान

नई दिल्ली/चंडीगढ़, 08 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में भारतीय स्टार पहलवान विनेश फोगाट के साथ जो हुआ, वो किसी बुरे सपने से कम नहीं है। मात्र 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण सिर्फ भारत और विनेश की झोली से मेडल नहीं, बल्कि एक धाकड़ पहलवान का मनोबल भी टूट चुका है और उसने कुश्ती को अलविदा कह दिया। पेरिस ओलंपिक में भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को बुधवार को महिलाओं की 50 किलोग्राम स्पर्धा में फाइनल से पहले मात्र 100 ग्राम वजन ज्यादा होने की वजह से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वहीं हरियाणा सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। सीएम नायब सैनी ने गुरुवार को घोषणा की कि रेसलर विनेश फोगाट को वह हर सुविधा और सम्मान मिलेगा जो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट को मिलता है।

उन्होंने घोषणा कर दी है कि भले ही विनेश फोगाट फाइनल नहीं खेल पाईं, लेकिन उन्हें इनाम से लेकर वो सभी सुविधाएं दी जाएंगी, जो एक ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट को दी जाती हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हरियाणा की हमारी बहादुर बेटी विनेश फोगाट ने जबरदस्त प्रदर्शन करके ओलंपिक में फाइनल में प्रवेश किया था। किन्हीं भी कारणों से वो भले ही ओलंपिक का फाइनल नहीं खेल पाई हों, लेकिन हम सबके लिए वो एक चैंपियन है।

बता दें कि भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक में फाइनल खेलने से पहले ही डिस्क्वालिफाई घोषित कर दिया गया और उनका संभावित सिल्वर मेडल भी छीन लिया गया। विनेश फोगाट को प्रतियोगिता के दौरान 50 किलोग्राम की सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया और इस तरह उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया और यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के नियमों के अनुसार उन्हें अंतिम स्थान दिया गया।

अयोग्यता घोषित होने के बाद भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने कुश्ती को अलविदा कह दिया है। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए दी है। कुश्ती से संन्यास का ऐलान करते हुए कहा कि, मां कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001–2024 । आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी।

हरियाणा सरकार ने पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को छह करोड़ रुपए, सिल्वर जीतने वाले को चार करोड़ रुपए और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले को ढाई करोड़ रुपए की इनाम राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा राज्य सरकार की तरफ से ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी 15 लाख रुपए की राशि दी जाएगी। इसके साथ ही मेडल के हिसाब से ग्रुप ए, ग्रुप बी या ग्रुप सी की सरकारी नौकरी भी दी जाएगी।

विनेश के फैसले पर महावीर फोगाट बोले

संन्यास वापस लेने के लिए मनाने का प्रयास करेंगे, सरकार के फैसले को सराहा

दादरी/सोनीपत, 08 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के दौरान निर्णायक बाउट से पहले अयोग्य घोषित होने से विनेश फोगाट ने कुश्ती को अलविदा कह दिया है। विनेश के इस फैसले पर उनके कुश्ती के पहले गुरु एवं ताऊ द्रोणाचार्य अवार्डी पहलवान महावीर फोगाट ने प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि संन्यास का फैसला वापस लेने के लिए वो विनेश को मनाने का प्रयास करेंगे।

महावीर फोगाट ने कहा कि विनेश मानसिक रूप से टूट चुकी हैं और उनका प्रयास रहेगा कि विनेश को कुश्ती जारी रखने के साथ वर्ष 2028 में होने वाले ओलंपिक में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। द्रोणाचार्य अवार्डी ने कहा कि ये जो भी वाक्या हुआ वो बेहद गलत है और इसका सभी को मलाल है। वहीं, महावीर फोगाट ने प्रदेश सरकार के रजत पदक विजेता की तर्ज पर विनेश फौगाट को सम्मान और नकद राशि देने के फैसले को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से खिलाड़ी का कुछ हद तक मनोबल जरूर बढ़ेगा। बता दें कि विनेश फोगाट ने वर्ष 2001 में कुश्ती शुरू की थी। विनेश ने भी चचेरी बहन गीता व बबीता फोगाट की तरह महावीर फोगाट से ही कुश्ती के दांव–पेंच सीखे थे। पेरिस ओलंपिक में डिस्क्वालिफाई होने पर विनेश ने 23 साल के पहलवानी के सफर को विराम लगाते हुए सन्यास की घोषणा कर दी। उनके परिजन भी इस फैसले से स्तब्ध हैं। इस फैसले के बाद ताऊ महावीर फोगाट को छोड़कर विनेश की मां प्रेमलता या अन्य परिजन प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं।

हरियाणा के किसानों को 2000 बोनस कच्चे कर्मचारियों की नौकरी सुरक्षित

चंडीगढ़, 08 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में गुरुवार को हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक हुई। बैठक में किसानों, कच्चे कर्मचारियों और मीडिया कर्मियों को लेकर सरकार ने कई फैसले लिए हैं। हरियाणा की नायब सिंह सैनी की सरकार ने किसानों को बोनस देने की घोषणा की है। हरियाणा के किसानों को प्रति एकड़ भूमि के हिसाब से 2000 रुपए का बोनस दिया जाएगा। यह बोनस की राशि चालू खरीफ की फसल पर किसानों को मिलेगा। एक एकड़ से कम भूमि वाले किसानों को बोनस के 2000 रुपए मिलेंगे।

कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें उन्होंने बताया कि प्रदेश के कच्चे कर्मचारियों की नौकरी बिल्कुल सुरक्षित रहेगी। सभी अनुबंधित कर्मचारियों की सेवाएं सुरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में लगभग 120000 कर्मचारी हैं। इन सभी कर्मियों की नौकरी को सुरक्षित करने का फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार कच्चे कर्मचारियों के हित में लगातार काम कर रही है। पहले की सरकार अनुबंध कर्मचारियों को लॉलीपॉप देती रही है, लेकिन भाजपा सरकार कांट्रैक्ट कर्मचारियों के लिए एक्ट लेकर आई है। सरकार ने 2014 में ही कर्मचारियों के लिए एक्ट पास किया था, जिससे उनकी नौकरी बिल्कुल सुरक्षित रहेगी।

वहीं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में मीडिया कर्मी मासिक पेंशन की शर्तों में दो शर्तों को हटाने का काम किया है। प्रदेश में पत्रकारों को 15000 रुपये मासिक पेंशन मिल रहे ही। यदि किसी मीडिया कर्मी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होता है तो उसे सरकार की तरफ से मिल रही पेंशन बंद हो जाएगी। वहीं, अगर परिवार में दो पत्रकार हैं तो दोनों सदस्यों को पेंशन मिलेगी। परिवार के केवल एक सदस्य को ही पेंशन के देने का प्रावधान था, इसे हटा दिया गया है। अगर दोनों पति–पत्नी पत्रकारिता में हैं तो दोनों को पेंशन दी जाएगी।

नायब सैनी कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

नकली अंकतालिका, प्रमाण पत्र मामले में 22 व्यक्तियों को दो वर्ष की सजा

श्रीगंगानगर, 08 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में श्रीगंगानगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत ने करीब 25 वर्ष पुराने नकली अंकतालिकाओं और प्रमाण पत्रों की बिक्री के मामले में 22 आरोपियों को गुरुवार को दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

अदालत ने इस मामले में कश्मीरसिंह, सुरेंद्रसिंह, मलकीतसिंह, गुरपालसिंह, परमजीतसिंह, खुशविंदरसिंह, चंदरसिंह, कृष्णकुमार बिश्नोई, बलदेवसिंह (पुत्र मोहरसिंह), गुरजिंदरपाल सिंह, पंकज चोपड़ा, हरगुरनाथसिंह, मुकेशकुमार गर्ग, मंदीपसिंह, राजपालसिंह, मनजीतसिंह, गुरविंदरसिंह, हरविंदरसिंह, बलवीरसिंह, केवलसिंह, बलदेवसिंह (पुत्र जीत शसिंह) एवं जसमतसिंह को नकली अंक तालिका बिक्री का दोषी मानते हुए उन पर जुर्माना भी किया।

आरोपियों ने पंजाब माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से नकली अंक तालिका तथा प्रमाण पत्र बेचकर शिकायतकर्ता के साथ धोखाधड़ी की। सीबीआई ने 25 आरोपियों के विरुद्ध 21 अप्रैल 1999 को आरोप पत्र दायर किया था। दो आरोपियों की मृत्यु हो जाने के कारण विचारण रोक दिया गया जबकि एक आरोपी को नाबालिग होने की वजह से अदालत ने बरी कर दिया। इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने की थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले सांसद लुंबाराम

क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी में निवेशकों के जमा पैसे दिलवाने की अपील की

सिरोही, 08 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में जालौर–सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी ने गुरुवार को केंद्रीय गृह एवं अधिकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आदर्श क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी में निवेशकों की अटकी जमाओं को लौटाकर उन्हें राहत प्रदान करने की मांग की। सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि संस्था ने लुभावनी योजनाओं का लालच देकर निवेशकों के गाढ़ी मेहनत के आठ हजार करोड़ रुपये हड़पे हैं। इन्हें जल्द से जल्द वापस लौटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

बीजेपी जोधपुर संभाग सहमीडिया प्रभारी चिराग रावल ने बताया कि सांसद चौधरी ने मुलाकात के दौरान बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र सहित देश भर के गरीब–किसान को लाभकारी योजनाओं का झांसा देकर आदर्श क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी में धन जमा करवा रही थी। राशि के परिपक्व होने पर जमा चुकाने के बजाय हाथ खड़े कर दिए थे। ऐसे में आदर्श क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी में लोगों की करोड़ों की धनराशि डूब गई है। राजस्थान में सोसाइटी की 309 शाखाओं में करीब 10 लाख निवेशकों द्वारा लगभग आठ हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। क्षेत्र के गरीब, दैनिक मजदूर, ठेले वाले, रिक्शा वाले, फेरी वाले, मनरेगा मजदूर, छोटे किसान, छोटे व्यापारियों, रिटायर्ड कर्मचारी ने अपनी मेहनत की गाढी कमाई यह सोच कर आदर्श को–ऑपरेटिव सोसाइटी में निवेश किया था कि कुछ साल बाद यह पैसा दोगुना होगा। परंतु आदर्श को–ऑपरेटिव सोसाइटी ने उन सब अरमानों पर पानी फेरते हुए राजस्थान में करीब आठ हजार करोड़ रुपये की निवेशित रकम अपनी कंपनी में निवेश कर उक्त गरीबों को धोखा दिखा दिया है। सांसद चौधरी ने कहा कि आदर्श क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड ने विभिन्न अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया है, जिसके कारण सोसाइटी की संपत्तियों को कुर्क कर दिया और सोसाइटी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया तथा सोसाइटी परि समापन करने के लिए परि समापक (लिक्विडेटर) नियुक्त किया गया है। आदर्श क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी में निवेशकों की जमा पैसा जल्द दिलवाकर निवेशकों को राहत प्रदान की जाए।

विधायक अमृत लाल मीणा का राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

उदयपुर, 08 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में सलूंबर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक अमृत लाल मीणा का गुरुवार सायं उनके पैतृक गांव लालपुरिया में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज के प्रस्तावित कार्यक्रमों को स्थिगित कर लालपुरिया पहुंचे और श्री मीणा के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि और अंतिम विदाई दी। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं अन्य नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान श्री मीणा एवं श्री राठौड़ ने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया।

इस दौरान राज्य के मंत्री बाबूलाल खराड़ी, हेमंत मीणा एवं गौतम दक, विधायक चंद कृपलानी, फूल सिंह मीणा, ताराचंद जैन, प्रताप गमेती एवं उदयलाल डांगी, कांग्रेस के पूर्व सांसद रघुवीर मीणा, जिला अध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान, सलूंबर की पूर्व विधायक बसंती देवी मीणा, पूर्व विधायक नानालाल अहारी, भाजपा उदयपुर के जिला अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, प्रदेश कार्य समिति सदस्य बांसवाड़ा प्रभारी दिनेश भट्ट, प्रदेश के पूर्व महामंत्री सुशील कटारा, पूर्व विधायक अनीता कटारा सहित कई भाजपा पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने श्री अमृतलाल मीणा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सैंकड़ों स्थानीय लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। इससे पहले अपराह्न में उनका पार्थिव शरीर उदयपुर से उनके पैतृक गांव लालपुरिया लाया गया और अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इससे पूर्व करीब डेढ़ बजे उनके पार्थिव शरीर को सलूंबर के डाक बंगला में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया जहां लोगों ने उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि अमृत लाल मीणा का बुधवार देर रात उदयपुर में निधन हो गया था। उनके निधन पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री श्री शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं अशोक गहलोत, उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, भाजपा के हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनियां तथा भाजपा के कई नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने गहरा दुख जताया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

नागपंचमी पर्व आज

शुभ योगों में मनाई जाएगी नाग पंचमी

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नाग पंचमी का एक ऐसा त्योहार जो देशभर के लगभग सभी राज्यों में धूमधाम से मनाया जाता है। नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि आती है। नाग पंचमी के दिन घर के मुख्य द्वार पर सांप की प्रतिमा जरूर बनानी चाहिए। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस बार नाग पंचमी पर कई योग बनने वाले हैं। इनमें शिववास योग, सिद्ध योग, साध्य योग, बव और बालव, करण योग शामिल है। इस बार नाग पंचमी हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 9 अगस्त 2024 को पड़ रही है। हिंदू पंचांग के अनुसार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 09 अगस्त को मध्य रात्रि 12:36 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 10 अगस्त को देर रात्रि 03: 14 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 09 अगस्त को मनाया जाएगा। यह त्योहार भगवान शिव और नागों की पूजा के लिए मनाया जाता है। इस दिन लोग नाग देवता की पूजा करते हैं और नाग मंदिरों में जाकर सांपों को दूध, दही, फल आदि चढ़ाते हैं। साथ ही कुंडली में काल सर्प दोष हो तो उससे निजात पाने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर नाग पंचमी का पर्व आता है। इसमें नाग देवता की विशेष रूप से पूजा-आराधना की जाती है। नाग देवता भगवान शिव के गले की शोभा को बढ़ाते हैं। हिंदू धर्म में नाग पंचमी का विशेष महत्व होता है। पौराणिक काल से ही सांपों को देवताओं की तरह पूजा जाता है। ऐसी मान्यता है कि नाग की पूजा करने से सांपों के डसने का भय समाप्त हो जाता है। भगवान भोलेनाथ के गले में भी नाग देवता लिपटे रहते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नाग पंचमी के दिन नाग देवता की आराधना करने से भक्तों को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और कई अन्य प्रकार के भी शुभ फल प्राप्त होते हैं। ऐसी मान्यता है इस दिन नाग देवता की पूजा करने से घर में सुख और समृद्धि का वास होता है। इस बार नागपंचमी का पर्व विशेष योग में मनाया जाएगा। इन योगों में नागपंचमी का पर्व मनाने से सभी प्रकार के संकट दूर होते हैं।

नाग पंचमी के दिन नाग देवता और शिव जी की पूजा करने से नाग के डसने और अकाल मृत्यु का खतरा टलता है। साथ ही भगवान शिव की पूजा से ग्रह दोष दूर होते हैं। विशेषतौर पर काल सर्प दोष से निजात पाने के लिए नागपंचमी का दिन सर्वोत्तम माना गया है। नागों को धन का रक्षक माना गया है। नाग देवता की पूजा करने से खूब धन-दौलत मिलती है। नागपंचमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। साथ ही भगवान शिव का स्मरण करें। नागपंचमी का व्रत कर रहे हैं तो व्रत का संकल्प लें। इसके बाद चौकी पर नाग-नागिन की प्रतिमा बनाकर उसका दूध से अभिषेक करें। उन्हें फल, फूल, मिठाइयां अर्पित करें। धूप-दीप करें। अंत में नाग पंचमी की आरती करें। यदि कुंडली में काल सर्प दोष हो तो शिवलिंग पर चांदी का नाग-नागिन का जोड़ा अर्पित करें।. इससे काल सर्प दोष के कारण मिलने वाले अशुभ फल से निजात मिलती है।

नाग पंचमी संयोग

इस बार नाग पंचमी पर कई योग बनने वाले हैं। इनमें शिववास योग, सिद्ध योग, साध्य योग, बव और बालव, करण योग शामिल है। इस बार नाग पंचमी हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। इन दुर्लभ संयोग में पूजा करने से व्यक्ति को सभी प्रकार के संकटों से मुक्ति मिलेगी और जीवन सुख-समृधि से भर जाएगा।

शिववास योग

वैदिक पंचांग के अनुसार नाग पंचमी पर दुर्लभ शिववास योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन भगवान शिव कैलाश पर जगत जननी मां पार्वती के साथ रहेंगे। इस समय में शिव परिवार संग नाग देवता की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी। साथ ही नाग देवता का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा।

सिद्ध और साध्य योग

नाग पंचमी पर सिद्ध योग का भी संयोग बना रहा है। सिद्ध योग दोपहर 1:46 तक रहेगा। इस दौरान भगवान शिव की पूजा आराधना करने से सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। इसके बाद साध्य योग का निर्माण हो रहा है।

बालव करण योग

नाग पंचमी पर बल और बालव करण योग का योग का भी निर्माण हो रहा है। इस दौरान भगवान शिव और नाग देवता की पूजा करने से सभी संकट दूर होते हैं और उत्तम फल की प्राप्ति होती है।

नागपंचमी तिथि

इस साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 9 अगस्त 2024 को पड़ रही है। हिंदू पंचांग के अनुसार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 09 अगस्त को मध्य रात्रि 12:36 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 10 अगस्त को देर रात्रि 03: 14 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 09 अगस्त को मनाया जाएगा। इसके अलावा नाग पंचमी की पूजा सुबह 05:47 मिनट से लेकर 08:27 मिनट के बीच होगी। वैदिक पंचांग के अनुसार अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजे से लेकर दोपहर 12:53 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही अमृत काल रात्रि 07:57 मिनट से 09:45 मिनट तक रहेगा।

कालसर्प दोष

कालसर्प दोष दूर करने के लिए नागपंचमी पर नागों की पूजा को काफी लाभकारी माना जाता है। कालसर्प दोष दूर करने के लिए महामृत्युंजय सर्पगायत्री जाप अथवा त्रंबकेश्वर आदि तीर्थ स्थानों में सर्प पूजा का विधान है। ज्योतिषों का कहना है कि सर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति नाग पंचमी के दिन चांदी अथवा तांबे का सांप का जोड़ा लेकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। ॐ नमः शिवाय अथवा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। इसके साथ ही सर्प गायत्री का जाप करें तो कालसर्प दोष राहत मिलती है।

नागपंचमी महत्व

नागपंचमी का त्योहार हिंदू धर्म में काफी मान्य है। इस दिन पूजा करने से सांप या नागों से परिवार की सुरक्षा होती है। साथ ही उन्हें लेकर मन का भय समाप्त हो जाता है। जिस जातक की कुंडली में कालसर्प दोष है, उन्हें इसके कारण कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके लिए नागपंचमी के दिन पूजन करने से लाभ मिलता है।

नाग पंचमी पर भूल से भी अपने घर पर न बनाएं ये एक खास चीज

होता है बेहद अशुभ!

नागपंचमी के साथ कई तरह की मान्यताएं जुड़ी हुई हैं । माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा जी ने नागों को वरदान दिया था कि नागपंचमी के दिन उनकी पूजा होगी। लोग इस दिन अपने घरों में पूजा करते हैं और कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नागपंचमी के दिन घरों में रोटी नहीं बनाई जाती है? जी हां, ज्योतिष की मानें तो इस दिन घर पर रोटी बनाना अशुभ माना जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं इसके पीछे की धार्मिक वजह।

नागपंचमी का त्योहार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार, इस साल नागपंचमी का त्योहार 9 अगस्त 2024 को मनाया जाएगा।

इस दिन लोग भगवान शिव के साथ-साथ नागों की पूजा-अर्चना करते हैं। नाग मंदिरों में लोग दूध आदि चढ़ाते हैं। इसके साथ-साथ मंदिरों में चांदी के नाग भी चढ़ाए जाते हैं। मान्यता है कि नागपंचमी के दिन नागों की पूजा करने से जीवन में सुख-शांति आती है और सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। किसानों के जीवन में भी नागपंचमी का बहुत महत्व माना जाता है। वे नागों की पूजा करके अपनी अच्छी फसल की कामना करते हैं।

नाग पंचमी का दिन उत्सव की तरह मनाया जाता है। मंदिरों से लेकर बाजारों तक रौनक देखने को मिलती है। कई जगहों पर मेले भी लगते हैं। इस दिन लोग अपने घरों में तरह-तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाकर आनंद लेते हैं। लेकिन नागपंचमी के दिन घरों में रोटी नहीं बनतीं। दरअसल इसके पीछे ये मान्यता है कि तवा लोहे से बना होता है और उसे सांप के फन के समान समझा जाता है। ऐसे में इस दिन इसे चूल्हे पर चढ़ाना सही नहीं माना जाता। इसलिए नागपंचमी के दिन घरों में रोटी नहीं बनाई जाती। कहा जाता है कि ऐसा करने से नाग रूठ जाते हैं और उसका बुरा प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है।

शनि देव बना रहे राजयोग

अगस्त में इन राशियों की खुल जाएगी लॉटरी

शनि देव वैसे तो अशुभ फल देने के लिए ही जाने जाते हैं, लेकिन अगस्त के महीने में शनि देव कुछ राशियों को अतिशुभ फल देने जा रहे हैं। इन राशियों में शनि देव शुभ फल बना रहे हैं, जिससे करियर, बिजनेस, लव लाइफ के लिए अच्छे सकेत मिल रहे है। जानते हैं इन राशियों के बारे में-

मेष राशि : – शनि देव सप्तम भाव से नवम-पंचम राजयोग बना रहे हैं, जो बिजनेस में अच्छा लाभ देने जा रहे हैं। शनि महाराज अगस्त में मेहनत का फल भी देने जा रहे हैं। शनि का स्वभाव कठोर है और अनुशासन प्रिय हैं, इसलिए इस महीने आपको आलस का त्याग करना होगा और लाइफस्टाइल को ठीक रखना होगा, नहीं तो हानि भी उठानी पड़ सकती है।

विवाह में आ रही बाधा भी अगस्त में दूर हो सकती है। इस माह आप स्वयं को बेहतर बनाने पर जोर देंगे, साथ ही लोगों के बीच आपकी छवि मजबूत बने इस दिशा में काम कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को जनता के बीच रहना होगा, आलोचनाओं से घबराएं नहीं उन पर विचार करें और सुधार कर करें।

उपाय– शनिवार के दिन शनि चालीसा का पाठ करें। निर्धन लोगों की सहायता करें।

कर्क राशि :– आपके सप्तम भाव के स्वामी शनि अष्टम भाव में स्वगृही होकर गोचर कर रहे हैं, जिस कारण अगस्त का महीना आपके लिए विशेष होने जा रहा है। वहीं जो लोग मीडिया, सेल्स एंड सर्विस, गारमेंट्स, वेबसाइट डिजाइनिंग जैसे फील्ड से जुड़े हैं तो शनि देव आपको अच्छा लाभ देने जा रहे हैं। अगस्त में लाभ हासिल करना है तो आलस को अलविदा कहना होगा, नहीं तो आए अवसर जा सकते हैं।

शनि यहां उन लोगों को भी लाभ देने जा रहे हैं, जिन्होने स्टार्टअप शुरू किया है। लेकिन यहां एक बात का ध्यान रखना होगा कि समय सीमा का पूरा ध्यान रखना होगा। शनि को झूठ और वादा खिलाफी पसंद नहीं है, इसलिए जो कहीं वही करें, नहीं तो शनि कठोर दंड देने में देर नहीं करेंगे।

उपाय– फलदार और छायादार वृक्ष लगाएं। बीमार पशुओं की सेवा करें।

तुला राशि :– आपके दशम भाव में शनि योग बनाकर अत्यंत शुभ फल देने जा रहे हैं। तुला राशि शनि की अति प्रिय राशि है तो फिर आपके कतई घबराने की जरूरत नहीं हैं। जो लोगो रोजगार की तलाश में हैं तो अगस्त के महीने में गुड़ न्यूज मिल सकती है। ऑफिस में आपके काम को लोग नॉटिस करेंगे। प्रमोशन की स्थिति भी बन सकती है। यदि आप लीडिंग पोजिशन में हैं तो आपकी स्थिति और मजबूत होगी। आप दूसरों से काम निकलवाने में सफल रहेंगे।

अगस्त में आपको अंहकार से दूर रहना होगा, यदि आप नशा करते हैं तो शनि दंडित कर सकते हैं। किसी स्कैंडल में नाम आ सकता हैं। इसलिए सतर्क रहें और गलत कामों से दूर रहें।

तुलसी को मौली बांधने से दूर होती है ये परेशानी

जानें लाल कलावे के अद्भुत चमत्कार

लाल कलावा हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण धार्मिक प्रतीक है। इसे अक्सर कलाई या गले में बांधा जाता है। इसे मौली, रक्षा सूत्र या धागा भी कहा जाता है। लाल रंग को शुभ माना जाता है और यह शक्ति, ऊर्जा और सौभाग्य का प्रतीक है। मान्यता है कि लाल कलावा बांधने से नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा मिलती है और बुरी नजर से बचा जा सकता है। यह हिंदू धर्म में एक पवित्र धागा माना जाता है और इसे देवताओं का आशीर्वाद माना जाता है। शादियों, जन्मदिन और अन्य शुभ अवसरों पर लाल कलावा बांधा जाता है। कुछ लोग मानते हैं कि लाल कलावा बांधने से देवताओं से जुड़ाव महसूस होता है।

सौभाग्य: लाल कलावा को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। लाल कलावा अगर तुलसी में बांधा जाए तो विपदा नहीं आती। पीपल पर लाल कलावा बांधने से सुख समृद्धि बनी रहती है। शमी पर लाल कलावा बांधने से राहु केतु के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं। अगर केले के पेड़ पर आप लाल कलावा बांधते हैं तो इससे भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है और आपकी कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति मजबूत होती है।

लाल कलावा बांधने का तरीका

लाल कलावा को किसी भी शुभ मुहूर्त में बांधा जा सकता है। इसे बांधने से पहले इसे गंगाजल या पवित्र जल से धो लेना चाहिए। इसे तीन बार दाहिने हाथ से घुमाकर बांधा जाता है। लाल कलावा धर्म और संस्कृति से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह लोगों को सुरक्षा, आशीर्वाद और सौभाग्य प्रदान करता है। हालांकि, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सभी राशियों के लिए लाल कलावा शुभ नहीं होता है।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए जरूर आजमाएं तुलसी के ये उपाय

दांपत्य जीवन होगा खुशहाल

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद शुभ माना गया है। इसमें धन की देवी मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसलिए इस पौधे को घर में लगाने से सुख-शांति की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन की परेशानियों से छुटकारा मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी के उपाय करने से आर्थिक तंगी दूर होती है और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

तुलसी के टोटके –जगत के पालनहार भगवान विष्णु को गुरुवार का दिन समर्पित है। इस दिन सुबह स्नान करने के बाद श्री हरि की पूजा करें और भोग लगाएं। साथ ही तुलसी दल भी अर्पित करें। पूजा के पश्चात तुलसी दल को पीले रंग के कपड़े में बांधकर धन के स्थान या तिजोरी में रख दें। इससे साधक पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

अगर आप दांपत्य जीवन में सदैव प्रेम चाहते हैं, तो एकादशी के दिन पूजा के दौरान तुलसी के पौधे में कलावा बांधें। साथ ही तुलसी माता से वैवाहिक जीवन में सुख-शांति की कामना करें। इस टोटके को करने से श्री हरि की कृपा बनी रहती है। दांपत्य जीवन सदैव खुशहाल रहता है। अगर आप किसी संकट का सामना कर रहे हैं, तो सुबह स्नान करने के बाद तुलसी के पौधे की परिक्रमा लगाएं। साथ ही मनोकामना पूर्ति के लिए कामना करें। इस उपाय को करने से व्यक्ति की सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही सभी प्रकार के संकट से मुक्ति मिलती है।

तुलसी के पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास माना गया है। ऐसे में एकादशी के दिन तुलसी के पौधे के देशी घी का दीपक जलाएं और परिक्रमा लगाएं। मान्यता है कि इस उपाय को करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और जातक को धन की प्राप्ति होती है।

हंसिका मोटवानी की हॉरर फिल्म गांधारी का भयानक ट्रेलर रिलीज़

तमिल फिल्मों में अक्सर नजर आने वाली हंसिका मोटवानी अब गांधारी नाम की नई फिल्म लेकर आ रही हैं। हंसिका और निर्देशक आर कन्नन 2013 में सेट्टाई/क्रेजी के बाद गांधारी में साथ काम कर रहे हैं, जो डेल्ही बेली की रीमेक थी। निर्माताओं ने हॉरर फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ किया है।हालांकि ट्रेलर में बहुत कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन यह बताता है कि एक परित्यक्त और प्रेतवाधित महल की दिव्य सीलिंग टूट जाती है, जिससे गांधारी (हंसिका) नाम की एक आत्मा बाहर आ जाती है, जो उस जगह की रखवाली करती है। हंसिका, दोहरी भूमिका में हैं, फिल्म में हिंदू ट्रस्ट समिति की प्रमुख अधिकारी की भूमिका भी निभाती हैं।फिल्म की कहानी एक युवा महिला पर आधारित है जो हिंदू ट्रस्ट समिति की मुख्य अधिकारी के रूप में काम करती है और सदियों पहले एक पूर्व राजा द्वारा निर्मित गंधर्व कोट्टई नामक एक प्राचीन विशाल संरचना के अनुसंधान में जुट जाती है। इस प्रक्रिया में उसे कई चौंकाने वाली घटनाओं का सामना करना पड़ता है।हंसिका मेट्रो सिरीश, मायिलसामी, थलाइवासल विजय, आदुकलम नरेन, स्टंट सिल्वा, विनोदिनी, पवन, ब्रिगेडा सागा, वडिवेल मुरुगन, कलैरानी और कई अन्य कलाकारों के साथ महत्वपूर्ण भूमिकाओं में शामिल होंगी। निर्देशक आर कन्नन अपने मसाला पिक्स बैनर के तहत इस परियोजना का समर्थन करेंगे। तकनीकी दल में छायाकार बालासुब्रमण्यन, संगीत निर्देशक एलवी गणेश मुथु शामिल हैं। निर्माता अगस्त में रिलीज की योजना बना रहे हैं।

खेल खेल में का नया गाना दूर न करें हुआ रिलीज

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म सरफिरा में नजर आ रहे हैं। हालांकि, इन दिनों सिनेमाघरों में लगी इस फिल्म की ज्यादा चर्चा नहीं है। इस बीच खिलाड़ी की अगली फिल्म चर्चा में हैं। अक्षय कुमार अब खेल खेल में फिल्म में नजर आएंगे। आज इस फिल्म का नया गाना दूर ना करीं रिलीज हुआ है। इसमें वे वाणी कपूर के साथ रोमांस करते नजर आए हैं। इस गाने को विशाल मिश्रा और जहरा एस खान ने गाया है।

इस गाने को दूर न करें को विशाल मिश्रा और जहरा एस खान ने आवाज दी है। इस गाने के बोल गीतकार कुमार ने लिखे हैं। तनिष्क बागची ने गाने को कंपोज किया है। इस फिल्म में तापसी पन्नू, वाणी कपूर और फरदीन खान अहम किरदार अदा करते नजर आएंगे। एमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।अक्षय कुमार की इस फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है।

फिल्म अगले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का मुकाबला कई चर्चित फिल्मों से होने वाला है। इनमें श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 और जॉन अब्राहम की वेदा जैसी फिल्में शामिल हैं।अक्षय कुमार की इस फिल्म को टी-सीरीज और वकाओ फिल्म्स प्रोड्यूस कर रहे हैं। दर्शकों को अब फिल्म के ट्रेलर का इंतजार है। ट्रेलर 2 अगस्त को मुंबई में एक भव्य इवेंट में लॉन्च होगा। खेल खेल में के थिएट्रिकल ट्रेलर को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन द्वारा यू/ए सर्टिफिकेट दिया गया है, जिसका रन टाइम 3 मिनट 8 सेकंड बताया जा रहा है।

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा इसी महीने रिलीज हुई। लेकिन, सिनेमाघरों में इसे कोई पानी भी पूछता नजर नहीं आ रहा है। 12 जुलाई को रिलीज हुई यह फिल्म कल्कि 2898 एडी, किल और अब अमेरिकी फिल्म डेडपूल और वूल्वरिन के बीच दबकर रह गई। अब देखना दिलचस्प होगा कि खेल खेल में अक्षय कुमार की किस्मत को कहां लेकर जाती है।

शमा सिकंदर ने क्रॉप टॉप पहन दिए किलर पोज

टीवी की खूबसूरत अदाकारा शमा सिकंदर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो आए दिन अपने स्टाइलिश लुक और बोल्ड ड्रेसिंग सेंस से लोगों के बीच लाइमलाइट में बनी रहती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका स्टनिंग अवतार नजर आ रहा है. शमा ने ब्लू कलर डेनिम क्रॉप टॉप और पैंट पहना है. लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है साथ ही ईयररिंग्स उनपर काफी जच रहे हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं. एक्ट्रेस की हॉटनेस ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. एक्ट्रेस का यह ग्लैमरस अवतार देख यूजर्स खुद को रोक नहीं पा रहे हैं और कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट ड्रॉप कर रहे हैं.टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर को अपने फैंस का दिल जीतना अच्छी तरह से आता है. एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस और बोल्ड फिगर के चलते सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं।वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हुए नहीं थकते हैं।बता दें कि चाहे इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस शमा सिकंदर अपने हर लुक में कहर ढाती हैं। उनका सिजलिंग अवतार अक्सर फैंस के बीच तबाही मचा देता है।

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी जाह्नवी कपूर की उलझ

जाह्नवी कपूर स्टारर फिल्म उलझ दर्शकों को लुभाने में नाकामयाब साबित हुई है। हालांकि रिलीज से पहले फिल्म को लेकर काफी बज देखा जा रहा था लेकिन सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इसकी बेहद धीमी शुरुआत हुई। वीकेंड पर भी फिल्म की कमाई में मामूली तेजी ही देखी गई। वहीं वीकडेज में तो उलझ की हालत बेहद पतली हो गई है। फिल्म के लिए लाखों कमाना भी मुश्किल हो गया है। चलिए यहां जानते हैं उलझ ने रिलीज के 5वें दिन कितनी कमाई की है?जाह्नवी कपूर और गुलशन देवैया स्टारर फिल्म उलझ सिनेमाघरों में इस शुक्रवार को अजय देवगन स्टारर औरों में कहां दम था के साथ रिलीज हुई थी। दोनों ही फिल्में अलग-अलग जॉनर की हैं। लेकिन ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच कर लाने में नाकामयाब रही हैं। खासतरौ पर उलझ का तो बहुत बुरा हाल है। यूं कहिए कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई है। फिल्म की शुरुआत ही बेहद खराब हुई थी और फिर ओपनिंग वीकेंड पर भी ये टिकट काउंटर पर स्ट्रगल करती हुई नजर आई। वहीं अब रिलीज के पहले हफ्ते में ही ये फिल्म लाखों में सिमट गई है।फिल्म की कमाई की बात करें तो उलझ ने रिलीज के पहले दिन 1.15 करोड़ का केलक्शन किया था। दूसेर दिन फिल्म ने 1.75 करोड़ कमाए। तीसरे दिन फिल्म की कलेक्शन 2 करोड़ रहा और चौथे दिन उलझ ने 57 लाख का कलेक्शन किया। वहीं अब फिल्म की रिलीज के पांचवें दिन यानी

मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक उलझ ने रिलीज के 5वें दिन यानी मंगलवार को भी 65 लाख की कमाई की है। इसी के साथ उलझळ का 5 दिनों का कुल कारोबार अब 6.20 करोड़ रुपये हो गया है।उलझ का बॉक्स ऑफिस पर टिकना बेहद मुश्किल लग रहा है। फिल्म को रिलीज हुए महज 5 दिन हुए हैं और ये अब लाखों कमाने में भी काफी स्ट्रगल कर रही है। उलझ की कमाई की रफ्तार इतनी धीमी है कि अब इसका बॉक्स ऑफिस से पैकअप होता हुआ नजर आ रहा है। ये फिल्म अपनी आधी लागत तो दूर 10 करोड़ का आंकड़ा भी छूने में फेल साबित हो रही है।उलझ में जाह्नवी कपूर के अलावा गुलशन देवैया, आदिल हुसैन, रोशन मैथ्यूज और राजेश तैलंग भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन सुधांशु सरिया ने किया है।

15 नहीं अब 14 अगस्त को रिलीज होगी स्त्री 2!

हॉरर कॉमेडी फिल्म के 1 दिन पहले होंगे नाइट शो

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 अपनी रिलीज के नजदीक पहुंच रही है। स्त्री 2 को रिलीज होने में अब बस एक हफ्ता बचा है। इस बीच स्त्री 2 को लेकर बड़ा अपडेट आया है। स्त्री 2 आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने जा रही है, लेकिन फिल्म स्त्री 2 की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट आया है। अब फिल्म एक दिन पहले यानि 14 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। बता दें, 15 अगस्त को जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की एक्शन ड्रामा फिल्म वेदा, अक्षय कुमार, फरदीन खान, एमी वर्क, आदित्य सील, तापसी पन्नू, प्रज्ञा जायसवाल, वाणी कपूर स्टारर कॉमेडी

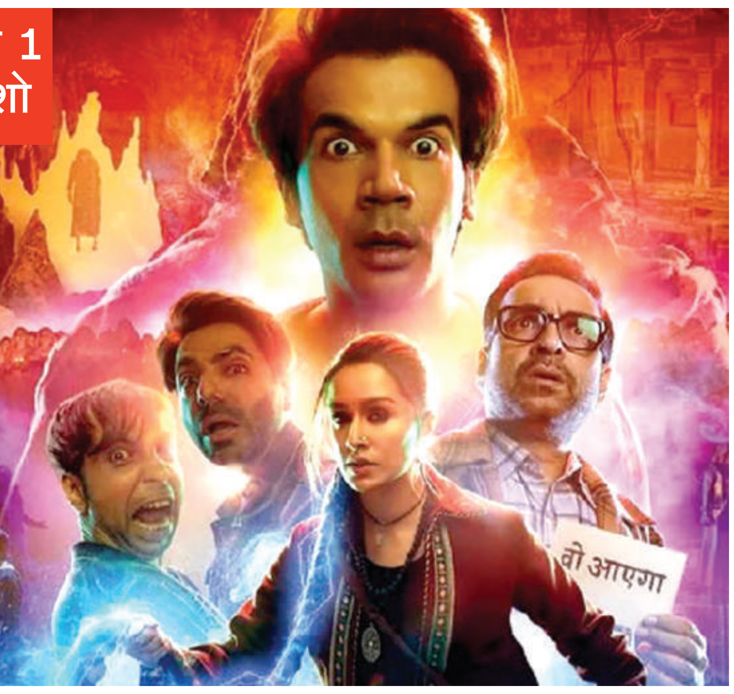

ड्रामा फिल्म खेल खेल में भी रिलीज होने जा रही है।रिपोर्ट्स की मानें तो स्त्री 2 के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से पहले यह बड़ा कदम उठाया है। फिल्म के डायरेक्टर अमर कौशिक के साथ मिलकर फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान और जियो स्टूडियोज ने 14 अगस्त को फिल्म स्त्री 2 के नाइट शो चलाने का प्लान किया है। इससे पहले स्त्री 2 के मेकर्स ने अपनी हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंज्या के लिए भी ऐसा किया था और इसके मिडनाइट शो चलाए थे।वहीं, स्त्री 2 के नाइट शो 14 अगस्त को शाम 7.30 बजे से शुरू होंगे। 14 अगस्त को फैन ओनली इवेंट्स के जरिए स्त्री 2 के नाइट शो चलाने की तैयारी है। हालांकि के स्त्री 2 के मेकर्स की इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।स्त्री 2 के बारे में बता दें मडोक के हॉरर यूनिवर्स की फिल्म है, जिसका पहला पार्ट साल 2018 में रिलीज हुई थी। पूरे छह साल बाद स्त्री का पार्ट 2 आ आ रहा है।

यूपी में किसानों के हक पर साइबर डाका

हमीरपुर, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में 750 किसानों के मुआवजे में साइबर फ्रॉड हुआ है। ओलावृष्टि के अनुदान की राशि हमीरपुर के बजाय महराजगंज और गोरखपुर के खातों में भेज दी गई है। मामले में एसडीएम ने आईडी हैक कर खातों में बदलाव का आरोप लगाया है। मुआवजे के तौर पर 750 किसानों को मिलने वाली धनराशि महाराजगंज व गोरखपुर में कुछ लोगों के खातों में भेज दी। एसडीएम सदर ने करीब 15.50 लाख रुपए दूसरे खातों में जाने की बात स्वीकार की है।

एसडीएम का कहना है कि उनकी आईडी हैक कर शातिरों ने गड़बड़झाला किया। एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक ने साइबर थाने में चार अगस्त को अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी, विश्वासघात करने, आघात पहुंचाने व संचार माध्यम से धोखा देने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने बताया है कि ओला पीड़ित किसानों को अनुदान वितरित करने के लिए लेखपालों ने अपनी लॉगिन आईडी से उनका विवरण ऑनलाइन फीड किया। सभी स्तरों पर स्वीकृत होते हुए पेमेंट ऑन लाइन किसानों के खाते में भेजा गया। लेकिन फीडिंग के दौरान त्रुटि होने पर पेमेंट रिटर्न हो गया। जिस पर ऑफ लाइन डाटा संशोधन कर भेजा गया। रिटर्न सूची में अंकित कई किसानों के खातों में खाता संख्या अज्ञात स्तर पर बदल गई। यह गड़बड़झाला उनकी आईडी हैक कर किया गया। ज्यादातर धनराशि महाराजगंज व गोरखपुर में संचालित खातों में जाने की बात सामने आई है। एसडीएम सदर ने बताया कि करीब 750 किसानों की 15.50 लाख धनराशि गलत खातों में पहुंची है, जिसकी जांच की जा रही है।

साइबर थानाध्यक्ष जयशंकर सिंह ने ऐसा कोई मामला दर्ज न होने की बात कही। इससे साफ प्रतीत होता है कि मामले को छिपाने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा एडीएम वित्त एवं राजस्व विजय शंकर तिवारी ने भी मामले की जानकारी न होने की बात कही। हालांकि एफआईआर की कॉपी एसडीएम के पास है। एडीएम वित्त एवं राजस्व विजय शंकर तिवारी ने एक जुलाई को सदर व मौदहा तहसील के एसडीएम व तहसीलदार को पत्र भेज ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के बैंक खातों में कोषागार से भेजी गई धनराशि का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। जिसके बाद सुमेरपुर क्षेत्र के पंधरी गांव निवासी 11 किसानों की धनराशि अन्य खातों में पहुंचने पर लेखपाल प्रदीप यादव को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया गया। इसके साथ ही एसडीएम व तहसीलदार से ऐसे किसानों का विवरण मांगा गया।

बीते 20 फरवरी व तीन मार्च 2023 को जिले में हुई ओलावृष्टि ने सदर व मौदहा तहसील के किसानों को तबाह कर दिया था। सदर व मौदहा क्षेत्र के 53 गांवों में फसलों को 90 फीसदी नुकसान हुआ था। किसानों को न तो बीमा कंपनी से कुछ मिला और न ही कृषि अनुदान की धनराशि ही उनके खाते में पहुंची।

सीएजी रिपोर्ट में खुलासा

यूपी मेट्रो 1700 करोड़ के घाटे में

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि वर्ष 22-23 में आवास विकास ने 5000 करोड़ सरकारी खजाने में भरे। वन निगम ने भी 1100 करोड़ कमाए। वहीं यूपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन 1362 करोड़ और नोएडा मेट्रो 385 करोड़ रुपए के घाटे में है। स्मार्ट सिटी में वाराणसी और सहारनपुर छोड़ सभी घाटे में हैं। इस तरह सिटी ट्रांसपोर्ट सेवा भी सभी जिलों में सरकारी खजाने पर बोझ हैं।

सीएजी के मुताबिक वर्ष 22-23 में यूपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन पर 10193 करोड़ रुपए का कर्ज था। इसी तरह नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन पर 914 करोड़ रुपए का कर्ज था। प्रदेशीय इंडस्ट्रियल एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ यूपी (पिकप) 376 करोड़ रुपए के घाटे में है और 995 करोड़ रुपए का कर्ज है।

इलाहाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस 16 करोड़ से ज्यादा घाटे में है। राज्य चीनी एवं गन्ना विकास निगम 761 करोड़ के घाटे में है।

राज्य चीनी निगम 156 करोड़ के घाटे में है। स्टेट हैंडलूम कॉर्पोरेशन करीब 85 करोड़ का घाटा झेल रहा है। स्टेट स्पिनिंग मिल कॉर्पोरेशन 275 करोड़ के घाटे में है।

अलीगढ़ स्मार्ट सिटी 206 करोड़, प्रयागराज स्मार्ट सिटी 66 लाख, वाराणसी स्मार्ट सिटी 28 लाख, मुरादाबाद स्मार्ट सिटी 8 करोड़, कानपुर स्मार्ट सिटी 1.5 करोड़ और लखनऊ स्मार्ट सिटी 11 करोड़ रुपए के घाटे में है। वहीं, सहारनपुर स्मार्ट सिटी ने करीब 26 करोड़ रुपए का लाभ कमाया है।

ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरून ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की

जंगे आजादी में रही है गोरक्षपीठ की अहम भूमिका

अब स्वतंत्रता के मूल्यों के प्रसार पर जोर

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

स्वतंत्रता के लिए लड़ाई में भरपूर योगदान और स्वतंत्रता के मूल्यों का संरक्षण गोरक्षपीठ की विरासत का अभिन्न हिस्सा है। पीठ से विरासत में मिली इस परंपरा को वर्तमान पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में बखूबी निभाने के साथ और आगे बढ़ा रहे हैं। हर जिले में शहीदों के नाम पार्क, हर शहीद को सम्मान।

शहीदों से जुड़े हर स्मारक का सुंदरीकरण आदि इसका प्रमाण है। इसी क्रम में योगी सरकार ने काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी वर्ष के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला तैयार की है। शताब्दी महोत्सव पर पूरे प्रदेश भर में अलग-अलग तिथियों पर कार्यक्रम होंगे। 9 अगस्त से इन आयोजनों की शुरुआत होगी। वहीं 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा अभियान आयोजित किया जाएगा, जिसमें घर-घर तिरंगा फहराया जाएगा।

गोरखपुर स्थित नाथपंथ की इस पीठ के व्यापक सामाजिक सरोकार रहे हैं। यही वजह है कि करीब एक शताब्दी से देश की राजनीति और समाज का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं रहा जिस पर अपने समय में पीठ की महत्वपूर्ण भूमिका नहीं रही हो। राम मंदिर आंदोलन में गोरक्षपीठ की भूमिका से हर कोई वाकिफ है। यह देश की राजनीति और समाज पर असर डालने वाला आजादी के बाद का सबसे बड़े आंदोलन था। रही देश की आजादी की लड़ाई की बात तो इसमें भी पीठ की इसी तरह महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विशेषकर इस पीठ के वर्तमान पीठाधीश्वर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की।

जिस दौरान जंगे आजादी चरम पर थी, उस समय योगी आदित्यनाथ के दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ही गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर थे। वह चित्तौड़ मेवाड़ ठिकाना ककरहवां में पैदा हुए थे। पर, 5 साल की उम्र में गोरखपुर आए तो यहीं के होकर रह गए। यकीनन देश भक्ति का जोश, जज्बा और जुनून उनको मेवाड़ की उसी माटी से विरासत में मिली थी जहां के महाराणा प्रताप ने अपने समय के सबसे ताकतवर मुगल सम्राट के आगे तमाम दुश्वारियों के बावजूद घुटने नहीं टेके।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रतिफल है हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल

सीएम योगी ने किया उद्घाटन

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार द्वारा आयोजित इन्वस्टर्स समिट में हुए एमओयू अब धरातल पर उतरकर भविष्य की बेहतर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। गोमतीनगर विस्तार के सेक्टर-4 वसंत खंड स्थित हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल व ट्रॉमा सेंटर इसका उदाहरण है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को इस 300 बेडेड सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का बटन दबाकर लोकार्पण व शुभारंभ करते हुए ने कहा कि यह पवित्र हृदय से किया गया कार्य है। उन्होंने हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल के निर्माण के लिए मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.संदीप कपूर और उनकी पूरी टीम को हृदय से बधाई हुए कहा कि यह गोमती नगर विस्तार के नागरिकों के लिए उपहार है। इस अवसर पर उन्होंने देश में पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों के साथ ही प्रदेश में निवेश, रोजगार और विकास की उन्नति पर प्रकाश डाला। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में इन्वेस्टर समिट के दौरान ही हॉस्पिटल को लेकर एमओयू हुआ था और 200 करोड़ रुपए की लागत से रिकॉर्ड समय में इसका निर्माण कर इसे जनता के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन्-वेस्टर्स समिट के अन्तर्गत हेल्थ केयर इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में नियत समय सीमा में पूर्ण होने वाला यह पहला प्राइवेट प्रोजेक्ट है।

सीएम योगी ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती और इसमें भी सबसे ज्यादा युवा हैं। उन्हें विकास और रोजगार से जोड़ सकें इसके लिए सरकारी और निजी क्षेत्र में अवसरों को हम चिन्हित करके उन्हें विकसित कर रहे हैं। 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद सरकारी और निजी क्षेत्रों में रोजगार को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया जिससे 6.5 लाख से ज्यादा युवाओं को हम नौकरी देने में सक्षम हुए। 2018 में इनवेस्टर समिट के माध्यम से प्रदेश में निवेश के द्वार भी खुल गए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से पहले उत्तर प्रदेश को लेकर एक नकारात्मक स्थिति थी। नए निवेश आना तो दूर, जो निवेश यहां पहले से थे वह भी वाइंडअप करना चाहते थे। उत्तर प्रदेश में अपराध का बोलबाला था, न बेटी सुरक्षित थीं न व्यापारी। ऐसे में, हमने तब जीरो टॉलरेंस नीति लागू की जिसे आज पूरा देश मॉडल के रूप में स्वीकार करता है। बेहतरीन कानून के राज के लिए यह कदम जरूरी थे और इसी के फलस्वरूप निवेश ने पंख फैलाने शुरू किए।

उत्तर प्रदेश में बदले निवेश के परिदृष्य के बारे में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब राज्य में भाजपा सरकार सत्ता में आई तो मैने इन्वेस्टर समिट कराने के लिए सुझाव मांगे, तब मुझे बताया गया कि हम 20 हजार करोड़ का निवेश लेकर आएंगे जो प्रदेश के विकास के लिए नाकाफी होता। इसके बाद हमने प्रयास प्रारंभ किए जो अब अपना सकारात्मक रंग दिखा रहे हैं। पहले इनवेस्टर समिट में 4 लाख करोड़ के निवेश से शुरू हुई यात्रा आगे चलकर 40 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। ये प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के हमारे लक्ष्य का उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि निवेश के इन आंकड़ों को लोग फेक डाटा मानते थे, तो सूची जारी करके पब्लिक डोमेन में जारी किया। यह सफल मॉडल था। निवेश छोटा हो या बड़ा वह विकास का द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि वह युवाओं को रोजगार से जोड़कर नया पंख देता है।

सीएम योगी ने कहा कि हॉस्पिटल सेवा का माध्यम होने के साथ ही आजीविका का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी टीम को बधाई दूंगा कि ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में जो इन्होंने एमओयू किया था वह आज साकार हो गया है। पिछले 10 वर्ष के अंदर देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत परिवर्तन हुआ। स्वास्थ्य की सेवा फ्री होनी चाहिए और इसी प्रेरणा से हमने 5 करोड़ 11 लाख लोगों को आयुष्मान कार्ड के जरिए लाभान्वित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनआरोग्य योजना से भी हमने लोगों को जोड़ा है। मुख्यमंत्री राहत कोष से हमने 1 लाख 88 हजार लोगों को सुविधा उपलब्ध कराई है। विवेकानंद पॉलीक्लीनिक से शुरू हुई यह यात्रा 300 बेडेड सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल के रूप में साकार हो गई है। हम ग्रीन कॉरीडोर सुविधा भी उपलब्ध करा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि मेरा आग्रह है कि इस अस्पताल में आयुष्मान भारत के लिए भी प्रावधान रखा जाए। इस योजना से हम व्यक्ति को 5 लाख रुपए तक की बीमा कवर उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हेल्थ सिटी विस्तार अस्पताल माध्यम से न केवल लखनऊ बल्कि आस-पास के सभी क्षेत्रों में हेल्थ सर्विसेस का लाभ मिलेगा। सीएम योगी बोले, उद्घाटन की पूर्णाहुति में बरसात भी हो रही जो पवित्र हृदय से किए गए कार्य को दर्शाता है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक योगेश शुक्ल, महापौर सुषमा खर्कवाल और हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप कपूर, तीनों पार्टनर चिकित्सक डॉ संदीप गर्ग, डॉ के.बी जैन तथा डॉ राजेश अरोड़ा समेत हॉस्पिटल की समस्त टीम व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हॉस्पिटल के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. संदीप कपूर ने बताया कि 10 वर्ष पूर्व अस्पताल के निर्माण का विचार आया था और 2016 में हेल्थसिटी अस्पताल ने जन्म लिया। उन्होंने कहा कि 2017 में सीएम योगी ने कार्यभार संभाला और प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के सपने साकार करने के लिए इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन समेत गुड गवर्नेंस और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्रमोट किया। हम भी इस प्रक्रिया में शामिल हुए और 3 एकड़ क्षेत्र में 2 लाख स्क्वेयर मीटर बिल्ड अप एरिया वाला यह 300 शैय्या, 40 ओपीडी, 60 क्रिटिकल केयर बेड, 8 ऑपरेशन थिएटर, 75 से ज्यादा सीनियर डॉक्टर्स (जिनमें कई 30 साल के अनुभवी ट्रेंड सर्जन भी शामिल हैं) हॉस्पिटल अस्तित्व में आया। यह अस्पताल मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा देगा। डॉ. कपूर ने बताया कि ये अस्पताल डॉक्टरों के समूह ने बनाया है जो इन्वेस्टर भी हैं और संचालनकर्ता भी हैं। उनके अनुसार, अस्पताल जब कम लागत में तैयार होगा तो मरीज पर बोझ कम पड़ेगा और अफोर्डेबल हेल्थकेयर सर्विसेस मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हम प्रशिक्षण और नर्सिंग स्कूल भी खोलेंगे और विदेश की सफलता की कहानी को प्रदेश में साकार करना चाहते हैं। विलेज लेवल आंत्रप्रेन्योरशिप प्रोग्राम में भी सहभागिता कर रहे हैं। वहीं, क्षेत्रीय विधायक योगेश शुक्ल ने कहा कि इनवेस्टर समिट के माध्यम से रोपा गया बीज आज फलदार वृक्ष बनने की ओर अग्रसर है। अस्पताल ट्रांस गोमती क्षेत्र में उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा।

अयोध्या बलात्कार कांड में नया खुलासा

बलात्कारी सपा नेता की हिफाजत कर रही थी पुलिस

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

सामूहिक दुष्कर्म के मामले के बाद जिस निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त करके आज वाहवाही बटोरी जा रही हैं, उस अवैध निर्माण की पिछले 12 साल से पुलिस ही रखवाली कर रही थी। दूसरों को छानबीन करके ही मकान किराए पर लेने की नसीहत देने वाली पुलिस ने अपने ही इस फॉर्मूले का पालन नहीं किया और अवैध निर्माण कर बनाए गए मकान में ही पुलिस चौकी खोल दी।

दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई का चाबुक चला तो इसके अवैध होने की पुलिस को भी याद आई और आनन-फानन इसे खाली कर दिया गया। भदरसा में हुए दुष्कर्म मामले के बाद आरोपी के अवैध कारनामों को उजागर करने के प्रयासों के बीच प्रशासन व पुलिस के खुद के कारनामे भी उजागर हो रहे हैं। दुष्कर्म के आरोपी के जिस मकान व निर्माण को अवैध बताया जा रहा है, वह एक दिन में हुआ निर्माण तो नहीं है। ऐसे में सवाल है कि निर्माण होते समय राजस्व महकमा कहां था? क्या निर्माण के समय राजस्व विभाग के लोगों को इसकी भनक नहीं लगी या उनकी भी इस अवैध निर्माण में संलिप्तता थी या फिर अवैध कब्जा हटवाने के लिए मुख्यमंत्री की सख्ती का इंतजार हो रहा था?

यही नहीं, जांच का दायरा बढ़ाया गया तो मालूम हुआ कि भदरसा में सपा नेता के अलावा भी बहुत सी जमीनों पर अवैध ढंग से कब्जा है। इतने बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे होते रहे, लेकिन राजस्व महकमा व पुलिस प्रशासन सोता रहा।

जब मुख्यमंत्री ने कार्रवाई का चाबुक चलाया तो अवैध कब्जों की पुलिस व प्रशासन को याद आई। उधर, वर्ष 2012 से भदरसा पुलिस चौकी की स्थापना के लिए गृह विभाग ने भी वही स्थान तलाशा, जो अवैध कब्जे की जमीन पर बना था। माना जा रहा है कि या तो पुलिस ने चौकी खोलने से पहले जांच नहीं की या फिर इसमें भी मिलीभगत व साठगांठ करके स्वार्थ साधा गया। प्रबुद्ध लोगों का कहना है कि दुष्कर्म के आरोपियों की जांच के साथ अवैध निर्माणों को बढ़ावा देने वाले स्थानीय पुलिस व राजस्व महकमे की भी जांच और कार्रवाई होना चाहिए। सोहावल के उप जिलाधिकारी अशोक सैनी कहते हैं, यह पुराने निर्माण हैं। चकबंदी के दौरान भी कुछ गड़बड़ियां हुई होंगी। वह एरिया नगर पंचायत का है। नगर पंचायत को इसका संज्ञान लेना चाहिए कि उनकी जमीन पर कौन कब्जा कर रहा है।

लेखपाल का उससे कोई लेना-देना नहीं है। अपनी सम्पत्ति की सुरक्षा करना नगर पंचायत की जिम्मेदारी है। वह चाहें तो प्रशासन से मदद मांग सकते हैं।

अयोध्या के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भदरसा में किशोरी से दुष्कर्म के आरोपियों के मोबाइल फोन भी राज खुलेंगे। इसके लिए दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी। सर्विलांस टीमें इस पर कार्य कर रही हैं। माना जा रहा है कि इससे भी केस को मजबूत बनाने में पुलिस को काफी मदद मिल सकती है। दर्ज एफआईआर में किशोरी की मां ने बताया है कि उनकी पुत्री को खेत में काम करने के दौरान बेकरी में काम करने वाला राजू खान मिला था, जो उसे लेकर बेकरी मालिक व सपा नेता मोईद खान के पास गया था। वहां मोईद खान ने उसके साथ दुष्कर्म किया और राजू खान ने वीडियो बनाया। बाद में वीडियो के आधार पर उसे ब्लैकमेल करके कई बार उन्होंने दुष्कर्म किया। इस बीच वह गर्भवती हो गई। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। पीड़िता का गर्भपात हो चुका है। उसका डीएनए टेस्ट के लिए नमूना भी लिया जा चुका है। मुद्दा राजनीतिक होने के कारण पुलिस भी फूंक-फूंककर कदम बढ़ा रही है और किसी भी एंगल को छूटने नहीं देना चाहती है। पुख्ता सबूत इकट्ठा करने की हर संभव कोशिश हो रही है।

सिपाही भर्ती पेपर लीक के सरगना ने तीन साल में खोली 7 कंपनियां

भर्तियों में फ्रॉड कर किया करोड़ों का वारा-न्यारा

प्रयागराज, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

आरओ-एआरओ व सिपाही भर्ती पेपर लीक प्रकरण के जिस मास्टर माइंड राजीव नयन मिश्रा उर्फ राहुल की 1.2 करोड़ की सम्पत्ति प्रवर्तन निदेशालय ने अटैच की, उसने महज दो साल के भीतर सात कंपनियां खोल डालीं। इनका पंजीकृत कार्यालय ग्रेटर नोएडा व प्रयागराज में बनाया गया। साथ ही इनके जरिए लाखों रुपए का वारा-न्यारा भी किया गया।

2017 से 2020 के बीच यह सात कंपनियां अलग-अलग नाम से खोली गईं। इन सभी कंपनियों को पार्टनरशिप में खोला गया और इनमें कई पार्टनर भी बनाए गए। हालांकि, इनमें सबसे ज्यादा शेयर राजीव नयन का ही था। 2017 से ही उसने इन कंपनियों के जरिये लाखों का वारा-न्यारा शुरू कर दिया था। मास्टर माइंड ने जो पांच कंपनियां खोलीं, उनमें से एक का जिक्र प्रवर्तन निदेशालय ने भी किया है। यह कंपनी सेमवाल्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड थी, जिसमें राजीव नयन के अलावा कुल छह डायरेक्टर थे।

भोपाल, ग्रेटर नोएडा व दादरी में अचल व बैंक खाते में पड़ी नकदी व दो कारों को अटैच किए जाने के बाद अब राजीव नयन की सम्पत्तियों की प्रयागराज में भी तलाश शुरू कर दी गई है। गोपनीय तरीके से पता लगाया जा रहा है कि प्रयागराज में उसके नाम पर कोई सम्पत्ति है या नहीं। बता दें कि वह मूल रूप से मेजा के शुकुलपुर गांव का रहने वाला है। उसने सेमवॉल्ट टेक्नोलॉजीज ग्रेटर नोएडा, वेब ई एंड आई ग्रेटर नोएडा, सेमवाल्ट फूड क्लब ग्रेटर नोएडा, रेडी टु मूव कार्गो सर्विसेस ग्रेटर नोएडा, सेमवाल्ट डाइमेंसन ग्रेटर नोएडा, आईशॉप कंसल्टेंसी प्रयागराज और मेडिचॉइस ग्रेटर नोएडा नाम से कंपनियां खोली थीं।

पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलीं। इस दौरान रक्षा मंत्री ने मनु की जमकर प्रशंसा करते हुए एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की है उन्होंने कहा कि देश की शीर्ष निशानेबाज से मिलकर बेहद खुशी हुई। राजनाथ ने कहा हर भारतीय आपके अविश्वसनीय प्रदर्शन से बेहद उत्साहित है। अपने जिस प्रकार पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रहा है उससे सभी बेहद खुश हैं। इसके साथ ही रक्षामंत्री ने उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं। मनु के साथ इस दौरान उनके कोच जसपाल राणा भी थे।

इससे पहले इस निशानेबाज ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे एवं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा से भी मुलाकात की थी। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने ओलंपिक में मनु के असाधारण प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा, हमारी बहन मनु को बधाई, जिन्होंने देश का गौरव बढ़ाने का काम किया है। साथ ही कहा, स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी जिसने एक ही ओलंपिक में दो पदक जीते हैं, यह हमारे लिए किसी गर्व की बात से कम नहीं है। इससे पहले मनु भाकर ने नई दिल्ली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की थी।

मनु ने ओलंपिक में भारत के लिए महिलाओं की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद सरबजोत सिंह और भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जो भारत का पहला निशानेबाज टीम पदक था।

थोड़े ब्रेक के बाद लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तैयारी शुरू करूंगी

पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर का कहना है कि अभी से वह 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर ध्यान लगाएंगी। उनका लक्ष्य भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। मनु ने पेरिस में व्यक्तिगत और मिश्रित इवेंट में कांस्य पदक जीता था। मनु ने कहा, 'एक ओलंपिक के खत्म होने के बाद अब मेरे दिमाग में अगला ओलंपिक चल रहा है। इसके लिए सफर शुरू भी हो गया है। अब पेरिस के बाद लॉस एंजिलिस ओलंपिक की यात्रा शुरू हो चुकी है और थोड़े ब्रेक के बाद मैं इसकी तैयारी शुरू कर दूंगी। मुझे उम्मीद है कि मेरा प्रदर्शन इस बार की तरह अच्छा रहेगा। मैं कड़ी मेहनत करके अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी.' मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं। वह 25 मीटर पिस्टल में तीसरा कांस्य जीतने से मामूली अंतर से रह गयीं थीं। इस खिलाड़ी ने, 'अगले तीन महीनों में बहुत से लोग मुझसे मिलना चाहेंगे और फिर मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊंगी। थोड़ा आराम करूंगी और अपनी फिटनेस पर काम करके फिर निशानेबाजी अभ्यास शुरू करूंगी।'

न्यूज़ ब्रीफ

चौथे स्थान पर आने के बाद मीराबाई चानू ने कहा-मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया लेकिन पदक से चूक गई

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहने के बाद, भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने निराशा व्यक्त करते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए कड़ी मेहनत करने की कसम खाई। चानू पदक जीतने से चूक गईं, उन्होंने कुल 199 किग्रा के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा, मैंने देश के लिए पदक जीतने की पूरी कोशिश की, लेकिन आज मैं चूक गई...यह खेल का एक हिस्सा है, हम सभी कभी जीतते हैं और कभी हारते हैं...अगली बार मैं देश के लिए पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी...मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगी और अगले गेम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी। भारत और चानू के लिए, पेरिस में यह एक और चौथा स्थान था, जब वे कुल 199 किग्रा के साथ पदक जीतने से चूक गए। पहला स्नैच इवेंट था, जिसमें भारोत्तोलक को बारबेल उठाकर एक ही बार में अपने सिर के ऊपर उठाना होता है। दूसरा क्लीन-एंड-जर्क इवेंट था, जिसमें भारोत्तोलक को बारबेल उठाकर अपनी छाती तक लाना होता है (क्लीन) और फिर अपनी बाहों और पैरों को फैलाकर सीधी कोहनी से उसे सिर के ऊपर उठाना होता है (जर्क)। भारोत्तोलकों को तब तक इसे वहीं पर रखना होता है जब तक बजर बज न जाए। चीन की होउ झिहुई ने कुल 206 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक जीता, रोमानिया की मिहेला वैलेंटिना कैम्बेई ने 205 किग्रा के साथ रजत पदक जीता और थाईलैंड की सुरोदचाना खंबाओ ने 200 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड दूसरी जीत की तलाश में, इंटर काशी फाइनल ग्रुप गेम खेलेगा

कोकराझार/कोलकाता। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (एनईयूएफसी) ने कोकराझार के साई स्टेडियम में ग्रुप ई में लगातार दूसरी जीत हासिल करने के लक्ष्य से बीएसएफ का सामना करेगा, जबकि आई-लीग टीम और डुरंड कप में पदार्पण करने वाली इंटर काशी, ग्रुप बी मुकाबले में भारतीय नौसेना के खिलाफ कोलकाता के किशोर भारती क्रिरांगन (केबीके) में जीत के साथ अपने 133वें इंडियनऑयल डूरंड कप ग्रुप स्टेज अभियान को समाप्त करने की कोशिश करेगा। शुक्रवार (अगस्त 9, 2024) को डबल-हेडर क्रमशः कोलकाता में भारतीय समयानुसार शाम 4 बजे और कोकराझार में शाम 7 बजे शुरू होंगे। हाइलैंडर्स, स्थानीय पसंदीदा बोडोलैंड एफसी पर अपनी शुरुआती गेम जीत के बाद जुआन पेड्रो बेनाली की अगुवाई में बहुत उत्साहित हैं और शुक्रवार को बीएसएफ की टीम के खिलाफ एक और बेहतरीन प्रदर्शन करना चाहेंगे, जिसने ओडिशा एफसी के खिलाफ पांच गोल खाए थे। जितिन एमएस और अंकित पद्मनाभन जैसे नॉर्थईस्ट खिलाड़ी पार्थिब गोगोई के साथ अच्छी तरह से संयुक्त हैं और बीएसएफ की रक्षा के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करेंगे, जिन्हें अपने पहले गेम में हारने के बाद जल्दी से अपना कार्य सुधारना होगा। वाराणसी स्थित टीम इंटर काशी, जो पिछले सीजन में अपने पदार्पण आई-लीग अभियान में चौथे स्थान पर रही थी, ने भी अपने पहले डुरंड कप गेम में प्रभावित किया जब उन्होंने अपने दूसरे मैच में बेंगलुरु एफसी से हारने से पहले स्थानीय दिग्गजों मोहम्मडन स्पोर्टिंग को 1-1 से ड्रॉ पर रखा।

रोहित बोले सीरीज हारने का मतलब सब कुछ समाप्त होना नहीं , कई क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरुरत

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में हार के बाद कहा कि एक सीरीज हारने का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ समाप्त हो गया है। रोहित ने कहा कि इन्हीं खिलाड़ियों को लेकर हम पिछले कुछ साल से शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं। ऐसे में तय है कि कुछ सीरीज हारेंगे भी।

उन्होंने माना कि भारतीय टीम ने इस सीरीज में उम्मीद के अनुसार नहीं खेला। कप्तान ने कहा, 'हमने पूरी सीरीज में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला और इसलिए ये हाथ से निकल गयी पर सीरीज में कुछ सकारात्मक चीजें भी हुईं।' सीरीज के तीसरे व अंतिम मैच में विष्का फर्नांडो और कुसाल मेंडिस के अर्धशतक और दुनिथ वेलालागे की अच्छी गेंदबाजी से श्रीलंका ने भारतीय टीम को 110 रन से हराकर सीरीज 2-0 से जीत ली थी। इस सीरीज का पहला मैच टाई रहा था जबकि दूसरे में श्रीलंकाई टीम जीती थी।

भारत के खाते में एक और मेडल

स्पेन को हराकर हॉकी में लगातार दूसरी बार जीता ब्रॉन्ज

पेरिस, 08 अगस्त (एजेंसियां)। भारत को पेरिस ओलंपिक में चौथा मेडल मिल गया है । भारतीय हॉकी टीम ने भारत को चौथा ब्रॉन्ज मेडल दिलाया है। ब्रॉन्ज मेडल मैच में भारत ने स्पेन को 2-1 से हराया है। भारतीय हॉकी टीम लगातार दूसरी बार ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने में कामयाब रही है। इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भारत ने ब्रॉन्ज जीता था।इस मैच के पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन कोई भी गोल करने में

कामयाब नहीं हुआ था, लेकिन दूसरे क्वार्टर में स्पेन ने पेनाल्टी पर गोल किया। स्पेन के लिए यह गोल मार्क मिरालेस ने किया। लेकिन फिर इसी क्वार्टर में भारत ने आखिरी मिनटों में वापसी की और हरमनप्रीत सिंह ने शानदार गोल किया।इसके बाद तीसरे क्वार्टर में भारत ने अपना दूसरा गोल दागा। कप्तान हरनप्रीत सिंह ने ही दूसरा गोल किया। उन्होंने यह गोल 33वें मिनट में किया और भारत ने 2-1 की बढ़त बना। इसके बाद स्पेन को कई पेनाल्टी मिले, लेकिन भारतीय टीम के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने स्पेन को उनके इरादे में कामयाब नहीं होने दिया। तीसरा और चौथा क्वार्टर भारत पूरी तरह से भारत के नाम रहा।

गोल्ड मेडल	एम्स्टर्डम 1928
गोल्ड मेडल	लॉस एंजिल्स 1932
गोल्ड मेडल	बर्लिन 1936
गोल्ड मेडल	लंदन 1948
गोल्ड मेडल	हेलसिंकी 1952
गोल्ड मेडल	मेलबर्न 1956
सिल्वर मेडल	रोम 1960
गोल्ड मेडल	तोक्यो 1964
ब्रॉन्ज मेडल	मेक्सिको सिटी 1968
ब्रॉन्ज मेडल	म्यूनिख 1972
गोल्ड मेडल	मॉस्को 1980
ब्रॉन्ज मेडल	तोक्यो 2020
ब्रॉन्ज मेडल	पेरिस 2024

पीआर श्रीजेश को मिली राहुल द्रविड़ जैसी विदाई

पहले सजदे में झुकी पूरी टीम फिर कंधों पर उठा लिया

पेरिस, 08 अगस्त (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद जो इज्जत, जितनी शोहरत और जितना प्यार भारतीय क्रिकेट टीम को मिला था, आज भारतीय हॉकी टीम भी उतनी की ही हकदार है। स्टिक थामे ब्लू जर्सी वाले इन लड़कों ने कमाल कर दिया। जैसे रोहित शर्मा की टीम राहुल द्रविड़ के लिए खेली थी, ठीक वैसी ही विदाई अपनी हॉकी टीम ने श्रीजेश को दी। इधर स्पेन को 2-1 से हराकर भारत ने ब्रॉन्ज मेडल जीता और उधर लड़कों ने पीआर श्रीजेश के सजदे में सिर झुका लिया। उन्हें अपने कंधों पर उठा लिया। केरल

के 36 साल के इस जोशीले लड़के को ऐतिहासिक विदाई मिली है।ओलंपिक शुरू होने से पहले ही श्रीजेश ने ऐलान कर दिया था कि ये उनका आखिरी इंटरनेशनल टूर्नामेंट है। इसके बाद भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर श्रीजेश को सुनहरी विदाई देना ही अपना एकमात्र लक्ष्य बना लिया। जर्मनी ने सेमीफाइनल में सपना तोड़ा तो स्पेन से इसका बदला ले लिया गया। अपने 18 साल लंबे करियर में 'मजबूत दीवार' की तरह उभरे केरल के श्रीजेश शायद भारतीय हॉकी इतिहास के महानतम गोलकीपर माने जाएंगे। स्पेन के खिलाफ इस मैच में पीआर श्रीजेश ने छह में से पांच गोल बचाए। मैच के बाद उन्होंने विश्वास करने के लिए देशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।कोलंबो में 2006 में दक्षिण एशियाई खेलों के जरिये भारत की सीनियर टीम में पदार्पण करने वाले श्रीजेश 2011 तक एड्रियन डिसूजा और भरत छेत्री जैसे सीनियर गोलकीपरों के रहते टीम में स्थायी जगह नहीं पा सके।

जिला स्टेडियम में नौ अगस्त को होगा जिला स्तरीय ट्रायल

महोबा, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

जिला स्तरीय ट्रायल नौ अगस्त को जिला स्टेडियम में होगा। जहां जनपद स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुना जाएगा। इसके बाद वह प्रदेश स्तरीय ट्रायल में शामिल हो सकेंगे। यह जानकारी उप क्रीड़ाधिकारी रामचंद्र ने गुरुवार को दी है।

जिला क्रीड़ाधिकारी राम चंद्र ने बताया कि शुक्रवार को जिला स्टेडियम में विभिन्न खेलों को लेकर ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। जिसमें टेनिस, वॉलीबॉल, तैराकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, शतरंज, कुश्ती क्रिकेट और हॉकी सहित अन्य प्रतियोगिताओं का ट्रायल होगा व खिलाड़ी चयनित होंगे। ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुने जाएंगे, जहां 13 से 14 अगस्त को शानदार प्रदर्शन करने वालों को प्रदेश स्तरीय ट्रायल के लिए मौका मिलेगा और प्रदेश स्तरीय ट्रायल 22 से 23 अगस्त को होना है।

इंग्लैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित, रथनायके-थरका नए चेहरे

कोलंबो, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 अगस्त से मैनचेस्टर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 18 खिलाड़ियों की टीम घोषित कर दी है। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है। मिलन रथनायके और निसाला थरका टीम में नए चेहरे शामिल हुए हैं, इससे निश्चित रूप से टीम मजबूत होगी।

निसाला थरका ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बेस्ट प्रदर्शन

33 वर्षीय निसाला थरका ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने 107 मैचों में 257 विकेट और 2358 रन बनाए हैं। यह श्रृंखला राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनने का उनका पहला अवसर है।

दूसरी ओर, रथनायके अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन अभी तक उन्होंने पदार्पण नहीं किया है।

तेज गेंदबाजी लाइन-अप में असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कसुन राजिथा और लाहिरू कुमारा शामिल हैं। धनंजय डी सिल्वा की अगुवाई वाली टीम में बल्लेबाज पथुम निसांका और स्पिनर जेफरी वांडरसे की भी वापसी हुई है।

निसांका और वांडरसे ने आखिरी बार सबसे लंबे प्रारूप में 2022 में खेला था, वांडरसे का चयन एकदिवसीय मैच में भारत के खिलाफ 6/33 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद हुआ।

श्रीलंका के स्पिन आक्रमण का नेतृत्व प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस करेंगे जो टीम में गहराई और विविधता प्रदान करेंगे। कुसल मेंडिस को हाल ही में एकदिवसीय कप्तान के रूप में चरिथ असलांका द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, जो टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के उप कप्तान होंगे।

श्रीलंका 50 प्रतिशत अंक प्रतिशत के साथ वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 36.54 प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर है।

यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह सुरक्षित करना है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए चयनित श्रीलंकाई टीम

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, निशान मदुश्का, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (उपकप्तान), एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चंडीमल, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कासुन राजिथा, लाहिरू कुमारा, निसाला थरका, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वांडरसे, मिलन रथनायके।

पहलवान अंतिम पंघाल, सहयोगी स्टाफ को वापस स्वदेश भेजेगा आईओए

पेरिस, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पहलवान अंतिम पंघाल और उनके सहयोगी स्टाफ को चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों के दौरान अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया है, क्योंकि उन्होंने ओलंपिक गांव की मान्यता अपनी बहन को दे दी थी।

एक बयान में, आईओए ने घोषणा की कि फ्रांसीसी अधिकारियों ने रिपोर्ट की है कि अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों ने अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन किया है।

आईओए ने कहा, फ्रांसीसी अधिकारियों द्वारा आईओए के संज्ञान में अनुशासनात्मक उल्लंघन लाए जाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ ने

पहलवान अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों को वापस भेजने का फैसला किया है।

फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की, जब अंतिम पंघाल ने ओलंपिक खेल गांव में प्रवेश करने में मदद करने के लिए अपनी बहन को मान्यता दी। आईओए ने पुष्टि की कि भारतीय पहलवान और उनके सहयोगी कर्मचारियों को भारत वापस भेजा जाएगा।

बयान में कहा गया, अंतिम पंघाल ने अपनी बहन को मान्यता दी, ताकि वह खेल गांव में प्रवेश कर सके। फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की, और इसलिए उसे अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ भारत वापस भेजा जाएगा।

इससे पहले दिन में, अंतिम पंघाल चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों में महिलाओं की 53 किलोग्राम फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 बाउट में तुर्की की ज़ेनेप येतगिल से हार गईं। अंडर 23 यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता तुर्की की पहलवान ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।

कुश्ती के क्षेत्र में भारत की पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका तब लगा जब पहलवान विनेश फोगट को बुधवार को वजन के निशान को पार करने के कारण 50 किलोग्राम महिला कुश्ती स्पर्धा से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश को स्वर्ण पदक के मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट से भिड़ना था।

विनेश फोगट ने मंगलवार रात सेमीफाइनल में क्यूबा की युसनेलिस गुज़्मैन लोपेज़ को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला किया था। भारत ने अब तक पेरिस ओलंपिक में तीन कांस्य पदक जीते हैं, सभी निशानेबाजी में आए हैं।

भारतीय एथलीट ज्योति याराजी का सफर समाप्त

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट ज्योति याराजी का पेरिस ओलंपिक में सफर समाप्त हो गया है। ज्योति याराजी गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ रेपेचेज राउंड में 13.17 सेकेंड का समय लेकर हीट 1 में चौथा स्थान हासिल किया। इससे वह प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकीं। प्रत्येक हीट से शीर्ष दो पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचते हैं। साउथ अफ्रीका की मैरियोन फौरी ने 12.79 सेकेंड के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि नीदरलैंड्स की माएके तजिन-ए-लिम ने 12.87 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले बुधवार को भी ज्योति याराजी महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ के पहले राउंड में 13.16 सेकेंड का समय लेकर हीट 4 में सातवें स्थान पर रहीं थीं। इससे वह डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल नहीं कर पाईं। प्रत्येक हीट में शीर्ष तीन और अगले तीन सबसे तेज धावक सेमीफाइनल में पहुंचे, जबकि अन्य सभी रेपेचेज राउंड में पहुंचे। उनके पास रेपेचेज राउंड में अच्छा प्रदर्शन कर सेमीफाइनल नें पहुंचने का आखिरी मौका था, जिसमें वह सफल नहीं हो पाईं। वहीं भारतीय पहलवान अंशू मलिक महिलाओं के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 कुश्ती मुकाबले में हार गईं। उन्हें अमेरिका की हेलेन लुईस मारौलिस से 2-7 से हार का सामना करना पड़ा। पहले राउंड में अमेरिकी पहलवान ने दो अंक जुटा कर बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे राउंड में भी अमेरिकी पहलवान ने यही प्रदर्शन जारी रखते हुए पांच अंक जुटाए, जबकि अंशु मलिक दो अंक ही जुटा पाईं।

संपादकीय

भारत विरोधी बांग्लादेश

बांग्लादेश के साफ संकेत हैं कि अब वहां कट्टरपंथियों और भारत-विरोधी ताकतों का वर्चस्व होगा। आतंकवाद का खतरा बढ़ेगा। बांग्लादेश में भी तालिबान सक्रिय होंगे। वहां के प्रधानमंत्री आवास को आम जनता के लिए इस कदर खोल रखा गया है मानो कोई मेला लगा हो! कुछ युवा चेहरों की अश्लील, असभ्य, विद्रूप मानसिकता सार्वजनिक हुई है, जब उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ब्रा और अंतर्वस्त्र सरेआम लहराए हैं। ऐसे युवा कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन आंदोलनकारी छात्र नहीं हो सकते। वे बेशर्म जमात भी हो सकते हैं, लेकिन अपने ही मुल्क का अपमान कर रहे हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी दोनों ही कट्टरवादी दल हैं और पाकपरस्त भी हैं। अंतरिम सरकार बनने से पहले ही दोनों दलों के करीब 9000 कार्यकर्ताओं को जेलों से रिहा कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और उनके पुत्र तारिक रहमान की सरपरस्ती में इन दलों ने आम जनसभा को संबोधित भी किया है। तारिक हत्या के तीन मामलों में उम्रकैद के सजायाफ्ता हैं, लेकिन वह लंदन में स्वनिर्वासन में थे। अभी ढाका लौट कर आए हैं, तो अदालतें फिलहाल खामोश और निष्क्रिय हैं।

आतंकवाद का खतरा बढ़ेगा। बांग्लादेश में भी तालिबान सक्रिय होंगे। वहां के प्रधानमंत्री आवास को आम जनता के लिए इस कदर खोल रखा गया है मानो कोई मेला लगा हो! कुछ युवा चेहरों की अश्लील, असभ्य, विद्रूप मानसिकता सार्वजनिक हुई है, जब उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ब्रा और अंतर्वस्त्र सरेआम लहराए हैं। ऐसे युवा कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन आंदोलनकारी छात्र नहीं हो सकते। वे बेशर्म जमात भी हो सकते हैं, लेकिन अपने ही मुल्क का अपमान कर रहे हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी दोनों ही कट्टरवादी दल हैं और पाकपरस्त भी हैं। अंतरिम सरकार बनने से पहले ही दोनों दलों के करीब 9000 कार्यकर्ताओं को जेलों से रिहा कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और उनके पुत्र तारिक रहमान की सरपरस्ती में इन दलों ने आम जनसभा को संबोधित भी किया है। तारिक हत्या के तीन मामलों में उम्रकैद के सजायाफ्ता हैं, लेकिन वह लंदन में स्वनिर्वासन में थे। अभी ढाका लौट कर आए हैं, तो अदालतें फिलहाल खामोश और निष्क्रिय हैं।

प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार में मंत्री रहे 10 और अन्य बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल बीएनपी और जमात के साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने 'सौदेबाजी' की है कि शेख मुजीब की सियासी विरासत की प्रतीक 'अवामी लीग' पार्टी का नामोनिशां ही मिटा दिया जाए, ताकि 1971 की बगावत की मुकम्मल सजा दी जा सके। हसीना के बांग्लादेश छोड़ कर चले जाने के साथ ही शेख मुजीब की सियासी विरासत तो समाप्त हो गई। पाकिस्तानी फौज गदगद है और लड्डू खा रही है। ऐसी सूचनाएं भी हैं कि आईएसआई लंदन में तारिक रहमान और जमात के नेतृत्व के साथ 2018 से ही 'तख्तापलट' की साजिश रच रही थी, लेकिन अभी तक नाकाम रही थी। मौजूदा आंदोलन का आवरण छात्रों का था, लेकिन उनकी आड़ में जमात और बीएनपी के कार्यकर्ताओं ने ही आंदोलन को 'तख्तापलट' का रूप दिया था। जमात का छात्र संगठन ही आंदोलन और बगावत के पीछे सक्रिय था। बेशक शेख हसीना को मुल्क छोड़े तीन दिन गुजर चुके हैं, लेकिन बांग्लादेश के हालात अब भी सामान्य नहीं हुए हैं। करीब 125 लोग बीते एक दिन में मारे गए हैं। कुल मौतों की संख्या 450 से अधिक हो गई है। चूंकि प्रधानमंत्री के तौर पर हसीना भारत-समर्थक थीं। दोनों देशों ने कई साझा परियोजनाएं शुरू कीं और पुराने विवादों को भी खत्म किया। अब अंतरिम सरकार के दौर में कट्टरपंथी और भारत-विरोधी ताकतें ऐलानिया कह रही हैं कि उन परियोजनाओं की जांच और समीक्षा की जाएगी। बांग्लादेश के एक तबके का भारत-विरोध इनसे स्पष्ट होता है कि बीते तीन दिनों में ही 30 हिंदू मंदिर तोड़ दिए गए। उनमें आस्था की देव-मूर्तियों को भी खंडित कर ध्वस्त किया गया। मंदिरों में आग लगा दी गई। हिंदुओं के 300 से अधिक घर और उनकी दुकानें भी तोड़ी गईं और आगजनी भी की गई। बीते कुछ सालों के दौरान करीब 3600 हिंदू मंदिरों को तोड़ा जा चुका है और उन्हें आग के हवाले किया जाता रहा है। क्या बांग्लादेश हिंदू-विरोधी भी हो रहा है? बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी अब मात्र 7.9 फीसदी है, जबकि 1971 में देश-निर्माण के वक्त यह आबादी करीब 23 फीसदी थी। बेशक हिंदू घोर अल्पसंख्यक हैं। क्या मोदी सरकार प्रभावी हस्तक्षेप करेगी? बीएनपी की सरकार पहले भी बांग्लादेश में रही है। जमात भी भारत का विरोध करती रही है। जमात तो 1971 में भी पाकिस्तानपरस्त था और बांग्लादेश बनाने के अभियान के खिलाफ था। यह भी हकीकत है कि बांग्लादेश कई मामलों में भारत के भरोसे रहा है। हकीकत यह भी है कि अब बांग्लादेश में करीब 80 फीसदी सैन्य हथियार चीन से आते हैं। क्या नई सरकार चीन के साथ अपने संबंध मजबूत करेगी और भारत का खुलेआम विरोध करेगी? भारत के लिए घुसपैठ और शरणार्थियों का आना भी बेहद गंभीर चुनौती है।

भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिंता

बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है।

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा?

इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है।

हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है।

दृष्टि कोण

बांग्लादेश के हालात से बहुत संतर्क रहना होगा

बांग्लादेश में महीनों से सुलग रही आरक्षण और सरकार विरोधी चिंगारी सोमवार को भीषण आग के रूप में फूटी। 300 लोगों की मौत के बाद सेना भी उग्र भीड़ को संभाल नहीं पाई। नतीजतन करीब डेढ़ दशक से बांग्लादेश की सत्ता पर काबिज प्रधानमंत्री शेख हसीना को जान बचाकर देश से भागना पड़ा है। शेख हसीना भागकर फिलहाल भारत आई हैं। सूत्रों का कहना है कि शेख हसीना लंदन जाने की तैयारी कर रही हैं। शेख हसीना ने इंग्लैंड की सरकार से शरण मांगी है। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन जारी है। अब प्रदर्शनकारियों ने देश के चीफ ऑफ जस्टिस के घर में घुसकर तोड़-फोड़ की है। प्रदर्शनकारियों ने घर में मौजूद कार, फर्नीचर के साथ घर का सारा समान लूट ले गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को ढाका में इंडिया कल्चर सेंटर पर हमला बोला। साथ ही काली व इस्कॉन समेत देशभर में कम से कम चार मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक डरे और सहमें हैं। वहां क्या हालात बनेंगे? वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कैसे होगी, इस पर भारत को नजर रखनी होगी। ये भी देखना है कि सरकार कैसी बनता है? उसका भारत के प्रति नजरिया कैसा होगा? नई सरकार कहीं इस्लामिक कट्टरवाद को बढ़ावा तो नही देगी। उसका रूख पाकिस्तान और चीन संमर्थक तो नहीं होगा? भारत को अपने देश की सीमा को पूरी तरह बंद रखना होगा, ताकि वहां के हालात से डरे नागरिक अपने भारत में न आ सकें।

1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने की लड़ाई में शामिल क्रांतिकारियों के परिवारों को सरकारी नौकरियों में दिए जा रहे आरक्षण को खत्म करने की मांग के साथ पिछले महीने विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर पहले ही अंतरिम रोक लगा दी थी। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रदर्शनकारी आखिर फिर से इतने हिंसक होकर सड़कों पर क्यों उतर आए। असल में हिंसा की यह नई लहर तब शुरू हुई जब प्रदर्शनकारियों ने असहयोग का आह्वान किया। इसमें लोगों से कर या बिजली बिल का भुगतान न करने और रविवार को काम पर न आने का आग्रह किया गया। सोमवार को जब कार्यालय, बैंक और कारखाने खुले, तो प्रदर्शनकारियों ने लोगों को काम पर जाने से रोकना शुरू कर दिया। सेना ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए गोलियां चलानी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने एक दिन पहले लगाए गए कर्फ्यू की परवाह किए बिना ढाका में प्रधानमंत्री आवास पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने ढाका के शाहबाग इलाके में स्थित एक प्रमुख सार्वजनिक अस्पताल बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी पर हमला किया है। प्रदर्शनकारियों ने जगह-जगह सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यालयों व वाहनों में भी आग लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफे पर अड़े रहे। 14 जुलाई को बतौर प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा था, स्वतंत्रता सेनानियों के पोते-पोतियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि क्या आरक्षण का लाभ रजाकारों के पोते-पोतियों को मिलेगा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस बयान के बाद, 'तुई के, अमी के रजाकार, रजाकार' के नारे लगाने शुरू कर दिए और हिंसा ज्यादा भड़क गई।

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा गठित रजाकार क्रूर अर्धसैनिक बल था। रजाकारों ने मुक्ति संग्राम में शामिल स्वतंत्रता सेनानियों और आम लोगों के खिलाफ अत्याचार किया। आज भी यह शब्द वहां अपमानजनक माना जाता है। इसका इस्तेमाल देशद्रोहियों और अत्याचारियों के लिए किया जाता है।

बांग्लादेश में उथल-पुथल व तख्तापलट का इतिहास 1975 से शुरू होता है। हसीना के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री शेख मुजीबुर रहमान की उनके परिवार के ज्यादातर सदस्यों की हत्या कर दी गई। जनरल जियाउर रहमान ने सत्ता पर कब्जा किया। 1981 गेस्ट हाउस में घुसकर विद्रोहियों ने जियाउर रहमान की हत्या की। हालांकि, सेना का बड़ा तबका वफादार होने से तख्तापलट नाकाम रहा। 1982 रहमान के उत्तराधिकारी अब्दुस सत्तार को हुसैन मुहम्मद इरशाद के नेतृत्व में सत्ता से बेदखल कर दिया गया। इरशाद राष्ट्रपति बन गए। 2007 सेना प्रमुख ने एक कार्यवाहक सरकार का समर्थन किया, जो 2009 तक सत्ता पर काबिज रही। 2009 अर्धसैनिक बलों का विद्रोह.. में 70 लोगों की हत्या, इनमें से अधिकांश सैन्य अधिकारी थे। 2012 सेना ने कहा, शरिया या इस्लामी कानून से प्रेरित तख्तापलट के प्रयास को विफल कर दिया है।

स्पष्टतौर पर बांग्लादेश में सुलग रही हिंसा के केंद्र में आरक्षण है। बांग्लादेश की जनसंख्या17 करोड़ है और देश में लगभग 3.2 करोड़ युवा बेरोजगार हैं। 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में शामिल लोगों के वंशजों को मिल रहे आरक्षण को खत्म करने के लिए छात्र मांग कर रहे हैं। इसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में शामिल रहे लोगों के वंशजों को 30 फीसदी आरक्षण दिया जाता है। 10 फीसदी आरक्षण महिलाओं के लिए भी है।

कुछ अलग

नानक दुखिया सब संसार...

ये संसार दुखों का भंडार है, हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से परेशान है, दुखी है। अमीर है तो चिंतित है, गरीब है तो चिंतित है। राष्ट्रपति हो या चपरासी, सब परेशान हैं, सब दुखी हैं। हम हमेशा यही पढ़ते और सुनते आए हैं। बचपन से ही यही घुट्टी पिलाई जाती रही है हमें, इसलिए हमने मान लिया कि दुखी होना आम बात है, हर कोई दुखी है, तो अगर हमें भी कुछ दुख हैं, कुछ परेशानियां हैं तो क्या बड़ी बात है? हम एक अनंत दौड़ में शामिल हैं। सब कुछ इक_ा कर लेने की कोशिश में हम खुद को भुला बैठे हैं। हमारा परिवार, हमारी शिक्षा, हमारा समाज सब हमें जीवन भर भागदौड़ में लगे रहना सिखाते हैं। स्कूल, कालेज, शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय, प्रमोशन, पैसा आदि के चक्कर में हम घनचक्कर बने हुए हैं। हम बड़े होते हैं, काम करते हैं, शादी करते हैं, बच्चे पैदा करते हैं, बच्चे बड़े होते हैं, शादी करते हैं, और फिर हमारे बच्चे भी बच्चे पैदा करने में मशगूल हो जाते हैं। जीवन चक्र चलता रहता है। हम कोल्हू के बैल की तरह आंखें बंद करके एक ही दायरे में घूमते चले जाते हैं और अंततः राम नाम सत्य हो जाता है। हम कितने ही अमीर हो जाएं, कितने ही सुखी हो जाएं, कितने ही पुरस्कार पा लें, कितने ही सम्मान मिल जाएं, पर कुछ न कुछ कमी रह जाती है, खालीपन रह जाता है, और हम समझ नहीं पाते कि कमी कहां है। गरीब आदमी गरीबी के कारण तनावग्रस्त है, अमीर आदमी अमीरी चली जाने के डर से तनावग्रस्त है। यह एक जाना-माना तथ्य है कि आत्महत्या करने वाले लोगों में अमीरों की संख्या ज्यादा है। गरीब को तो फिर भी लालसा होती है कि ये कर लूं, वो कर लूं, ये पा लूं, वो पा लूं, क्योंकि उसके जीवन में तो कमियां ही कमियां हैं, अभाव ही अभाव हैं, उसकी लालसाएं बाकी हैं, पर अमीर आदमी की तो कठिनाई ही यह है कि पैसे के दम पर उसने सब देख लिया, सब पा लिया। न करने को कुछ बाकी रहा, न पाने को। जीवन में कोई उत्साह नहीं, कोई लक्ष्य नहीं, कोई आशा नहीं, सब कर लिया, सब देख लिया, सब पा लिया, अब बोरियत ही बोरियत है। जीवन में कोई रस नहीं। सारे सुखों के बावजूद जीवनसाथी से रिश्ते अच्छे नहीं, बच्चे कहना नहीं मानते, तो आदमी घुटता है, निराश होता है, पैसा बेमानी लगने लगता है, सुख बेमानी हो जाता है और आदमी निराश होकर, हताश होकर आत्महत्या की ओर कदम बढ़ा लेता है। अत्यधिक धनवान लोगों के बच्चों में नशे की आदत सिर्फ इसीलिए लग जाती है कि वो सुविधाएं भोग-भोगकर बोर हो चुके हैं। उनमें 'बीन देअर, डन दैट', यानी, 'वहां भी जा आए, वो भी कर लिया, अब बाकी ही क्या बचा' की भावना इतनी गहरी हो जाती है कि उन्हें कुछ और समझ ही नहीं आता। लेकिन क्या जीवन सिर्फ परेशानियों का घर ही है? जी नहीं। सच तो यह है कि इससे बड़ा झूठ और कोई हो ही नहीं सकता, पर हमारी नजर इतनी संकरी है कि हम कुछ और देख ही नहीं पाते। अपने ही पूर्वाग्रहों के कारण हम समझ ही नहीं पाते कि सुखी होना भी आसान है, और इसका सीधा सा कारण यह है कि हमने गुरु नानक देव जी के संदेश को समझने की कोशिश ही नहीं की। गुरु नानक देव जी सरीखे महान संत की बात झूठी नहीं हो सकती, लेकिन अगर हम उसे समझने की कोशिश ही न करें, तो गलती सरासर हमारी है। गुरु नानक देव जी अगर यह कहते हैं कि सारा संसार ही दुखिया है, हर ओर दुख ही दुख है, कठिनाई ही कठिनाई है, तो साथ ही यह भी कहकर कि 'सो सुखिया जिस नाम अधार', इन सब दुखों, परेशानियों और समस्याओं से छुटकारा पाने का हल भी बताते हैं। समस्या यही है कि हमने 'नानक दुखिया सब संसार' को तो रट लिया, लेकिन इसके हल, यानी, 'सो सुखिया जिस नाम अधार' को सिरे से ही भुला दिया। यही एक कमी रह गई जिसने जीवन अंधकारमय बना दिया, परेशानियों, समस्याओं और दुखों का भंडार दिया।

देश दुनिया से

कांवड़ यात्रा या तांडव यात्रा

कांवड़, जिसे कावड़ भी कहते हैं, की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को कांवरिया या कांवडिय़ा कहकर पुकारा जाता है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िए सुल्तानगंज, गंगोत्री, गौमुख और हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थानों से गंगा जल लाने के लिए जाते हैं और फिर इस जल को वे अपने गृह नगर के शिव मंदिर में चढ़ाते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत ऋषि जमदग्नि के पुत्र भगवान परशुराम ने की थी।

इस वर्ष कांवड़ यात्रा 22 जुलाई 2024 से शुरू हो गई है और इसकी समाप्ति 19 अगस्त को होगी। हर साल सावन में भगवान शिव के लाखों भक्त कांवड़ यात्रा पर जाते हैं। कांवड़, जिसे कावड़ भी कहते हैं, की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को कांवरिया या कांवडिया कहकर पुकारा जाता है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िए सुल्तानगंज, गंगोत्री, गौमुख और हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थानों से गंगा जल लाने के लिए जाते हैं और फिर इस जल को वे अपने गृह नगर के शिव मंदिर में चढ़ाते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत ऋषि जमदग्नि के पुत्र भगवान परशुराम ने की थी। कथा के अनुसार वे गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर निकले थे और सीधे उत्तर प्रदेश के पुरा पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक किया था। ऐसी भी किंवदंती है कि सबसे पहले यह यात्रा श्रवण कुमार ने की थी। जब उनके माता-पिता ने गंगा स्नान करने की इच्छा जताई तो वह उन्हें कांवड़ में बैठाकर यात्रा पर निकले थे। इसके बाद वे हरिद्वार पहुंचे और गंगा स्नान कराने के बाद जल अपने साथ लेकर आए थे। कांवड़ यात्रा एक महीने तक चलने वाला त्योहार है जिसमें कांवड़िए भगवा रंग के कपड़े पहनते हैं और चुने हुए तीर्थ स्थलों से पवित्र जल लेने के लिए नंगे पैर चलते हैं। आम तौर पर कांवड़ यात्रा चार तरीकों से सम्पूर्ण की जाती है। पहली डाक कांवड़, इसमें कांवडिये यात्रा की शुरुआत से शिव के जलाभिषेक तक बगैर रुके लगातार चलते रहते हैं और शिवधाम तक की यात्रा एक निश्चित समय में तय करते हैं। यह समय अमूमन 24 घंटे के आसपास होता है। इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं तक वर्जित होती हैं। दूसरी खड़ी कांवड़ यात्रा है जिसमें कुछ भक्त खड़ी कांवड़ लेकर चलते हैं। इस दौरान उनकी मदद के लिए कोई न कोई सहयोगी उनके साथ चलता है। जब वे आराम करते हैं तो सहयोगी अपने कंधे पर उनकी कांवड़ लेकर कांवड़ को चलने के अंदाज में हिलाते डुलाते रहते हैं। तीसरी दांडी कांवड़ यात्रा होती है। इसमें भक्तगण नदी तट से शिवधाम तक की यात्रा दंड देते हुए पूरी करते हैं। मतलब कांवड़ पथ की दूरी को अपने शरीर की लंबाई से लेट कर नापते हुए यात्रा पूरी करते हैं। चौथी कांवड़ यात्रा सामान्य होती है। इसमें अधिकांश कांवड़िए कांवड़ के साथ अथवा बिना कांवड़ के पैदल ही चलते हुए गंगाधाम से घर तक की दूरी पूरी करते हैं। कई लोग कुछ किलोमीटर से दो हजार किलोमीटर तक की कांवड़ यात्रा भी करते हैं। वर्तमान समय में कांवड़ यात्रा के तौर तरीकों में बदलाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया में कांवड़ यात्रा के जो वीडियो देखने को मिलते हैं, उनमें फूहड़ता, अश्लील आचरण और हुड़दंग मचाते अधिकतर ग्रामीण पृष्ठभूमि के निम्न मध्यमवर्गीय, सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि के कम पढ़े लिखे युवा दिखाई देते हैं जिनकी गतिविधियां शिक्षित एवं जागरूक लोगों में वितृष्णा का भाव भी पैदा करती हैं। इस पवित्र यात्रा में भाग लेने वाले लोगों के लिए सभी धर्मों के लोगों द्वारा की जाने वाली सुंदर व्यवस्थाएं भी चंद उद्दंड युवाओं के टोलों द्वारा की जाने वाली तोडफ़ोड़ और मारपीट के कारण धरी की धरी रह जाती हैं। कहीं कहीं लडक़े, युवा लड़कियों और कांवड़ यात्रियों के शरीर और पैरों पर जल डालकर उन्हें राहत देने का प्रयास करते दिख जाते हैं। इस कांवड़ यात्रा में कई अनोखे रंग-ढंग की कांवड़ भी देखने को मिलती हैं तो दस करोड़ रुपए वाली डीजे भी है, जेसीबी, स्कूटी/बाइक और तरह तरह की झांकीनुमा सुंदर कांवड़ भी हैं। कांवड़ यात्रा का एक दुखद पहलू भी है और वह है हुड़दंगबाजों की जमात द्वारा मारपीट और गाडियों की तोडफ़ोड़ करना जिससे शरीफ लोगों में दहशत का माहौल पैदा होता है। चूंकि 3 करोड़ से ज्यादा कांवड़िए हरिद्वार से विभिन्न मार्गों पर निकलते हैं, लिहाजा सडक़ों पर भयंकर जाम की स्थितियां निर्मित हो जाती हैं और कांवडियों से थोड़ा सा भी छू जाने पर गाडियों वालों की जान पर बन आती है, क्योंकि भक्त कांवडियों के वेष में शरारती तत्व गुंडागर्दी पर उतर आते हैं। प्रशासन को सामान्य लोगों की सुरक्षा एवं वाहनों से तोडफ़ोड़ करने वालों से सख्ती से पेश आने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी तोडफ़ोड़ की ऐसी घटनाओं को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने पुलिस को सख्त निर्देश दिए हैं कि जो कांवड़िए तोडफ़ोड़ की घटनाओं में संलिप्त रहे हैं या जिस किसी ने भी कानून को अपने हाथ में लिया है, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस यात्रा के दौरान कई युवा कांवडियों को नशा करते हुए भी देखा जा सकता है। एक कांवडिया तो कैमरे के सामने चरस दिखाते हुए दावा करता नजर आता है कि वह डेढ़ लाख रुपए की चरस लेकर चल रहा है, जिसका सेवन वह खुद भी कर रहा है और साथ चल रहे साथियों को भी करवा रहा है। कांवडियों द्वारा हरिद्वार के घाटों पर फैलाई गई गंदगी से गंगा मैया की पवित्रता भी दूषित हुई है।

आप का नजरिया

बांग्लादेश की घटनाएं शर्मनाक घिनौनी, मानवता पर कलंक एवं आंखें खोलने वाली हैं : डॉ. अजय अग्रवाल

बांग्लादेश में वर्तमान में स्थिति बहुत खराब है और बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की स्थिति और भी दयनीय है। एक खास धर्म के लोगों द्वारा हिंदुओं पर किए जा रहे हमले बेहद निंदनीय हैं। हमारी भारत सरकार को इस नरसंहार को रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

यह एक सर्वविदित तथ्य है कि जहां-जहां भी हिंदू अल्पसंख्यक हैं, वे आसान लक्ष्य बन जाते हैं। घरों, मंदिरों, दुकानों को जलाना, हिंदुओं की हत्या और हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार और लूटपाट जैसी घटनाएं बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हो रही है।

यह भी एक विडंबना है कि तथाकथित धर्मनिरपेक्ष और टुकड़े-टुकड़े गिरोह ने अपनी जुबान पर ताला लगा रखा है।

हमारे देश में कुछ नेता भड़का रहे हैं कि इस तरह का नरसंहार भारत में भी हो सकता है और असामाजिक तत्व प्रधानमंत्री के घर में भी घुस सकते हैं और बांग्लादेश की तरह ही कब्जा कर सकते हैं।

मेरा सुझाव है कि सरकार को भड़काऊ भाषण देकर देशवासियों को भड़काने वाले नेताओं के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

इन असामाजिक तत्वों पर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए और अब राष्ट्रवादियों और हिंदुओं के लिए यह सोचने का समय आ गया है कि खुद को, अपनी संपत्ति को और सबसे बढ़कर अपने प्यारे देश को सुरक्षित रखने के लिए एकजुट होना होगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर : दास

मुंबई/नई दिल्ली,08 अगस्त (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो अगस्त को 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले 19 जुलाई को विदेशी मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 670.85 अरब डॉलर रहा था, जबकि 26 जुलाई को यह 667.38 अरब डॉलर रहा था।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्वमासिक समीक्षा बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी बाह्य वित्त पोषण जरूरतों को आराम से पूरा करने का भरोसा है। उन्होंने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जून, 2024 से घरेलू बाजार में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। जून से छह अगस्त के दौरान 9.7 अरब डॉलर का शुद्ध प्रवाह हुआ है, जबकि अप्रैल और मई में 4.2 अरब डॉलर की निकासी हुई थी।

गवर्नर दास ने कहा कि अप्रैल-मई 2024 में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 20 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई। वहीं इस अवधि के दौरान शुद्ध एफडीआई प्रवाह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय इकाइयों द्वारा बाह्य वाणिज्यिक कर्ज में कमी आई, लेकिन अप्रैल-मई में गैर-निवासियों की जमाराशि में वृद्धि दर्ज हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने यूपीआई के जरिए भुगतान की सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया

आरबीआई ने यूपीआई उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। रिजर्व बैंक ने यूपीआई के जरिए कर भुगतान करने की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। श्री दास ने बताया कि यूपीआई अपनी सहज सुविधाओं से भुगतान का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है। उन्होंने कहा कि एमपीसी ने यूपीआई के जरिए भुगतान की सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। फिलहाल यूपीआई के लिए कर भुगतान की सीमा एक लाख रुपये है। दास ने कहा कि विभिन्न उपयोग-मामलों के आधार पर रिजर्व बैंक ने पूंजी बाजार, आईपीओ अभिदान, ऋण संग्रह, बीमा, चिकित्सकीय और शैक्षिक सेवाओं आदि जैसी कुछ श्रेणियों के लिए सीमाओं की समीक्षा की है और उन्हें बढ़ाया है। दास ने मौद्रिक नीति समिति के फैसलों को बताते हुए कहा कि चेक क्लीयरेंस सिर्फ कुछ घंटों में करने के लिए कदम उठाने का प्रस्ताव है। दास कहा कि चूंकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर भुगतान सामान्य, नियमित तथा उच्च मूल्य के हैं। इसलिए यूपीआई के जरिए कर भुगतान की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख प्रति लेन-देन करने का निर्णय एमपीसी की बैठक में लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आवश्यक निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। रिजर्व बैंक गवर्नर ने बताया कि अनधिकृत कंपनियों की जांच के लिए डिजिटल ऋण देने वाले एप के सार्वजनिक तौर पर आंकड़े तैयार करने का भी प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई के अनुसार यूपीआई का उपयोगकर्ता आधार 42.4 करोड़ पर पहुंच गया है। यूपीआई में 'डेलिगेटेड पेमेंट्स' शुरू करने के प्रस्ताव से देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राहुल गांधी...

अव्वल कांग्रेस नेता राहुल गांधी हैं। आप हैरत करेंगे कि इन सात खास नेताओं में गाजीपुर (यूपी) के सांसद अफजाल अंसारी भी शामिल हैं। सब जानते ही हैं कि अफजाल अंसारी कुख्यात माफिया सरगना मरहूम मुख्तार अंसारी के भाई हैं। पाकिस्तानी आम पाने वालों में कांग्रेस नेता शशि थरूर और समाजवादी पार्टी के समर्थन से राज्यसभा पहुंचने वाले दोयम दर्जे के कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल भी शामिल हैं। इसके अलावा रामपुर के सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी, संभल के सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क और कैराना की सपा सांसद इकरा हसन भी पाकिस्तानी आम पाने वाले लोगों में शामिल हैं।केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश का आम अच्छा नहीं लगता। मगर राहुल और उनके टुकड़े-टुकड़े गैंग को जब पाकिस्तान से आम आता है तो उसका स्वाद अच्छा लगता है। राहुल गांधी बताएं क्या मोदी को हटाने का कोई नया तरीका मांगने गए हैं पाकिस्तान से? गिरिराज ने साफ-साफ कहा कि राहुल गांधी और कुछ अन्य नेताओं के पाकिस्तान से नापाक रिश्ते हैं। कूटनीति की आड़ में पाकिस्तान के साथ कोई डील तो नहीं हो रही?

हिंदू समुदाय...

फैसला किया है कि अब वे वापस नहीं लौटेंगे। पाकिस्तान से भाग कर भारत आए परिवारों का कहना है कि आने वाले वक्त में और भी हिंदू परिवार पाकिस्तान से भारत आ सकते हैं। अटारी सीमा चौकी से भारत आए लोगों ने आव्रजन औपचारिकताओं के दौरान यह बात कही। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में कट्टरपंथी हिंदुओं को लगातार निशाना बना रहे हैं। गौरतलब है कि भारत आए दोनों परिवार पर्यटक वीजा पर भारत आए। लेकिन अब वापस नहीं लौटने का फैसला किया है। भारत आने के बाद ये लोग जोधपुर की ओर रवाना हो गए और वहीं रह गए। ये लोग जोधपुर में ही बसना चाहते हैं। पाकिस्तान से ये लोग ऐसे समय में भारत आए हैं, जब बांग्लादेश में भी हिंदू उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। बांग्लादेश में तख्तापलट के बीच भारी हिंसा का दौर चल रहा है और बड़े पैमाने पर हिंदुओं के घरों को फूंका जा रहा है। दो पार्षदों समेत कई हिंदुओं के कत्ल किए जा चुके हैं और मंदिरों तक को निशाना बनाया गया है।

अटारी बॉर्डर पहुंचे 21 लोगों को लेने के लिए जोधपुर का एक शख्स पहुंचा था। उसका कहना था कि इनमें से 16 लोग उसकी पत्नी के रिश्तेदार हैं। इसके अलावा 5 अन्य लोग भी उनसे ही जुड़े हुए एक परिवार के हैं। ये सभी लोग पाकिस्तान के पंजाब सूबे के रहीम यार खान में रहते थे, लेकिन लगातार बढ़ते अत्याचार और खराब होते माहौल को देखते हुए इन लोगों ने पलायन का फैसला कर लिया। जोधपुर से इन लोगों को लेने आए शख्स ने कहा कि उनका साला और ससुर यहीं रहना चाहते हैं। वे अब पाकिस्तान लौटने को तैयार नहीं हैं।

विधेयक हक...

एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट एक्ट, 1995- उम्मीद रखा गया है। इसलिए मैं उम्मीद करता हूं कि विधेयक के प्रावधानों को समझकर आप समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, संसद सदस्यों को किसी धर्म से जोड़ना सही नहीं है। हम यह नहीं कह रहे कि विभिन्न धर्मों के लोगों को वक्फ बोर्ड का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। हम कह रहे हैं कि संसद सदस्य को वक्फ बोर्ड का सदस्य होना चाहिए। अब, अगर सांसद हिंदू या ईसाई है, तो हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं। अब अगर किसी सांसद को सांसद होने के आधार पर वक्फ बोर्ड में जोड़ा जाता है, तो क्या हमें सांसद का धर्म बदल देना चाहिए? विपक्ष बिना मतलब के मुद्दा बना रहा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड को अच्छे से चलाने के लिए जानकार लोग चाहिए। जिसकी अच्छी समझ होगी उन्हें वक्फ बोर्ड को मैनेज करने के लिए नियुक्त होना चाहिए।

किरेन रिजिजू ने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति की अनुशंसा है। आज आपको हमें शाबाशी देनी चाहिए। ये राजनीतिक दबाव में अपोज कर रहे हैं, अंदर ही अंदर सबलोग सजेशन दे रहे हैं। इस बिल पर जिनता सलाह पिछले 10 सालों में किया गया है, इतना किसी अन्य सरकार ने कभी नहीं किया है। जो संविधान का हवाला देकर, बिल के उद्देश्य को मिसलीड करना चाहते हैं। किरेन रिजिजू ने कहा कि हमारे देश में कोई भी कानून संविधान से ऊपर नहीं हो सकता है। इस 1995 के वक्फ एक्ट में ऐसा प्रावधान है जो सबसे ऊपर है। ये सदन का दायित्व है, गरीब महिला कोई भी हो ये सदन का दायित्व है कि न्याय दिलाने के लिए कोई कमी है तो उसे पूरा करना चाहिए। जो संशोधन बिल हम लाए हैं, उसमें सारा प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि ये अच्छा समय है, जो गलती की है, ठीक है इंसान से गलती हो जाती है, कांग्रेस ने किया। आज सुधरने का समय है। सुधरते समय कम से कम विरोध नहीं करें। कई नेता ने मुझे निजी तौर पर आकर कहा है कि देश में जितना वक्फ बोर्ड हैं, उसपर माफिया लोगों ने कब्जा कर लिया है। कई सांसदों ने कहा कि पार्टी विरोध कर रही है लेकिन अंदर से मैं साथ दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि सबको मालूम है कि वक्फ की सम्पत्ति के लिए किस चीज के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस बिल को धर्म के नजर से मत जोड़िए। इंसाफ के नजर से देखिए। रिजिजू ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि इल्जाम लगाकर भागने की कोशिश मत करो। 2013 में जो बदलाव किए गए वो ज्यादा खतरनाक है। जो मुसलमान हैं वही वक्फ क्रिएट कर सकते हैं नॉन मुस्लिम नहीं कर सकते हैं। हम पुराने सिस्टम में वापस जा रहे हैं। इन्होंने डीएम के बारे में काफी आपत्ति दर्ज कराई। कलेक्टर का काम ही राजस्व के लिए है।

किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ बोर्ड के अंदर में 12792 केस आज पेंडिंग हैं। ट्राइब्यूनल में कुल 19207 केस पेंडिंग हैं। क्यों इसको हम खत्म नहीं कर सकते हैं। टाइमलाइन बहुत जरूरी है, न्याय मिलना चाहिए लेकिन समय पर न्याय मिलना चाहिए। अब हमने टाइमलाइन सेट कर दिया है। अपील 90 दिन के अंदर, 6 महीने के अंदर डिस्पोजल होना चाहिए। अगर सुनना नहीं चाहते हैं तो इतना सवाल क्यों पूछा। आप सवाल पूछकर भाग जाना चाहते हो, ऐसा नहीं होने देंगे।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 25 के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। यह विधेयक भेदभावपूर्ण और मनमाना दोनों है। इस विधेयक को लाकर, आप (केंद्र सरकार) राष्ट्र को एकजुट करने का नहीं बल्कि विभाजित करने का काम कर रहे हैं। यह विधेयक इस बात का प्रमाण है कि आप मुसलमानों के दुश्मन हैं।

सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि ये बिल जो पेश किया गया है, वो बहुत सोची समझी राजनीति के तहत हो रहा है। मैंने सुना है कि आपके भी कुछ अधिकारों को वापस लिया जा रहा है और हम आपके लिए भी लड़ेंगे। मैं विधेयक का विरोध करता हूं। अखिलेश के बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री ने आपत्ति भी जताई और कहा कि आप लोकसभा स्पीकर के अधिकारों के संरक्षक नहीं हैं।वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर सरकार का पक्ष रखते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि यह विधेयक मुस्लिमों के खिलाफ कैसे है? यह विधेयक सिर्फ पारदर्शिता के लिए लाया गया है..विपक्ष इसकी तुलना मंदिरों से करके मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। केसी वेणुगोपाल को ये बताना चाहिए कि जब हजारों सिखों को मारा गया..किस टैक्सी ड्राइवर ने इंदिरा गांधी की हत्या की? अब ये अल्पसंख्यकों की बात कर रहे हैं।राजीव रंजन सिंह ने कहा कि वक्फ बोर्ड का गठन एक कानून द्वारा किया गया। अगर कानून के द्वारा बनाया गया कोई संस्थान तानाशाह हो जाता है तो यह सरकार का अधिकार है कि वह कानून बनाकर पारदर्शिता कायम करे। उन्होंने विपक्ष पर अफवाह फैलाकर सांप्रदायिक भेदभाव बढ़ाने का आरोप लगाया।

आसन छोड़...

यह सदन इस समय देश की रूलिंग पार्टी के अध्यक्ष को यहां सदन के नेता को रूप में देख रहा है। यह सदन प्रतिपक्ष ने अध्यक्ष को भी यहां नेता प्रतिपक्ष के रूप में यहां देख रहा है। कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठतम नेता भी इस सदन की सदस्य हैं। जो मैं हाल के दिनों में देख रहा हूं, और जिस तरह से चुनौती शब्दों से, पत्र के द्वारा, अखबार के माध्यम के द्वारा, एक प्रमुख अखबार, नाम नहीं लेना चाहता हूं, कितनी गलत टिप्पणी की है।

उन्होंने कहा, मैंने देखा है। मेरे को ये चुनौती नहीं दी जा रही है। यह चुनौती सभापति के पद को दी जा रही है, और ये चुनौती इसलिए दी जा रही है क्योंकि जो व्यक्ति इस पद पर बैठा है, वो इसके लायक नहीं है। ऐसा ये सोचते हैं। मुझे हाउस का समर्थन जितना चाहिए उतना नहीं मिला है। मैंने प्रयास में कोई कमी नहीं की है। उन्होंने कांग्रेस नेता जयराम रमेश को भी फटकारा। सभापति ने कहा, जयराम जी आप हंसिए नहीं। मैं आपकी आदत जानता हूं। अब मेरे पास एक ही विकल्प है। सदन में बहुत से वरिष्ठ सदस्य हैं। अब भी उपस्थित हैं उनका सम्मान करता हूं। उन्होंने राजनीति मेरे से बहुत ज्यादा देखी है। मैं अपनी शपथ से दूर नहीं भाग रहा हूं। पर जो आज मैंने देखा है। जिस तरह का व्यवहार सदस्यों ने किया है। शारीरिक रूप से किया है। जिस तरह का व्यवहार विपक्ष की तरफ से हुआ है, उसमें मैं फिलहाल यहां बैठने में अपने आपको सक्षम नहीं पा रहा हूं। इसके बाद वह सदन छोड़कर चले गए।

आसन छोड़ कर जाने के पहले सभापति धनखड़ ने कहा, वो सोचते हैं वही बहुत बुद्धिमान हैं। वो सोचते हैं अकेले वही हैं जिनके दिल को दुख पहुंचा है। हमारी बेटी विनेश फोगाट को लेकर पूरा देश दुखी है। चाहे राष्ट्रपति हों, प्रधानमंत्री हों, मैं खुद हूं सभी इस दुख को महसूस कर रहे हैं। लेकिन, इसका लाभ उठाना, इस पर राजनीति करना उस बेटी का अपमान है। उस लड़की को बहुत आगे जाना है। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश था कि हरियाणा सरकार ने तुरंत इस बात का ऐलान किया कि वो उसे सभी सुविधाएं और आर्थिक लाभ देंगे जो पदक विजेता को मिलता है। राज्य सरकार ने उन्हें पदक विजेता के तौर पर सम्मान दिया है। दूसरी ओर इस सदन में क्या हो रहा है? कल जब नेता प्रतिपक्ष ने अपना हाथ उठाया तो मैंने उन्हें अपनी बात रखने की अनुमति दी। नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष ने बहुत महत्वपूर्ण बातें रखीं। मैंने उन्हें एक संदेश भेजा। आप कौन सा मुद्दा उठाना चाहते हैं। उनकी ओर से जवाब आया मैं एक सार्वजनिक महत्व का मुद्दा उठाना चाहता हूं। क्या इससे विषय का पता चलता है, क्या इससे इसके महत्व का पता चलता है, क्या इससे इसकी अर्जेंसी का पता चलता है? इस पूरी प्रक्रिया के दौरान नेता प्रतिपक्ष का आशय यह था कि चेयर रबर स्टैंप है।

इसके बाद नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष के व्यवहार की निंदा की। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने कहा कि माननीय सदस्यगण इस पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाना, भारतीय प्रजातंत्र के ऊपर कुठाराघात करना। अध्यक्ष की गरिमा को धूमिल करना, शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण वातावरण करना, यह अमर्यादित आचरण नहीं है, यह हर सीमा लांघने वाला आचरण है। यह सदन इस समय देश की रूलिंग पार्टी के अध्यक्ष को यहां सदन के नेता को रूप में देख रहा है। यह सदन प्रतिपक्ष ने अध्यक्ष को भी यहां नेता प्रतिपक्ष के रूप में यहां देख रहा है। कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठतम नेता भी इस सदन की सदस्य हैं। जो मैं हाल के दिनों में देख रहा हूं, और जिस तरह से चुनौती शब्दों से, पत्र के द्वारा, अखबार के माध्यम के द्वारा, एक प्रमुख अखबार, नाम नहीं लेना चाहता हूं, कितनी गलत टिप्पणी की है।

सीएम घर में...

चार्जशीट में आम आदमी पार्टी के नेताओं के विरोधाभासी बयानों को भी रेखांकित किया गया है। कहा गया है कि घटना के अगले दिन आपा नेता संजय सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि विभव कुमार ने स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी की थी। जबकि दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा था कि मालीवाल द्वारा लगाए गए आरोप झूठे हैं। पुलिस ने उस ऑटो ड्राइवर के बयान को भी चार्जशीट का हिस्सा बनाया है जिसके साथ मालीवाल घटना के तुरंत बाद गई थी। ऑटो ड्राइवर ने बताया है कि मालीवाल रो रही थी और पुलिस से मदद की मांग कर रही थी। वो चाहती थीं कि पुलिस को पता चले कि उनके साथ मारपीट हुई है।

केजरीवाल के पीएस विभव कुमार अभी भी जेल में ही है और उसकी तमाम जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। इस मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल ने खुलकर किसी का समर्थन नहीं किया है, लेकिन विभव पर किसी तरह का एक्शन लेने की बात भी नहीं की है।

आम चुनाव के...

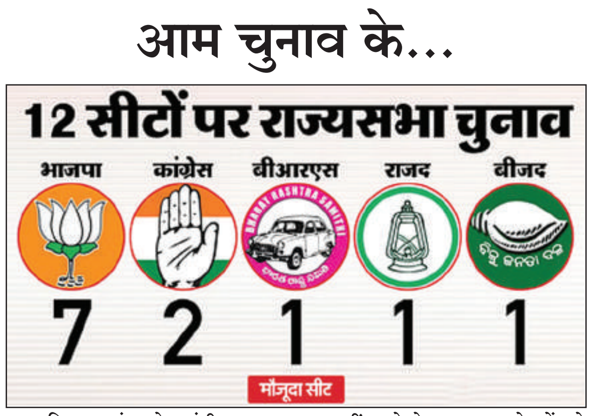

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री बनाया गया। वहीं दूसरे नेता उदयनराजे भोंसले सतारा से लोकसभा सांसद चुने गए।

हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के बेटे दीपेंद्र हुड्डा ने रोहतक लोकसभा सीट से चुनाव जीता। पहले वह हरियाणा से कांग्रेस के राज्यसभा के सदस्य थे। इसके अलावा मीसा भारती (बिहार), विवेक ठाकुर (बिहार), कामाख्या प्रसाद तासा (असम), सर्बानंद सोनोवाल (असम), केसी वेणुगोपाल (राजस्थान) और विप्लव कुमार देव (त्रिपुरा) भी लोकसभा चुनाव जीते हैं।

जो राज्यसभा सांसद लोकसभा चुनाव जीत कर संसद में पहुंचे हैं, उनमें भाजपा के ज्योतिरादित्य सिंधिया (मध्य प्रदेश), पीयूष गोयल (महाराष्ट्र), उदयनराजे भोंसले (महाराष्ट्र), विवेक ठाकुर (बिहार), कामाख्या प्रसाद तासा (असम), सर्बानंद सोनोवाल (असम), विप्लव कुमार देव (त्रिपुरा), कांग्रेस के दीपेंद्र हुड्डा (हरियाणा), केसी वेणुगोपाल (राजस्थान) और राजद की मीसा भारती (बिहार) शामिल हैं। तेलंगाना और ओड़ीशा में राज्यसभा की दो सीट के लिए उपचुनाव भी होगा। तेलंगाना में हाल में के. केशव राव ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने के बाद सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वहीं बीजू जनता दल (बीजद) की सांसद ममता मोहंता ने राज्यसभा सीट और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। मोहंता बीजद से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गईं।जिन नौ राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों के उपचुनाव का कार्यक्रम जारी किया गया है उनमें सात सीटें भाजपा, दो कांग्रेस और एक-एक राष्ट्रीय जनता दल (राजद), बीआरएस और बीजद के पास थीं। कांग्रेस और राजद दोनों ही विपक्षी गठजोड़ के प्रमुख घटक हैं। वहीं बीआरएस और बीजद अभी किसी भी गठजोड़ में शामिल नहीं हैं।जिन राज्यों में भाजपा उम्मीदवारों के आसानी से जीतने की उम्मीद है, उनमें असम की दो सीटें और त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और ओड़ीशा की एक-एक सीट शामिल हैं। बिहार विधानसभा में एनडीए और विपक्षी गठबंधन की संख्या को देखते हुए भाजपा और राजद के आसानी से एक-एक सीट जीतने की संभावना है। तेलंगाना में 2023 के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद कांग्रेस को अपनी एकमात्र सीट जीतने की उम्मीद है। हालांकि, महाराष्ट्र और हरियाणा में रिक्त सीटों के लिए होने वाले चुनावों में भाजपा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।जिन राज्यों में राज्यसभा चुनाव होगा उनमें हरियाणा की लड़ाई सबसे दिलचस्प होगी। दीपेंद्र हुड्डा के रोहतक से लोकसभा सांसद चुने जाने के कारण जरूरी था। 90 सदस्यीय विधानसभा अब 87 सदस्यों की रह गई है। पार्टीवार ताकत पर गौर करें तो भाजपा के पास अपने 41 विधायक हैं। इनके अलावा दो विधायकों -निर्दलीय नयन पाल रावत और हरियाणा लोकहित पार्टी (एचएलपी) के गोपाल कांडा का भी भाजपा को समर्थन है। एक बड़े दांव के तहत भाजपा ने तोशाम की कांग्रेस विधायक किरण चौधरी को पार्टी में शामिल करा लिया है। ऐसे में भाजपा के पास कुल 44 विधायकों का समर्थन हो जाता है।

पिछले महीने ही विधायक किरण चौधरी की सदस्यता रद्द करने की कांग्रेस की मांग को विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने खारिज कर दी। दरअसल, किरण चौधरी ने कांग्रेस विधायक पद से इस्तीफा दिए बिना भाजपा का दामन थाम लिया था वहीं जजपा के विधायकों की सदस्यता पर भी अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। दूसरी ओर विपक्ष की तरफ गौर करें तो इधर कागज में 43 विधायक दिखाई देते हैं। इनमें कांग्रेस के 28 विधायक, जननायक जनता पार्टी (जजपा) के 10 और तीन निर्दलीय (रणधीर गोलान, धर्म पाल गोंदर और सोमवीर सांगवान), चौथे निर्दलीय बलराज कुंडू और इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के अभय चौटाला शामिल हैं। तीन निर्दलीय रणधीर गोलान, धर्म पाल गोंदर और सोमवीर सांगवान ने पहले सरकार को समर्थन दिया था लेकिन हाल ही में उन्होंने कांग्रेस का समर्थन कर दिया। महम से निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू ने न तो भाजपा को और न ही कांग्रेस को समर्थन दिया है। इनेलो के अभय चौटाला ने भी अभी तक किसी पार्टी को समर्थन देने की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस पहले उम्मीद कर रही थी कि अगर उसे सभी विपक्षी विधायकों का समर्थन मिल गया तो वह भाजपा से चुनाव जीत सकती है। हालांकि, किरण चौधरी के भाजपा में शामिल होने के बाद मामला पलट गया है।

इस बीच, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की उम्मीदवारी को लेकर बयान दिया है। भूपेंद्र ने कहा कि उनके पास हरियाणा में 28 विधायक हैं और तीन निर्दलीय विधायकों का उन्हें समर्थन है। कुल मिलाकर उनके पास 31 विधायक हैं। एक महिला विधायक अयोग्य हैं, विधानसभा अध्यक्ष उन पर कार्रवाई नहीं कर रहे। वहीं जीतने के लिए 44 विधायकों की आवश्यकता है। कोई भी 13 विधायक लेकर आ जाए, हम उसका समर्थन कर देंगे।

महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयनराजे भोंसले और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के कारण राज्यसभा की सीटें खाली हो गईं। राज्य में सत्तारूढ़ महायुति के पास पर्याप्त संख्या बल है। इसके बावजूद विपक्ष द्वारा उम्मीदवार उतारने की स्थिति में यहां मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान न मिलने से एनडीए के घटक दलों में शिवसेना और एनसीपी में नाराजगी के सुर दिखाई पड़े थे।

सभी वीजा...

राजशाही, खुलना और सिलहट में महावाणिज्यदूत मौजूद हैं।

बांग्लादेश में 1971 में देश की आजादी के लिए लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के लिए तय किए आरक्षण के खिलाफ जुलाई में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। धीरे-धीरे ये विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गए और छात्रों द्वारा प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग की जाने लगी। ये विरोध प्रदर्शन इतने हिंसक हो गए कि बीती 5 अगस्त को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपने पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं। वहीं बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में गुरुवार को अंतरिम सरकार का गठन किया जाना है। इस अंतरिम सरकार की देखरेख में ही अगले कुछ महीनों में चुनाव कराए जाने की बात कही गई है।

बांग्लादेश में ...

वर्तमान में वह किसी जगह छुपे हुए हैं, उनको प्रशासन और सेना से कोई सहायता नहीं मिल रही है। उन्हें सेना और पुलिस कोई नहीं बचा रहा है। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं को चुन-चुन कर निशाना बनाया जा रहा है। वह बचाने की अपील कर रहे हैं।

नारायणपुर जिले की घटना कोई अकेली नहीं है। लगातार सोमवार से ही हिंदू बांग्लादेश में निशाने पर हैं। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद इस्लामी कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी के दंगाई हिंदू के घरों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की लिस्ट बना रहे हैं। एक हिंदू नागरिक ने बताया, कुछ ही स्थानीय लोग हमारी मदद कर रहे हैं, जबकि हजारों की तादाद में हिंसक भीड़ हम लोगों की हत्या करने पर तुली हुई है। कुछ अन्य पीड़ितों ने बताया कि हिंसा रात भर जारी रही और डर से हिंदू घरों में छिपे रहे। बताते चलें कि विश्व हिंदू महासंघ, बांग्लादेश चैप्टर ने भी बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं की एक सूची जारी की है। इस लिस्ट में कम-से-कम 3 ऐसी हिंदू महिलाओं के नाम शामिल हैं, जिनका इस्लामी दंगाइयों ने अपहरण कर लिया है। उनका कहना है कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू सहमे हुए हैं। सुरक्षा कारणों से अपना नाम नहीं बताने की शर्त पर कुछ हिंदुओं ने यह भी कहा कि वो कहीं सुरक्षित जगह भागकर जा भी नहीं पा रहे हैं, क्योंकि जमात-ए-इस्लामी समूह और अन्य चरमपंथी संगठनों के उपद्रवी बंदूक लेकर सड़कों पर घूम रहे हैं। मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट को बीच-बीच में बंद कर दिया जा रहा है, जिससे वो अपने अन्य परिजनों का हाल-चाल भी नहीं ले पा रहे हैं।

बांग्लादेशी हिंदुओं का आरोप है कि उन्हें जान-बूझ कर एक-दूसरे से दूर रखने की साजिश की जा रही है, ताकि वे साथ ना आ पाएं। हमें बताया गया कि बांग्लादेश में हिंसा जारी है और महज कुछ ही घटनाएं लोगों तक पहुंच पा रही हैं। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बांग्लादेश की जेलों में बंद जमात के 2,200 से अधिक कट्टरपंथियों को जमानत दे दी गई। इससे हिंदुओं की हालत और खराब हो सकती है। इस्लामी कट्टरपंथी बांग्लादेश की प्रसिद्द हस्तियों को भी नहीं छोड़ रहे। उन्होंने बांग्लादेश के प्रसिद्ध गायक राहुल आनंद का घर जला दिया। राहुल आनंद का घर धानमंडी 32 पर स्थित था। इस्लामी भीड़ ने उनके 140 साल पुराने इस आवास को लूटने के बाद जलाया। इस लूटपाट और आगजनी में उनके 3000 म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स भी बर्बाद हो गए जिनमें से कई को उन्होंने अपने हाथ से बनाया था।राहुल आनंद गीत बैंड जोलेर गान चलाते हैं। इस बैंड से जुड़े एक पुराने साथी सैफुल जरनल ने बताया, हमारे प्रिय राहुल दा के 3000 से अधिक संगीत वाद्ययंत्र, जिन्हें उन्होंने वर्षों से प्यार और देखभाल के साथ डिजाइन और बनाया था, नष्ट कर दिए गए हैं और जलाए गए वाद्ययंत्रों और अन्य घरेलू चीजों का अनुमानित मूल्य 10 लाख टका से अधिक है। इससे पहले बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने इस दौरान देश में हिंदू मंदिरों, घरों और दुकानों पर हुए हमलों की एक लिस्ट जारी की थी। इसमें बताया गया था कि देश भर में 54 जगह पर हिंदुओं को निशाना बनाया गया। गौरतलब है कि बांग्लादेश में जुलाई महीने से ही आरक्षण खत्म करने की मांग को लेकर प्रदर्शन चल रहे थे। इस प्रदर्शन को इस्लामी कट्टरपंथियों ने हाइजैक कर लिया और इसके बाद भारी हिंसा हुई। यह हिंसा अगस्त में और बढ़ गई और प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा। शेख हसीना सोमवार (5 अगस्त, 2024) को ढाका छोड़ कर भारत आ गईं। वर्तमान में वह भारत में हैं।

बांग्लादेश में सत्ता विरोधी प्रदर्शन हिंदू विरोधी हिंसा में तब्दील हो चुका है। हिंदुओं के घरों और मंदिरों को खास तौर पर दुश्मनी में हमले हो रहे हैं। शेख हसीना के इस्तीफे के बाद, हिंदुओं के घरों में लूटपाट, तोड़फोड़ और हिंदू महिलाओं के साथ रेप की कई घटनाएं भी सामने आई हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याएं और मंदिरों में तोड़फोड़ बड़े स्तर पर जारी है। ढाका के नाटोरे, धामराई, पटुआखाली के कालापारा, शरीयतपुर और फरीदपुर में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया है। इसके साथ ही जैसोर, नोआखाली, मेहरपुर, चांदपुर और खुलना में भी हिंदू घरों को भी निशाना बनाया गया है। दिनाजपुर में 40 हिंदू दुकानों में तोड़फोड़ की गई है।

बांग्लादेश की कई हिंदू महिलाएं इस्लामी भीड़ के हाथों हुए अत्याचार की कहानी बताने के लिए आगे आई हैं। गुरुवार (8 अगस्त, 2024) को हिंदू वॉयस द्वारा एक वीडियो साझा किया गया है। यह वीडियो बांग्लादेश के फिरोजपुर जिले के विभिन्न इलाकों में रहने वाली कई हिंदू महिलाओं का है। इसमें उन हिंदू महिलाओं को अपनी दुर्दशा बताते हुए सुना जा सकता है।

इस्लामी कट्टरपंथियों के हाथों हिंसा का शिकार हुई एक हिंदू महिला ने बताया, वह तलवारों और धारदार हथियारों के साथ आए थे। उन्होंने सब कुछ लूट लिया। अपनी बेटियों को बचाने के लिए, हमने उन्हें अपना सब कुछ दे दिया। एक अन्य हिंदू महिला ने रोते हुए बताया, रात में वो लोग आए। उन्होंने हमारे घरों में तोड़फोड़ की और सब कुछ लूट लिया। हम इस दौरान छिप गए थे। उन्होंने मेरे साले की पत्नी को पकड़ लिया और उसे दूसरे कमरे में ले गए। उन्होंने उसके साथ रेप किया। बाद में, हमें वह मिली। उसका चेहरा कपड़ों से बंधा हुआ था। वह उसका गला भी काटना चाहते थे। उसे बचाने के लिए, हमने उन्हें सारे सोने के जेवर दे दिए।

एक दूसरी पीड़ित महिला ने बताया, उन्होंने हमें चेतावनी देते हुए कहा कि हमारे पचास लोगों ने तुम्हारे घर को घेर लिया है, तुम्हारे पास भागने का कोई रास्ता नहीं है। इसके बाद उन्होंने सब कुछ लूट लिया। उन्होंने मुझे पकड़ लिया और बिस्तर पर ले गए। उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। मैंने उनसे विनती की कि या तो मुझे छोड़ दें या मुझे मार दें। दंगाइयों ने मुझसे कहा कि मेरे पास जो भी कीमती सामान है, उन्हें दे दूं। इसके बाद मैंने उन्हें अपने सारे गहने दे दिए, इसलिए वह सभी मुझे छोड़कर चले गए।

प. बंगाल के ...

बुद्धदेव भट्टाचार्य कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के पोलितब्यूरो के सदस्य भी रह चुके थे। बुद्धदेव भट्टाचार्य का जन्म एक मार्च 1944 को उत्तरी कोलकाता में हुआ था। उनके पुरखों का घर बांग्लादेश में है। उन्होंने कोलकाता के प्रतिष्ठित प्रेसीडेंसी कॉलेज से बंगाली साहित्य की पढ़ाई की थी और बंगाली (ऑनर्स) में बीए की डिग्री प्राप्त की थी। बाद में वह सीपीआई (एम) से जुड़ गए थे। उन्हें सीपीआई की युवा शाखा डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन के राज्य सचिव बनाया गया थे, जिसका बाद में डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया में विलय हो गया था।

एक समय तक पश्चिम बंगाल की आय का प्राथमिक साधन कृषि थी, लेकिन बुद्धदेव ने इस स्थिति को बदलने के लिए अपने राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा जोखिम उठाते हुए औद्योगीकरण अभियान की शुरुआत की थी। उन्होंने बंगाल में फैक्टरियों की स्थापना हेतु विदेशी और राष्ट्रीय पूंजी को आमंत्रित किया। इनमें से दुनिया की सबसे सस्ती कार टाटा नैनो भी शामिल रही, जिसका उत्पादन प्लांट कोलकाता के पास स्थित सिंगुर में स्थापित किया गया था।इसके अलावा उनकी योजना राज्य में अन्य बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत करने की भी थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर विरोध के चलते वह सफल नहीं हो सके और 2009 के लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद साल 2011 के विधानसभा चुनाव में भी उन्हें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार मनीष गुप्ता के हाथों मात मिली थी। तब मनीष गुप्ता ने बुद्धदेव भट्टाचार्य को 16,684 वोटों के बड़े अंतर से शिकस्त दी थी।सीपीआई (एम) के वरिष्ठ नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य करीब 18 साल तक ज्योति बसु के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे और गृह मंत्रालय समेत कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों में काम किया। वह पहली बार 1977 में कोसीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए और सन् 1987 में संस्कृति मंत्री बने। 1982 में भट्टाचार्य चुनाव हार गए, मगर पार्टी में उनका कद बढ़ गया। 1987 में वह जाधवपुर से चुनाव लड़े और जीते। इसके बाद वह जाधवपुर से ही लगातार चुनाव जीतते रहे। ज्योति बसु के दौर में ही उन्हें डिप्टी सीएम के साथ गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई। बाद में वह ज्योति बसु के उत्तराधिकारी बने।

बुद्धदेव भट्टाचार्य की सादगी मशहूर रही। सीएम रहने के दौरान भी उन्होंने बड़ा बंगला लेने से इन्कार कर दिया था। परिवार कोलकाता के बालीगंज में दो कमरे के अपार्टमेंट में रहता है। वह दशकों तक दो कमरे के अपार्टमेंट में ही रहे और उसी आवास से मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। पांच दशक की लंबी राजनीति, 18 साल तक मंत्री और 11 साल सीएम रहने के बाद भी उनके पास बंगला और कार नहीं है। वह अपनी सैलरी भी पार्टी फंड में देते रहे। बताया जाता है कि जब वह मंत्री और सीएम थे, तब भी उनका परिवार सार्वजनिक वाहन से ही सफर करता था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एलबीएमटी हाई स्कूल एवं जेकेपीएस का सम्मान प्रदान समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एलबीएमटी हाई स्कूल एवं जीकेपीएस का सम्मान प्रदान समारोह का समिति के प्रांगण में गुरुवार, दि. 8 अगस्त, 2024 को सम्पन्न हुआ। सम्मान प्रदान समारोह केवल पदों पर प्रतिष्ठित होना ही नहीं बल्कि अपने कर्तवें एवं जिम्मेदारियों का निर्वाह करना है। इसीलिए विद्यालय की छात्र-परिषद के छात्रों का निर्वाचन उनकी प्रतिभाओं और योग्यताओं के आधार पर किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ वंदेमातरम् गीत एवं समिति के पदाधिकारियों द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीतिबाला ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत भाषण दिया और कहा कि विद्यालय स्तर पर ही विद्यार्थियों में योग्य नागरिक बनने की क्षमता उत्पन्न होती है। मंचासीन पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित छात्र-परिषद के छात्रों को बैजेस और सैशेस देकर सम्मनित किया। विद्यालय में उपस्थित चारों गृहों (लाल, नीले, हरे एवं पीले) के छात्रों ने मार्च पास्ट किया। छात्र परिषद के छात्रों को उनके कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए शपथ दिलाई गई।छात्र-परिषद के विद्यार्थियों के नाम हैं- हेड बॉय- भास्कर पात्रा, हेड गर्ल- दीक्षिता शर्मा, डेम्युटी हेड बॉय - शुवमदान, डेप्युटी हेड गर्ल - नेहा-पाल, लिटररी कप्तान - अनिकदास एवं हर्षवर्धन सोनी, कल्चरल कप्तान- रहमिन कातून एवं स्वीटी पंडित, डिसिप्लिन कप्तान - महेश पवार एवं मोहिनी घोष, स्पोर्टस् कप्तान - अक्षय कुमार एवं दियानस्कर, स्पोटर्स सचिव - प्रेममिदिया, लालगृह कप्तान - अब्दुस समी, उपकप्तान - मनितोष मंडल। नीलागृह कप्तान - भूनेश्वरी शर्मा, उपकप्तान- जानवी शर्मा। हरा गृह कप्तान - सौमुजाना, उपकप्तान - केजी गणेश। पीला गृह कप्तान - हरीश रेड्डी, उपकप्तान - ब्रिष्टि सिंघा।

त्रमिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि जो भी विद्यार्थी निर्वाचित हुए हैं वे आज विद्यालय के नेता हैं तो कल वे समाज और देश का नाम भी रौशन कर सकते हैं अर्थात आज का विद्यार्थी ही कल देश का कर्णाधार बन सकता है। इसलिए सभी को अपने-अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना होगा।

समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय में अनुशासन,, ईमानदारी, सम्मान आदि नैतिक मूल्यों का होना आवश्यक है। सभी क्षेत्रों को ध्यान में रखकर विद्यालय को प्रगति की ओर अग्रसर करना चाहिए।विद्यालय के कोऑर्डिनेटर प्रदीपकुमार अग्रवाल ने कहा कि यह क्षण आपके जीवन काएक महत्वपूर्ण समय है। वे व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामूहिक कार्य कर रहे हैं उन्हें विद्यालय की उन्नति के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की अध्यापिका श्रीमती मेघा कुलकर्णी ने किया । आभार प्रदर्शन दसवीं कक्षा की छात्रा डिंपल कुमारी ने किया।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 132वां निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 11 को

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा महाराणा प्रताप सेवा समिति अत्तापुर के सहयोग से 132वां निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आगामी दि. 11 अगस्त को सुबह 10.00 से दोपहर 2.00 बजे तक अत्तापुर पांडुरंगा नगर स्थित भाग्योदय हाई स्कूल में आयोजित किया जायेगा।

यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर श्री भगवान महावीर विकलांग समिति हैदराबाद, मेडिकवर अस्पताल बेगमपेट, एलसीएस डंडू आई इंस्टीट्यूट वेस्ट मारेडपल्ली के सहयोग से आयोजित किया जायेगा। शिविर में मेडिकवर अस्पताल के जनरल फिजिशियन, ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की जाएगी तथा शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच के पश्चात जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे और योग्य के लिए निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की जाएगी। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर आर्थोपेडिक और कार्डियोलॉजी आर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी, गायनेकोलॉजी की सेवा दी जाएगी। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद के द्वारा निशुल्क कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स, हैंडस एवं डायलिसिस रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सेवा प्रदान की जाएगी। सभी से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। शिविर में नाम पंजीकरण सुबह 10.00 से दोपहर 12.00 बजे तक किया जायेगा और कैंप दोपहर 2.00 बजे जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए कैम्प के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता,सुरेन्द्र गोयल, ठाकुर दिनेश सिंह, ठाकुर अर्जुन सिंह, ठाकुर महेन्द्र सिंह से संपर्क किया जा सकता है।

नागार्जुन सागर परियोजना के सभी 26 गेट खोले गए

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाढ़ का प्रवाह बढ़ने के कारण नागार्जुन सागर परियोजना के 26 में से अंतिम चार गेट गुरुवार को हटा दिए गए।परियोजना अपने सभी 26 शिखर द्वारों के माध्यम से 2.70 लाख क्यूसेक का संयुक्त बाढ़ प्रवाह छोड़ रही है।

परियोजना में प्रवाह 2.53 लाख क्यूसेक की सीमा में है।चार गेटों को 10 फीट ऊपर उठा दिया गया जबकि 22 अन्य को पांच फीट तक खुला रखा गया।

परियोजना में जल स्तर 590 के पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) के मुकाबले 585 फीट पर बनाए रखा गया है। वर्तमान भंडारण 298 टीएमसी से थोड़ा अधिक है, जो इसकी सकल भंडारण क्षमता 312 टीएमसी से केवल 14 टीएमसी कम है।

आप और हम की सावन की सैर 15 को

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजर्सनी एवं हरियाणा समाज का सशक्त संगठन आप और हम की सावन की सैर 15 अगस्त, 2024 को नवनिर्मित रिसॉटर्स कृष्णा सरिन पोनल गांव, शामीरपेट में किया जा रहा है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संस्था के अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में विभिन्न खेल-कूद प्रतियागिताएं जिसमें इंडोर गेम्स के अंतर्गत कैरमबोर्ड, चेस, टेबलटेनिस, ट्रम्पोलिन, आरचर आदि का आयोजन किया जा रहा है। आउटडोर गेम्स के अंतर्गत स्विमिंग (कॉस्ट्यूम व्यक्तिगत), बास्केट बॉल, फुटबॉल, बैडमेंटिन, शटलकॉक, क्रिकेट, बायसाइकल आदि की व्यवस्था रहेगी।

विज्ञप्ति के अनुसार संस्था की नई कार्यकारिणी के गठन के पश्चात उक्त कार्यक्रम समाज का पहला कार्य है। प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि संस्था द्वारा सभी के लिए निःशुल्क बस की व्यवस्था रहेगी और सभी के लिए सुबह का अल्पहार, दोपहर एवं रात्रि भोज आदि की व्यवस्था हलवाई से बने स्वादिष्ट भोजन के साथ रहेगी। पूर्व अध्यक्ष नंदगोपाल भट्टड ने बताया कि कार्यक्रम में प्रवेश, प्रवेश पत्रों द्वारा दिया जाएगा। सीमित प्रवेश होने के कारण पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रवेश रहेगा।

विज्ञप्ति में सभी से आग्रह किया गया है कि अपने-अपने प्रवेश पत्र जल्द-से-जल्द पंजीकृत करवा लेंवे। प्रवेश पत्र एवं अधिक जानकारी के लिए अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत, प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल, मानदमंत्री सोहनसिंह राजपुरोहित,, कोषाध्यक्ष कोमल शर्मा, निवर्तमान अध्यक्ष नंदगोपाल भट्टड आदि से संपर्क कर लिया जा सकता है।

तेलंगाना सरकार ने नए राशन कार्डों के वितरण की निगरानी को कैबिनेट उप-समिति बनाई

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने नए राशन कार्डों के वितरण की निगरानी के लिए एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया है।इस संबंध में मुख्य सचिव शांति कुमारी ने गुरुवार को आदेश जारी किया। कैबिनेट उप-समिति में अध्यक्ष के रूप में नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, सदस्य के रूप में स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी शामिल हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रमुख शासन सचिव उप-समिति के संयोजक होंगे। उप-समिति सरकार को नए खाद्य सुरक्षा (राशन) कार्ड और स्वास्थ्य कार्ड जारी करने के लिए पात्रता मानदंड और तौर-तरीकों की जांच करेगी।

कोत्तागुडेम में दो माओवादियों ने पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। दो माओवादियों ने गुरुवार को कोत्तागुडेम में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। कोत्तागुडेम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बी रोहित राजू के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली तहत एक मिलिशिया सदस्य के रूप में माओवादियों में शामिल हुए। 2022 में उन्हें दलम सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया और बीके-एएसआर समिति के सचिव आज़ाद के लिए गार्ड के रूप में कार्य किया गया। उन्हें 2023 में सबरी इलाके में स्थानांतरित कर

कोत्तागुडेम जिले के चेरला मंडल के सीपीआई (माओवादी) सबरी दलम सदस्य वेट्टी लक्ष्मैया उर्फ कल्लू और छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के गोलापल्ली एलओएस सदस्य मल्लम देवा हैं।

एसपी ने कहा कि ऑपरेशन चेयुथा के हिस्से के रूप में पुलिस भूमिगत कैडरों को माओवादी पार्टी से बाहर आने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रही थी और दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है।लक्ष्मैया 2011 में चेरला-सबरी क्षेत्र के मिलिशिया कमांडर वेट्टी देवा उर्फ बालू की कमान के दिया गया था। मल्लम देवा ने 2007 से 2015 तक माओवादियों के बलाला संघम में सेवा की, जिसके दौरान वह मदकम उंगल उर्फ एराल की कमान के तहत गोलापल्ली मिलिशिया के सदस्य के रूप में शामिल हुआ। 2017 में उन्हें मिलिशिया कमांडर के रूप में पदोन्नत किया गया और 2020 में दलम सदस्य के रूप में पद-ोन्नत किया गया। गोलापल्ली एलओएस कमांडर एर्रा दादा की मृत्यु के बाद, देवा ने प्रभारी के रूप में कार्य किया।

केवल आत्म शुद्धि के लिए साधना करनी चाहिए : साध्वीरत्न धर्मज्योति म.सा

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। महान चमत्कारी कलिकाल सर्वज्ञ पूज्य श्री जेष्ठमलजी म.सा की अनुकम्पा से राजस्थान केसरी उपाध्याय पूज्य श्री पुष्करमुनिजी म.सा,श्रमण संघीय आचार्य पूज्य डॉ.श्री शिवमुनिजी म.सा, महाश्रमण पूज्य श्री जितेंद्रमुनिजी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी जिनशासन चंद्रिका पूज्य गुरुणीमैया श्री शीलकुंवरजी म.सा, जिनशाशन गौरव तत्व चिन्तामणि गुरुणीमैया श्री चन्दनबालाजी म.सा की सुशिष्या धवल यशस्वी चरित्र चिन्तामणि साध्वीरत्ना श्री देवेंद्रप्रभाजी म.सा, साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा, नवदीक्षित साध्वी श्री प्रियांशश्रीजी म.सा आदि ठाणा 3 का शासन-ोत्कर्ष वर्षावास 2024 के अंतर्गत जैन श्री संघ मलकपेट के तत्व-ावधान में बम्ब सिंघी भवन में सुख साता पूर्वक विराज रहे है।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में चातुर्मास प्रधान संयोजक गिरिराज सिंघी ने बताया कि पुष्कर शील चन्दन दरबार में साध्वी श्री प्रियांसाश्रीजी म.सा ने अपनी अमृतमय जिनवाणी के माध्यम से प्रवचन श्रृंखला में बताया की संयम जीवन में त्याग का बहुत बड़ा महत्व और और हममे इसी त्याग की महिमा को समझना है। साधु-साध्वी के जीवन मे त्याग बहुत महत्वपूर्ण है. जीवो की रक्षा उनका मूल सिद्धांत व उद्देश्य होता है। कंदमूल, कच्ची वनस्पति, वाहन-गाड़ी, मोबाइल व अन्य प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स का सभी का त्याग होता है और इन सब के बिना ही अपने जीवन को यापन करते है। साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा ने अपना उदबोधन एक मुहावरा से शरू किया वो है निशाने पर जो लग जाये उसे तीर कहेता है, में कहा कि.. जिससे प्यास बुझ जाए उसे नीर कहेता है.. निशा से हाथ रंगना कोई बड़ी बात नही, जो आत्मा को जीत जाए वही सच्चा वीर कहे लाता है. आगे बताया कि सम्यक दर्शन एक रुई के समान है जो अपनी आत्मा से स्पर्श होजाये तो हमारे जीवन मे ज्ञान का भंडार खुल जाता न और मोक्ष का मार्ग प्राप्त होता है। वस्तु की कीमत उसे गढ़ने से बल्कि उससे पारख ने से और पढ़ने से होती है.सभी जीव के अंदर जीने की कला होती है और वो पुरषो में 72 कला एवं स्त्रीओ में 64 कलाये होती है। ज्ञान ही जीवन का उजाला है। एक जो शून्य(0) होता है उसकी बहुत ही ज़्यादा कीमत होती है जब वो एक का अंक होता है. शून्य का मतलब है स्वार्थ रहित जीवन के प्रति अपने आप को समर्पित करना. कोई भी साधना और तप कर तो बिना कोई मोह या स्वार्थ से नही करना और बिना कोई फल की चाहत से करना चाईए.जो कोई भी साधना करता है और उससे कोई फल की इच्छा रखता है वो साधना निष्फल हो जाती है. केवल आत्मा शुद्धि के लिए साधना करना चाहिए।

धर्म सभा का संचालन करते हुवे संघ के मंत्री दिलीप गादिया ने धर्म सभा में पधारे सभी श्रावक-श्राविकाओं का स्वागत किया। आज की धर्म सभा मे बाहर गॉव से भी दर्शनर्त पधारे और संघ की प्रबल पुन्यवानी से आज पूज्य साध्वीरत्न के मुखारबिंद से एक 14 उपवास के पचखन हुए। शुक्रवार को प्रवचन के पश्चात श्री योगेंद्र गादिया सुपुत्र राजेन्द्र-संगीताजी गादिया मलकपेट वालो की 15उपवास(अर्ध मासखमं) की पचखावनी साध्वीरत्न के मुखरबिंद से ग्रहण रहेगी। तपस्वी के तपस्या अनुमोदार्थ श्रीमान सुगनचंद राजेंद्रकुमार दिलीपकुमार गादिया परिवार मलकपेट वालो की और से स्वरूचि भोजन की व्यवस्था का आयोजन किया जाएगा।

सभी तप के पारणे की व्यवस्था श्री संघ द्वारा संघ के भोजनशाला में रखी गई है। सम्पूर्ण चातुर्मास में एखासन व आयंबिल का लाभ श्रीमान तेजराजजी गौतमचन्द अजय संजय श्रीमाल कोठारी परिवार मलकपेट वालों ने लिया। धर्म सभा मे त्रयनगर के विभिन्न क्षेत्रों से धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित होकर और संघ की शोभा बढ़ाई।

अग्रमंच मासिक के जुलाई (119वे) अंक का लोकार्पण करते हुए प्रवीण कुमार (इंडिया टूरिज्म सूचना अधिकारी, हैदराबाद), अजित कुमार शर्मा (गुजरात टूरिस्ट अधिकारी, हैदराबाद), वीरेंद्र सिंह राणा (जनसंपर्क अधिकारी, गढ़वाल मंडल विकास निगम, हैदराबाद), एम. ज्योति (प्रबंधक- लेंड एयर, हैदराबाद) और अग्रमंच प्रकाशन समुह के प्रमुख डॉ दिलीप पंसारी।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष पंडित पुरषोत्तम लाला के ज्योतिष शास्त्र में परचम लहराने पर सभा द्वारा सम्मान करते रामदेव नागला, रामबाबू कौशिक,श्रीलाल पारीक, सुरेश गांधी, राजेन्द्र शर्मा, विनोद मुदगल, दामोदर जोशी व मुकेश सांडिल्य।

चंद्रबाबू सरकार अपने वादे पूरे करने में विफल रही : जगन रेड्डी

विजयवाड़ा, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार चुनाव के दौरान किए गए सुपर सिक्स वादों को पूरा करने में विफल रही।पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने गुरुवार को यहां पास के ताडेपल्ली कैंप कार्यालय में पेंडुरथी, पयाकारोपेटा और नरसीपट्टनम निर्वाचन क्षेत्रों के मंडल परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (एमपीटीसी) और जिला परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (जेडपीटीसी) के सदस्यों की एक श्रृंखला को संबोधित करते हुए कहा मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार पैसे और ताकत से अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी एमएलसी चुनाव से यह संदेश जाना चाहिए कि अन्याय और शोषण नहीं चलेगा। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कह

कि हमने उन लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जो भूखे थे, लेकिन चंद्रबाबू नायडू ने बिरयानी का वादा किया। अब खाना और बिरयानी दोनों खत्म हो गए हैं, जिससे लोग फिर से भूखे रह गए हैं। उन्होंने पिछले दो महीनों में शासन की विफलताओं की ओर इशारा किया, जिसमें बर्बाद स्कूलों, खराब सरकारी अस्पतालों और बीज के लिए संघर्ष कर रहे किसानों का हवाला दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनके प्रशासन के दौरान, सेवाएं हर घर के दरवाजे तक पहुंचाई गईं, यह प्रथा टीडीपी गठबंधन सरकार के तहत बंद हो गई है।वाईएसआरसीपी प्रमुख ने उल्लेख किया कि लोग शासन, कानून और व्यवस्था की कमी और प्रणालियों के विनाश को देख रहे हैं और कहा कि चंद्रबाबू को झूठ के माध्यम से सत्ता मिली है, और ऐसी शक्ति स्थायी नहीं है। उन्होंने दोहराया कि 2019 के चुनावों के दौरान किए गए हर वादे को उनके नेतृत्व में पूरा किया गया और मूल्यों और विश्वसनीयता के महत्व पर जोर दिया गया, जो उनके शासन की नींव रहे हैं। जगन मोहन रेड्डी ने सरकार से उत्पीड़न का सामना करने वाले प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता को अपना समर्थन दिया, और वादा किया कि लोग इन चुनौतियों से निपटने में उनका समर्थन करेंगे। उन्होंने 16 महीने तक जेल में रहने के दौरान अपने राजनीतिक उत्पीड़न का जिक्र किया, लेकिन इस बात पर प्रकाश डाला कि लोगों के लिए संघर्ष ने उन्हें सत्ता में वापस ला दिया। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा, ये सभी लोग पार्टी चिन्ह और झंडे पर जीते, पुलिस का उपयोग करके सत्ता का दुरुपयोग करना न्याय के सार को कमजोर करता है।

सीएम रेवंत ने पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने पर भारतीय हॉकी टीम को दी बधाई

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक-2024 में शानदार प्रदर्शन करने और पदक जीतने के लिए भारतीय हॉकी टीम को बधाई दी।

एक संदेश में सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम ने असाधारण रूप से अच्छा खेला और ओलंपिक खेलों में भारत का नाम रोशन किया। सीएम ने कहा, भारतीय टीम को हमारे राष्ट्रीय खेल में पदक जीतते देखना सभी के लिए एक सुखद क्षण है। हॉकी में भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता।

रेवंत रेड्डी ने बुद्धदेव के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री एवं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

श्री रेड्डी ने एक्स पर श्री भट्टाचार्य को न्याय परायणता का स्तंभ बताते हुए मुख्यमंत्री के रूप में उनके 11 साल और पांच दशकों की सार्वजनिक सेवा के प्रति सम्मान व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने उनके परिवार और माकपा समुदाय के प्रति संवेदना व्यक्त की। गौरतलब है कि श्री भट्टाचार्य का 80 वर्ष की आयु में आज सुबह निधन हो गया। वह लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारी और सांस लेने में तकलीफ से पीड़ित थे।

बंगाल में वाम मोर्चे के 34 साल तक सत्तारुढ़ रहने के दौरान श्री भट्टाचार्य दूसरे और आखिरी माकपा मुख्यमंत्री रहे। श्री भट्टाचार्य 2000 से 2011 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे।

मनुष्य के पतन का कारण हैं अभिमान : हरिप्रिया वैष्णवी

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कोई भी मनुष्य अगर अपनी काबिलियत पर घमंड करता है, अभिमान करता है तो उसका पतन निश्चित है।

उक्त उद्गार गुरुवार को अत्तापुर स्थित ब्रह्मचारी मठ राधा कृष्ण मंदिर में राजस्थानी जागृति समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन के दौरान कथावाचक सुश्री हरी प्रिया वैष्णवी ने अपने प्रवचन में कही। उन्होंने मनुष्य के जीवन को खुशनुमा बनाने के अनेक बिंदुओं को लेकर समझाते हुए अच्छे गुरु से संगत लेने की सलाह दी।

भागवत कथा वाचक हरिप्रिया वैष्णवी का राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी, कथा संयोजक पवन नालपुरिया ने पगड़ी पहनकर सम्मान किया। भगवत कथा में सैकड़ो महिलाओं एवं गणमान्य ने भाग लिया। कथा के प्रथम दिन के मुख्य यजमान बद्री प्रसाद सरायवाला के अलावा सुरेश कुमार मोदी, सरदार आनंद सिंह, सरदार सुखजिंदर सिंह, संजय गुप्ता, प्रेमचंद मुर्णोत्, संजय राठी , अशोक कुमार हीरावत, जयप्रकाश लड्डा, रमेश मोदानी, श्यामसुंदर जांगिड़, महिला मंडल अध्यक्ष ज्योति शर्मा, गौरजा ईनाणी, विद्या बाई शर्मा, जिया अग्रवाल, सोहनलाल नेहरा, डालूराम महेंद्रजांगिड़, संजय गुप्ता, श्याम शर्मा, सहित अनेक गणमान्य लोग भी उपस्थित होकर कथा स्मरण किया।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव प्रारंभ

मुक्ति का मार्ग दिखाती हैं भागवत कथा आचार्य रमाकांत गोस्वामी

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव का गुरुवार को पूरे विधि-विधान, व्यास पूजन एवं कलश यात्रा के भव्य आयोजन से प्रारंभ हुआ। अयोध्या स्थित श्रीरामचरित्रमानस भवन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ ब्रजभक्त आचार्य रमाकांत गोस्वामी के सानिध्य में हुआ। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान में प्रथम दिन महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा परिक्रमा मार्ग, रामघाट से होते हुए तुलसी भवन होते हुए मानस भवन पहुंची।

व्यास पीठ पर विराजमान आचार्य रमाकांत गोस्वामी ने प्रथम दिवस की पावन कथा में भागवत के महात्मय से शुरुआत की साथ ही भक्ति, ज्ञान, वैराग्य की कथा का आनंद दिलाया। आचार्य रमाकांत गोस्वामी ने भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि मृत्यु को जानने से मृत्यु का भय मन से मिट जाता है। जिस प्रकार परीक्षित ने भागवत कथा का श्रवण कर अभय को प्राप्त किया, वैसे ही भागवत जीव को अभय बना देती है। श्रीमद्भागवत कथा परमात्मा का अक्षर स्वरूप है। यह परम हंसों की संहिता है, भागवत कथा हृदय को जागृत कर मुक्ति का मार्ग दिखाती है। भागवत कथा भगवान के प्रति अनुराग उत्पन्न करती है। यह ग्रंथ वेद, उपनिषद का सार रूपी फल है। यह कथा रूपी अमृत देवताओं को भी दुर्लभ है। उन्होंन कहा कि सत्य ही सर्वश्रेष्ठ धर्म है। आज के समय में सभी लोगों को अपने परिवार विशेष तौर से युवा पीढी को हमारे सनातन धर्म, संस्कृति, पुरातन धरोहर, वेद शास्त्रों की जानकारी देने पर बल देने की आवश्यकता है। कथा संयोजक डॉ, चन्द्रकला अग्रवाल, सतीश गुप्ता, आशा गुप्ता, भगतराम गोयल, सुमन लता गोयल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, महेश अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, अमित अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल (बंजारा हिल्स) उपस्थित थे। भागवत कथा में विजय प्रकाश अग्रवाल, बीना अग्रवाल, रमेश चंद्र गुप्ता, सत्यभामा गुप्ता, प्रेमलता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल,मंजू अग्रवाल, अनिता शाह,राजेंद्र अग्रवाल, संतोष अग्रवाल (बगड़िया), अविनाश गुप्ता, सरिता गुप्ता, ज्ञानेन्द्र अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, श्रीकिशन अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल, बबीता गुप्ता, सुनीता गुप्ता, कौशल्या गुप्ता, पुष्पा अग्रवाल, अजय गोयल एवं कविता गोयल सहित सैकड़ों वैष्णवजन उपस्थित थे।

अत्तापुर में राजस्थानी जागृति समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन से पूर्व गुरुवार को रामबाग राम मंदिर प्रांगण से श्रीमद् भागवत कथा आयोजन स्थल ब्रह्मचारी मठ तक भव्य कलश यात्रा का आयोजन हुआ।

हिलेस की 595वीं साहित्य और कवि गोष्ठी कल

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 595वीं मासिक साहित्य और कवि गोष्ठी शनिवार, 10 अगस्त को सायं 5-00 बजे से नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभा कक्ष में संपन्न होगी। मिलिंद प्रकाशन के संचालक व हिंदी सेवी श्रुतिकांत भारती और गीत चाँदनी के अध्यक्ष व गीतकार चंपालाल बैद बतौर विशेष अतिथि मंच पर उपस्थित रहेंगे।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए हिंदी लेखक संघ हैदराबाद के संयोजक व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस गोष्ठी के प्रथम सत्र में यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, अंचल कार्यालय, हैदराबाद के वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) देवकांत पवार कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन और तकनीकी साधनों की भूमिका विषय अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे, जिस पर सामूहिक चर्चा भी की जाएगी। इस अवसर पर द्वितीय सत्र में आयोजित होने वाली कवि गोष्ठी में कविगण देश की समसामयिक समस्याओं और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत, ग़ज़ल और हास्य-व्यंग्य की कविताओं का पाठ करेंगे।

संयोजिका व कवयित्री रत्नकला मिश्र ने सभी लेखकों, कवियों तथा हिंदी प्रेमी श्रोताओं से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया है। सायं 5-15 बजे तक पहुँचने वाले कवियों को ही कविता पाठ का अवसर प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम ठीक सायं 7-30 बजे समाप्त हो जाएगा।

पूर्व मंत्री ने मेडिकल कॉलेजों के निजीकरण के आंध्र सरकार के कदम की निंदा की

विजयवाड़ा, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री मेरुगु नागार्जुन ने चुनाव से पहले नए मेडिकल कॉलेजों के बारे में खुलकर झूठ बोलने और अब उन कॉलेजों का निजीकरण करने का निर्णय लेने के लिए टीडीपी गठबंधन सरकार की तीखी आलोचना की।गुरुवार को यहां कैंप कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए, नागार्जुन ने मांग की कि सरकार इन कॉलेजों के निजीकरण के अपने फैसले को वापस ले और कहा कि

वाईएसआरसीपी गरीब छात्रों की ओर से लड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण को नए मेडिकल कॉलेजों में सीटों के संबंध में अपने चुनाव पूर्व वादों का सम्मान करना चाहिए, अन्यथा जनता के सामने उनके पाखंड को उजागर करने के लिए निश्चित रूप से विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। पूर्व मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने 14 साल तक सीएम रहने के बावजूद एक भी सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना नहीं की और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर-कांग्रेसपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने अपने पांच साल के कार्यकाल में 17 मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कराया। साथ ही, 2,550 नई मेडिकल सीटें बनाईं और यह सुनिश्चित करने के लिए एक सुविचारित मॉडल पेश किया कि उन नए मेडिकल कॉलेजों को चलाने में कोई वित्तीय कठिनाई नहीं होगी, जिसका लक्ष्य गरीबों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल प्रदान करना है। उन्होंने कहा, लेकिन इस मॉडल को कुछ नेताओं और मीडिया ने बेशर्मी से तोड़-मरोड़कर पेश किया।उन्होंने हाल की कैबिनेट बैठक में नए मेडिकल कॉलेजों के लिए पीपीपी मॉडल पर चर्चा करने के लिए टीडीपी गठबंधन सरकार की आलोचना की और कहा कि वे धोखेबाज हैं और वाईएसआरसीपी प्रमुख के खिलाफ उनके झूठे प्रचार का उद्देश्य पूरी तरह से चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के किसी भी वास्तविक इरादे के बिना उनकी छवि को खराब करना है। नागार्जुन ने कहा कि सरकार ने सत्ता में आने पर सभी सरकारी आदेशों को रद्द करने और सरकारी क्षेत्र में सभी सीटें भरने का वादा किया था और सवाल किया कि यह वादा क्यों नहीं निभाया जा रहा है और नए मेडिकल कॉलेजों का निजीकरण करने का प्रयास क्यों किया जा रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि 2023-24 में पांच कॉलेजों (विजयनगरम, मछलीपट्टनम, राजामहेंद्रवरम, एलुरु, नंद्याल) में कक्षाएं पहले ही शुरू हो चुकी थीं, और दूसरे चरण में 2024-25 में पडेरू, मार्कापुरम, मदनपल्ले के मेडिकल कॉलेजों में कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

ओड़ीशा सरकार ने तेलंगाना में सिंगरेनी को 140 हेक्टेयर जमीन सौंपी

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ओड़ीशा सरकार ने नैनी में खनन करने के लिए तेलंगाना राज्य के स्वामित्व वाली सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को आवंटित कुल 643 हेक्टेयर आरक्षित वन भूमि में से 140 हेक्टेयर वन भूमि सौंप दी थी। कोयला ब्लॉक छेंदीपाड़ा (अंगुल जिला) में स्थित है।गुरुवार को यहां एक बयान में, एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन बलराम, जो बुधवार को कोयला कंपनियों की बैठक में भाग लेने के लिए भुवनेश्वर गए थे, ने ओड़ीशा के मुख्य सचिव मनोज आहूजा से पेड़ों की गिनती और उन्हें हटाने की प्रक्रिया में पूरा सहयोग देने को कहा ताकि नैनी कोयला ब्लॉक में कोयला उत्पादन किया जा सके।

उन्होंने कहा, आहूजा ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आश्वासन दिया कि पेड़ों की गिनती की प्रक्रिया 10 दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन, प्रो. यूनुस ने ली मुख्य सलाहकार पद की शपथ

ढाका, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में सुश्री शेख हसीना का तख्तापलट के बाद अंतरिम सरकार का गठन हो गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार शाम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली। प्रो. यूनुस और नई अंतरिम सरकार में शामिल सदस्यों को बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने गणभवन के दरबार हॉल में आयोजित समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस मुख्य सलाहकार, सैयदा रिजवाना हसन बंगलादेश पर्यावरण वकील एसोसिएशन (बेला) की मुख्य कार्यकारी, फरीदा अख्तर महिला अधिकार कार्यकर्ता, आदिलुर रहमान खान ओधिकार के संस्थापक, एएफएण खालिद हुसैन हिफाजत-ए-इस्लाम के नायब-ए-अमीर एवं इस्लामी आंदोलन बंगलादेश के सलाहकार, नूरजहां बेगम ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी, शरमीन मुर्शिद स्वतंत्रता सेनानी, सुप्रदीप चकमा सीएचटीबी के अध्यक्ष बने हैं।

गौरतलब है कि डॉ. यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने की मांग बांग्लादेश के छात्र संगठनों की तरफ से उठाई गई थी। उन्होंने सेना समेत सभी राजनीतिक दलों को चेतावनी दी थी कि वे किसी दूसरे को प्रमुख बनाने को स्वीकार नहीं करेंगे। ऐसे में विदेश में मौजूद डॉ यूनुस गुरुवार को अपराह्न में बांग्लादेश पहुंचे और ढाका हवाई अड्डे पर सशस्त्र बलों के प्रमुख, नागरिक समाज के सदस्यों और छात्र नेताओं से मिले।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने और चुनाव के संबंध में अक्टूबर में हो सकती है घोषणा: आठवले

श्रीनगर, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किये जाने और चुनाव कराये जाने के संबंध में घोषणा इस साल अक्टूबर में होने की संभावना है।

श्री आठवले ने श्रीनगर में गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार अक्टूबर में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की घोषणा कर सकती है और उसी महीने चुनाव भी कराये जा सकते हैं। श्री आठवले ने कहा, चूंकि अक्टूबर से पहले महाराष्ट्र, झारखंड और छत्तीसगढ़ में चुनाव होने हैं, मुझे लगता है कि जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल किया जा सकता है और अक्टूबर में यहां भी चुनाव कराए जा सकते हैं।

उन्होंने लोगों से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान सुनिश्चित करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि उनकी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) भी जम्मू-कश्मीर की 10 से 15 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर में भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बन सकती है। उन्होंने कहा, अगर जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ आरपीआई का गठबंधन हो जाता है और हमें पांच से छह सीटें मिल जाती हैं तो हम साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

श्री आठवले ने कहा कि उन्होंने कहा कि वह जल्द ही इस मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से बात करेंगे। अन्यथा उनकी आरपीआई जम्मू-कश्मीर में 10 से 15 सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी और अन्य सीटों पर भाजपा को समर्थन देना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय जम्मू-कश्मीर के हर जिले में एक वृद्धाश्रम स्थापित करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 16 वृद्धाश्रम हैं, जिनमें से छह जम्मू में और 10 कश्मीर घाटी में हैं।

एक राष्ट्र-एक चुनाव पर विचार हो रहा है : मेघवाल

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि देश में एक राष्ट्र - एक चुनाव पर विचार विमर्श हो रहा है।

श्री मेघवाल ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव का मुख्य कारण देश में बार-बार चुनाव और चुनाव खर्च है। देश में एक राष्ट्र-एक चुनाव की व्यवस्था बनाने के लिए एक समिति का गठन किया गया और इसकी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी गयी है। इस रिपोर्ट के आवश्यक पहलुओं पर विचार हो रहा है। विधि एवं न्याय मंत्री ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव के लिए लोकसभा के चुनाव और संचालन से संबंधित 80 कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव है। लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव एक साथ होंगे। उन्होंने कहा कि समिति के समक्ष 62 राजनीतिक दलों के बयान दिया है। इनमें से 32 दल एक राष्ट्र-एक चुनाव के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट सार्वजनिक क्षेत्र में है और एक राष्ट्र-एक चुनाव से संबंधित सभी रिपोर्ट इसमें समाहित की गयी है।

10 लाख युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ेगा युवा उद्यमी विकास अभियान

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के मूल बजट में सरकार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का प्रावधान किया था, अब समय आ गया है कि इस पर क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया जाए। अभियान के संबंध में एमएसएमई विभाग के प्रस्तुतिकरण का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना स्वरोजगार सृजन के प्रयासों में बड़ी भूमिका निभाने वाली होगी। योजना के बारे में अधिकाधिक युवाओं को अवगत कराया जाए ताकि युवा प्रोत्साहित हों और आत्मनिर्भर होकर अपनी आजीविका कमा सकें।

बैठक में प्रमुख सचिव, एमएसएमई ने मुख्यमंत्री को बताया कि अभियान के तहत प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं को बैंकों से ऋण दिलाकर वित्तीय अनुदान दिया जाएगा, जिससे प्रतिवर्ष 01 लाख सूक्ष्म उद्यम प्रतिवर्ष स्थापित हो सकेंगे। इस प्रकार आगामी 10 वर्षों में 10 लाख (एक मिलियन) युवा स्वरोजगार से जुड़ सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के तहत सामान्य वर्ग के अलावा, ओबीसी, महिला, दिव्यांगजन तथा एससी, एसटी के पुरुष के अलावा महिलाओं को उद्यम स्थापित करने पर अनुदान देने का प्रावधान हो, साथ ही, मार्जिन मनी पर भी सब्सिडी दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा उद्यमियों को यथासंभव ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध हो, इसके लिए एक तय अवधि तक ऋण के ब्याज उपादान और सीजीटीएमएसई कवरेज की सुविधा भी दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के सही क्रियान्वयन और सतत मॉनीटरिंग के लिए आकांक्षात्मक विकास खंडों में तैनात सीएम फेलो की तर्ज पर यहां भी हर जिले में योग्य युवाओं की तैनाती की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तपोषण से पहले युवाओं को विधिवत प्रशिक्षण भी दिलाया जाना चाहिए। नए उद्यमियों को उनके उत्पाद की पैकेजिंग, ब्रांडिंग व मार्केटिंग में भी मदद करें।

काकोरी की शौर्यगाथा बताएगी काकोरी शौर्यगाथा एक्सप्रेस

काकोरी शौर्यगाथा पर आधारित 12 बोगी वाली ट्रेन करेगी विभिन्न जिलों का भ्रमण

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर योगी सरकार काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का आयोजन करने जा रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल पर वर्तमान और भावी पीढ़ी को काकोरी व स्वतंत्रता सेनानियों की शौर्यगाथा के जरिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए स्कूली बच्चों, किशोर-युवाओं की सहभागिता से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं,रेलवे के सहयोग से काकोरी शौर्यगाथा एक्सप्रेस भी चलाई जा रही है। इस ट्रेन के माध्यम से प्रदेशवासियों को काकोरी ट्रेन घटना से परिचित कराया जाएगा। यह ट्रेन आगामी दो माह तक प्रदेश के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करेगी और लोगों को इस घटना के विषय में जानकारी देगी।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ का शुभारंभ 9 अगस्त से होगा। शताब्दी महोत्सव पूरे प्रदेश में विभिन्न गतिविधियों के साथ वर्ष पर्यंत मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक उच्चस्तरीय बैठक में काकोरी ट्रेन एक्शन सेंटेनरी फेसिटवल को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने काकोरी ट्रेन एक्शन को भारत के स्वतंत्रता संग्राम की एक महत्व-पूर्ण घटना बताते हुए निर्देश दिया था कि रेलवे के सहयोग से प्रदेश में एक ट्रेन काकोरी शौर्यगाथा एक्सप्रेस संचालित की जाए, जो लोगों तक काकोरी शौर्यगाथा पहुंचाएगी। काकोरी शौर्यगाथा पर आधारित 12 बोगी वाली ट्रेन आगामी दो माह तक विभिन्न जनपदों और नगरों का भ्रमण करेगी। इसमें काकोरी शौर्यगाथा पर आधारित सचल प्रदर्शनी होगी। काकोरी शौर्यगाथा एक्सप्रेस का प्रत्येक जनपद में दो दिन तक पड़ाव रहेगा। इस दौरान स्कूली बच्चों को ट्रेन में सचल प्रदर्शनी दिखाई जाएगी ।

पिछले वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ेगा हर घर तिरंगा अभियान

पूरे प्रदेश में 4.75 करोड़ से ज्यादा फहराया जाएगा तिरंगा

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर योगी सरकार हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन कर रही है। सरकार ने पिछली वर्ष की तुलना में इस वर्ष 5 से 10 प्रतिशत अधिक तिरंगा फहराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। 2023 में प्रदेश के अंदर जहां 4.5 करोड़ तिरंगा फहराए गए थे तो वहीं इस बार यह लक्ष्य 4.75 करोड़ रखा गया है। इस लक्ष्य के अनुरूप सभी जनपदों को भी लक्ष्य दिया गया है।

वर्ष 2022 एवं 2023 में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत संपूर्ण देश में उत्तर प्रदेश ने सर्वाधिक झण्डे फहराए। विगत दोनों वर्षों के अभियानों में

प्रत्येक वर्ष 4.5 करोड़ से अधिक झण्डे फहराए गए। प्रदेश के नागरिकों द्वारा सेल्फी अपलोड अभियान में उत्साह पूर्वक भाग लेते हुए सर्वाधिक सेल्फी अपलोड की गई। इस वर्ष भी उसी उत्साह से आयोजन को मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसको लेकर निर्देश जारी किए हैं। इसके अंतर्गत प्रदेश भर में 4 करोड़ घरों और 30 लाख प्रतिष्ठानों समेत करीब 4.30 करोड़ स्थानों पर तिरंगा फहराया जाएगा। कार्यक्रम के तहत आमजनमानस को अपने-अपने घरों, कार्यालयों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों आंगनबाड़ी केन्द्रों, अस्पतालों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों झण्डा फहराने के लिये विभिन्न प्रचार माध्यमों से प्रेरित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। तिरंगे के साथ सेल्फी लेने और उसे हर घर तिरंगा वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। विभिन्न संस्थाओं व संगठनों के सहयोग से झण्डा वितरण कराया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से झण्डों के निर्माण कराया जाएगा।

अभियान के दौरान झण्डा संहिता का अनुपालन करते हुए झंडा विधिवत तरीके से लगाए जाने के लिए लोगों को विभिन्न माध्यमों से प्रशिक्षित किया जाएगा। आधा झुका, फटा या कटा झंडा लगाया जाना निषेध होगा। 13 से 15 अगस्त, 2024 के उपरांत निजी आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर लगाए जाने वाले झंडे को आदर भाव के साथ उतार कर सुरक्षित रखा जाएगा।

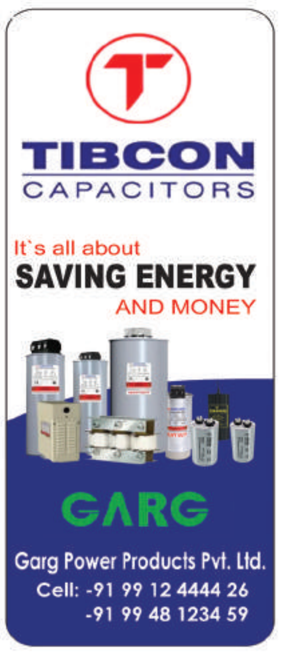

अपोलो, मेदांता और रिजेंसी अस्पताल में भी हो रहा आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

मोदी सरकार की आयुष्मान भारत योजना का लाभ गरीब और जरूरतमंदों को देने में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का कोई सानी नहीं है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश ही ऐसा राज्य है, जहां सबसे ज्यादा आयुष्मान कार्ड धारक हैं। प्रदेश की गरीब जनता और जरूरतमंद को योजना का लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार 5 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाकर पूरे देश में नंबर वन है। यह उपलब्धि प्रदेश के पास विगत कई वर्षों से है। वहीं सीएम योगी की पहल पर प्रदेश में कार्ड धारक मरीजों को गंभीर से गंभीर बीमारी में आसानी से इलाज मिल रहा है। उन्हे यह इलाज बड़े-बडे. कॉर्पोरेट मेडिकल संस्थानों में विशेषज्ञ डॉक्टर्स द्वारा मुहैया कराया जा रहा है। अब तक 25 सौ करोड़ से अधिक की धनराशि गंभीर बीमारी वाले 6 लाख से अधिक मरीजों के इलाज में खर्च की जा चुकी है। इतना ही नहीं दूसरे प्रदेश के आयुष्मान कार्ड धारक भी प्रदेश की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रहे हैं।

प्रमुख सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप गरीब जनता को आयुष्मान भारत का लाभ देने के लिए युद्धस्तर पर आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में 5 करोड़ 11 लाख 72 हजार 647 आयुष्मान कार्ड धारक हैं। जिन्हे प्रदेश के 5,669 अस्पतालों द्वारा इलाज मुहैया कराया जा रहा है। इनमें 2948 सरकारी और 2721 प्राइवेट अस्पताल शामिल हैं। इतना ही नहीं प्रदेश के कारपोरेट अस्पतालों में भी कार्ड धारकों को इलाज मिल रहा है। इसमें अपोलो, मेदांता, यशोदा, रिजेंसी, टेंडर पाम जैस बड़े कॉर्पोरेट अस्पताल शामिल हैं। योजना के तहत अब तक 45,19,375 मरीजों के इलाज में 7040 करोड़ रुपए खर्च किये जा चुके हैं। प्रमुख सचिव ने बताया कि उत्तर प्रदेश कार्ड बनाने के मामले में विगत कई वर्षों से पूरे देश में नंबर वन राज्य बना हुआ है, जबकि दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है, जहां 4 करोड़ 3 लाख कार्ड बनाए गए हैं। वहीं तीसरे स्थान पर बिहार है, जहां 3 करोड़ 26 लाख कार्ड बनाए गए हैं।

साचीज की सीईओ संगीता सिंह ने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों की गंभीर से गंभीर बीमारी का भी आसानी से इलाज किया जा रहा है।

शेयर मार्केट

बीएसई : 78,886.22
-581.79 -0.73% ↓
एनएसई :24,117.00
-180.50 (-0.74%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 71,220/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 81,120/-
(प्रति किलोग्राम)

आधुनिक सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वॉटर कियोस्क से युक्त होगा यूपी

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश को सौर ऊर्जा से रोशन करने के साथ ही अब शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का भी माध्यम भी बना रही है। प्रदेश के विभिन्न सोलर सिटीज में अलग-अलग योजनाओं के जरिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही योगी सरकार अब सोलर एनर्जी बेस्ड एक और इनोवेशन को बढ़ावा देने जा रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वाटर कियोस्क की स्थापना करने की तैयारी की जा रही है।

इस क्रम में, उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) ने प्रक्रिया की शुरुआत करते हुए 3.99 करोड़ रुपए की लागत से 20 कियोस्क की स्थापना करने जा रही है। सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वॉटर कियोस्क दरअसल एक स्मार्ट जल शोधन और वितरण प्रणाली है जिसे दूरदराज के क्षेत्रों में जल शोधन के लिए पहुंच और उपयोग में आसानी बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सौर ऊर्जा द्वारा संचालित है, जो एक बार पूरी तरह से चार्ज होने पर डिवाइस को घंटों तक चला सकता है।

सीएम के विजन अनुसार, जिन सोलर बेस्ड वॉटर कियोस्क की स्थापना होनी है वह कई मायनों में विशिष्ट है। परियोजना के अंतर्गत जिन कियोस्क की स्थापना होनी है वह वाटर ट्रीटमेंट के लिए रिजर्व ऑस्मॉसिस प्वॉइंट तकनीक पर काम करेगा। प्रत्येक सोलर बेस्ड वॉटर कियोस्क सीजनल रिक्वायरमेंट के हिसाब से 10 डिग्री से 30 डिग्री के बीच शुद्ध जल उपलब्ध कराएगा।

कियोस्क का वॉटर फिल्ट्रेशन लेवल बीआईएस 16240 के मानकों के अनुरूप होगा। इसकी वॉटर स्टोरेज कैपेसिटी 5000 लीटर तथा ट्रीटेड वॉटर कैपेसिटी 1000 लीटर की होगी। कियोस्क से प्रति घंटे 250 लीटर प्रति घंटे शुद्ध जल प्राप्त हो सकेगा जबकि कियोस्क की वाटर डिस्पेंसिंग स्पीड 10 से 12 लीटर प्रति मिनट होगी। इसे इस प्रकार से विकसित किया जा रहा है कि कम से कम प्रतिदिन 2000 लीटर शुद्ध जल की आपूर्ति हो सकेगी। इन कियोस्क को 5 वर्षों की कार्यावधि के लिए स्थापित किया जाएगा और इसके लिए यूपीनेडा ने एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सभी कियोस्क को रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस किया जाएगा जिसके जरिए की जा रही जलापूर्ति के विभिन्न मानकों जैसे कि पीएच स्केल, बेसिसिटी, एल्केलिनिटी और मिनरल तत्व शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इसे डाटाबेस से भी जोड़ा जाएगा जिसके जरिए प्रत्येक कियोस्क की दैनिक कार्य प्रणाली पर नजर रखी जाएगी। कियोस्क से एक लीटर से लेकर 25 लीटर तक पानी लाभार्थी अपने कंटेनरों में भर सकेंगे और मशीन को एलईडी डिस्प्ले व 1,2,5 व 10 रुपए के सिक्कों को स्वीकृत कर उसी आधार पर जलापूर्ति कर सकेगा। यह कियोस्क सिंगल चार्ज पर 48 घंटों तक कार्य करने में सक्षम होगा। वैसे, प्रतिदिन इसे 16 घंटों के लिए ऑपरेशनल रखा जाएगा। कियोस्क जीपीआरएस कनेक्टिविटी युक्त होगा और कनेक्टिविटी में बाधा आने पर यह एसएमएस के जरिए भी कमांड सेंटर से संपर्क में रहेगा।

DAILY शुभ लाभ - Classifieds - FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, JC 313570N Sub R CHINNA NAGARAJAN, R/o.96 North Street, Silvarpatti Vill and Post, Periyakulam Taluk, Theni Dist, Tamilnadu-625602 hereby declare that my son name is to be changed from **GOKUL** to **GOKUL C** vide affidavit dt:8-8-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, LAXMI Mother of Service No. JC 311558N Sub MURIKI BALAIAH, R/o.3-60, Kondapaka, Zapthi Nacharam, Medak Dist, Telangana-502372 have changed my name from **LAXMI** to **MURIKI LAXMI** vide Affidavit dt:8-8-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

ज्योतिष ASTROLOGY

नाकौड़ा भैरव ज्योतिष

(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद. संपर्क : 9032460847.

CHANGE OF NAME

I, Gurnam Singh S/o Bali Ram R/oVill-Dhos, PO-Naina-Dhos, Tehsil & District-Kaithal,PIN-136042,State-Haryana, have changed my daughter name from KAJAL KUMARI to KAJAL add in my service documents vide affidavit date 08/08/2024 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Gurnam Singh S/o Bali Ram, R/oVill-Dhos, PO-Naina-Dhos, Tehsil & District-Kaithal,PIN-136042,State-Haryana, have changed my daughter name from MANISHA KUMARI to MANISHA DEVI and DOB from 26/11/1997 to 20/04/1997 add in my service documents vide affidavit date 08/08/2024 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, MAYA DHUWARE W/o Bhoyar Dejraj Natthusao S/o Natthusao R/o Vill & PO-Mundhari BK,Teh-Mohadi,District-Bhandara,PIN-441905 State-Maharashtra, have changed my name from MAYA DHUWARE to MAYA DEJRAJ BHOYAR add in my husband service documents vide affidavit date 08/08/2024 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

बांग्लादेश से अवैध अप्रवासियों को रोकने के लिए हैदराबाद में पुलिस अलर्ट पर

ट्रेनों की हो रही गहन जांच, शहर के विभिन्न हिस्सों पर भी रखी जा रही पैनी नजर

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पड़ोसी देश में अशांति के बाद बांग्लादेशी अवैध अप्रवासियों के संभावित आगमन को रोकने के लिए ग्रेटर हैदराबाद में पुलिस अलर्ट पर है। बांग्लादेशियों के शहर में प्रवेश के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए पुलिस कर्मी कोलकाता से आने वाली ट्रेनों की गहन जांच कर रहे हैं।

खुफिया एजेंसियों द्वारा जारी अलर्ट के बाद, पुलिस सिकंदराबाद और नामपल्ली रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने वाली ट्रेनों की जांच कर रही है। पुलिस टीमें शहर के उन हिस्सों में भी जांच कर रही हैं जहां पहले बांग्लादेश से अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार किया गया था। हैदराबाद, साइबराबाद और राचाकोंडा कमिश्नरेट की पुलिस बालापुर, कटेदान, मैलारदेवपल्ली, फलकनुमा और पहाड़ाई शरीफ जैसे इलाकों में अलर्ट पर है। निवासियों को सलाह दी गई है कि वे अपने पड़ोस में संदिग्ध व्यक्तियों की मौजूदगी के बारे में पुलिस को सूचित करें। सूत्रों ने बताया कि कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है अतीत में, रोहिंग्या और कुछ बांग्लादेशी इन क्षेत्रों में बसे हुए पाए गए थे। वे विक्रेताओं या उद्योगों या निर्माण क्षेत्र में श्रमिकों के रूप में काम कर रहे थे। उनमें से कुछ कथित तौर पर अवैध रूप से बांग्लादेश की यात्रा कर रहे थे और वापस आ रहे थे। फरवरी में, तेलंगाना के खम्मम शहर में ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने बांग्लादेश के पांच नाबालिगों को बचाया था। एक एनजीओ की मदद से बच्चों को उनके देश वापस भेजा गया। खम्मम में अवैध रूप से रहने के आरोप में चार बांग्लादेशी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया। उनमें से दो ने कथित तौर पर फर्जी प्रमाण-पत्रों का उपयोग करके पासपोर्ट, आधार, पैन और मतदाता पहचान पत्र प्राप्त किए थे।।

हाल ही में सिकंदराबाद में एक नाबालिग समेत चार बांग्लादेशी पकड़े गए थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि वे चंद्रायनगुट्टा में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से मिलने आए थे, हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही कथित अवैध अप्रवासी भाग गए। कथित तौर पर कुछ अवैध आप्रवासी बांग्लादेश से भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले अन्य लोगों की मदद करने वाले एजेंट बन गए हैं। कहा जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और हैदराबाद पहुंचने के लिए 5,000 से 6,000 रुपए का भुगतान करना पड़ता है। यह भी पाया गया कि हैदराबाद हवाई अड्डा बांग्लादेशी अवैध अप्रवासियों के लिए खाड़ी देशों के लिए एक सुरक्षित मार्ग बन गया है। इस साल फरवरी में, राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पुलिस ने एक बांग्लादेशी नागरिक को फर्जी पासपोर्ट और आधार कार्ड के साथ गिरफ्तार किया था। पिछले साल ऐसे ही दो मामले सामने आए थे। तीनों मामलों में आरोपी त्रिपुरा के रास्ते भारत में दाखिल हुए थे।

बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हिंसा और शेख हसीना सरकार के पतन के बाद पड़ोसी देश के कई लोगों के मारे जाने की खबर है। किसी भी घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पहले से ही सीमा पर अलर्ट पर है। बुधवार को सैकड़ों बांग्लादेशी पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में भारत के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एकत्र हुए थे और सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि उनके देश में उन पर हमला हो रहा है। हालांकि, बाद में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) उन्हें वापस ले गया।

जीआरपी ने अपहृत बच्चे को बचाया अपहरणकर्ता पकड़ा गया

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ मिलकर गुरुवार को एक पांच वर्षीय लड़की को बचाया, जिसे मंगलवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से कथित तौर पर अपहृत कर लिया गया था। गिरफ्तार व्यक्ति मोहम्मद परवेज (35) है, जो मणिकोंडा का एक चिकन दुकान कर्मचारी है और बिहार का मूल निवासी है।

मंगलवार की शाम गौसिया बेगम नाम की महिला जनरल टिकट पर जनगांव के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए रेलवे स्टेशन आई थी। उसने अपनी छोटी बेटी नायरा बेगम (5) को चबूतरे पर बैठाया और खाना लेने चली गई। पुलिस के मुताबिक जब गौसिया वापस लौटी तो बच्चा गायब था। रेलवे स्टेशन परिसर में इधर-उधर तलाश करने के बाद वह बुधवार को जीआरपी, सिकंदराबाद पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद मामला दर्ज किया गया और अपहृत बच्चे का पता लगाने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया।जीआरपी अधिकारी ने बताया कि विशेष टीमों ने रेलवे स्टेशन के अंदर और बाहर लगे निगरानी कैमरों से एकत्र किए गए सीसीटीवी फुटेज का सत्यापन किया। उन्होंने देखा कि एक अज्ञात व्यक्ति गेट नंबर 1 से बच्चे को लेकर जा रहा है। सभी स्थानीय पुलिस स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों और बस स्टेशनों को अलर्ट कर दिया गया। जब तलाश जारी थी, जांच अधिकारियों को बुधवार रात मेहदीपट्टनम बस स्टैंड पर बच्चे के साथ अपहरणकर्ता की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली।

अधिकारी ने बताया कि हमारी टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और अपहरणकर्ता को गिरफ्तार करने के अलावा बच्चे को बचा लिया। उससे पूछताछ करने पर, संदिग्ध ने कबूल किया कि उसे वित्तीय समस्या थी और उसने उसके परिवार से फिरौती मांगने के लिए बच्चे का अपहरण किया था। बच्ची को सुरक्षित उसके परिवार को सौंप दिया गया और संदिग्ध को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

रेवंत रेड्डी ने अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस पर आदिवासियों को दी शुभकामनाएं

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समुदाय को शुभकामनाएं दीं। गुरुवार को एक संदेश में रेड्डी ने कहा कि आदिवासी जंगलों के मूल निवासी हैं और वे ही बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करते हैं।

आदिवासी समुदाय पवित्र रिश्ते निभाने का भी प्रतीक है, सीएम ने कहा कि आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए जनता की सरकार प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इस साल बजट में 17,056 करोड़ रुपये आवंटित करके आदिवासी कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। रेड्डी ने कहा कि जनजातीय बस्तियों में उपेक्षित उन्नत पंचायतों को सड़क, बिजली, चिकित्सा देखभाल और शिक्षा सुविधाओं जैसे नागरिक बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराया जाएगा।

काकोरी प्रतिरोध की घटना युवाओं को सदैव प्रेरित करती रहेगी: शेखावत

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि काकोरी में क्रांतिकारियों के प्रतिरोध की घटना युवाओं को सदैव प्रेरणा देती रहेगी। यहां कांस्टीट्यूशन क्लब में सभ्यता अध्ययन केंद्र के काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष समारोह श्रृंखला के उद्घाटन कार्यक्रम में श्री शेखावत ने कहा कि भारत में जानबूझकर प्रयास किए गए कि भारतीय इतिहास को कितना छुपाया जाय।

उन्होंने कहा, हम इतिहास को जानने का प्रयास करेंगे, तो पता चलता है भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान लखनऊ के निकट काकोरी में क्रांतिकारियों ने स्वयं सक्षम होने और सहारनपुर से लखनऊ जाने वाली रेलगाड़ी में काकोरी में अंग्रेजी सरकार को आर्थिक हानि पहुंचाने के उद्देश्य से चलती ट्रेन में सरकारी ख़ज़ाने को लूटा था। नौ अगस्त 1925 को घटित इस घटना में युवा क्रांतिकारी राम प्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाकउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, चंद्रशेखर आज़ाद, शचींद्रनाथ सान्याल, ठाकुर रोशन सिंह और अन्य क्रांतिकारी शामिल थे।

घटना के बाद सितंबर तक इस मामले में कुल 40 क्रांतिकारियों गिरफ्तार किया गया। राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, राजेंद्र लोहड़ी और ठाकुर रोशन सिंह फांसी की सजा दी गई थी।

इस कार्यक्रम में श्री शेखावत के अलावा रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह भी शामिल हुए। काकोरी विमर्श पर आमंत्रित प्रमुख वक्ता डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के उप अधिष्ठाता (अकादमिक) एवं म्यूजियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. आनंदवर्धन थे ।इस मौके पर सभ्यता अध्ययन केंद्र के निदेशक रविशंकर ने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान उन अमर बलिदानियों का स्मरण करते हुए काकोरी विमर्श की भूमिका स्थापित की।

पवन कल्याण ने कर्नाटक से कुछ कुमकी हाथियों को आंध्र प्रदेश भेजने का अनुरोध किया

अमरावती, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण गुरुवार को कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे से बातचीत करने के लिए बेंगलुरु पहुंचे और उनसे राज्य के लिए कुछ कुमकी हाथियों को भेजने का अनुरोध किया।

चूंकि कुमकी हाथी जंगली हाथियों को भगाने में मदद करते हैं, इसलिए आंध्र प्रदेश सरकार कर्नाटक से जंगली हाथियों को भगाने के लिए इनमें से कुछ हाथियों को भेजने का अनुरोध कर रही है, जो राज्य के कुछ हिस्सों में तबाही मचा रहे हैं। पवन कल्याण, जिनके पास पंचायत राज और ग्रामीण विकास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और ग्रामीण जल आपूर्ति के अलावा पर्यावरण और वन विभाग भी है, कर्नाटक के वन मंत्री से अनुरोध स्वीकार करने का आग्रह किया।

इस बीच पवन कल्याण ने बेंगलुरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात की। इससे पहले पवन कल्याण का बेंगलुरु पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। कर्नाटक सरकार के प्रतिनिधियों ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। तमिलनाडु की सीमा से लगे चित्तूर जिले के कुछ हिस्सों और ओडिशा के पास पार्वतीपुरम मान्यम जिले में मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं देखी जा रही हैं। मई में, आंध्र प्रदेश वन विभाग के अधिकारियों ने कर्नाटक में अपने समकक्षों के समक्ष नौ प्रशिक्षित कुमकी हाथी देने का अनुरोध किया था।

कथित तौर पर कर्नाटक के विभिन्न शिविरों में लगभग 100 हाथी हैं, लेकिन सभी कुमकी हाथी नहीं हैं। कुमकी हाथी जंगली हाथियों को वश में करने में उपयोगी होते हैं और इस प्रकार जानवरों और मनुष्यों दोनों को सुरक्षित रखते हैं। चित्तूर और पार्वतीपुरम मान्यम जिलों के कुछ हिस्सों में जंगली हाथी गांवों में प्रवेश कर रहे हैं। वे न केवल कृषि और बागवानी फसलों को नष्ट कर रहे हैं बल्कि मनुष्यों पर भी हमला कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप कुछ लोगों की जान चली गई। मई में चित्तूर जिले के थावनमपल्ले मंडल के सरकल्लु वन क्षेत्र से सटे एक आम के बगीचे में एक हाथी ने एक खेत मजदूर को कुचल कर मार डाला। जून में, उसी जिले के रामकुप्पम मंडल में एक हाथी ने एक और किसान को कुचल कर मार डाला।पिछले साल अगस्त में चित्तूर जिले में जंगली हाथियों के हमले में एक दंपति की मौत हो गई थी और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया था। मई में, एक ही जिले में दो अलग-अलग घटनाओं में दो व्यक्तियों की कुचलकर हत्या कर दी गई थी।

अधिकारियों के मुताबिक प्रशिक्षित कुमकी हाथी और महावत जंगली हाथियों को भगाने में मदद करेंगे। हाल ही में, ओडिशा ने भी मानव-हाथी संघर्ष की समस्या के समाधान के लिए तमिलनाडु सरकार से कुछ कुमकी हाथी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। तमिलनाडु को एक सफल मॉडल के रूप में देखा जाता है क्योंकि वहां के अधिकारी कुमकी हाथियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं और वन्यजीव संरक्षण के लिए उनका उपयोग कर रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में शिशु की मौत

हैदराबाद, 08 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार सुबह मासाब टैंक में एक सड़क डिवाइडर से टकराने के बाद ऑटो रिक्शा के पलट जाने से तीन महीने की एक नवजात बच्ची की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, शिशु की मां संतोषी और उसकी दादी लक्ष्मी बच्ची अन्विका के साथ ऑटो में एमजीबीएस काटेदान से अपने मूल स्थान नांदेड़ जाने के लिए ऑटो रिक्शा में जा रही थीं। जब ऑटो रिक्शा महावीर अस्पताल के पास पहुंचा, तो चालक जे अनिल ने वाहन को सड़क के डिवाइडर से टकरा दिया और वाहन पलट गया। ऑटो में सवार सभी लोग सड़क पर गिर गये और नवजात बेसुध हो गया। मासाब टैंक पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा परिवार उसे पास के अस्पताल ले गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ऑटो चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया गया है।

भारतीय उच्चायोग ने भारतीय नागरिकों की सुरक्षित सीमा तक पहुंचाया

ढाका, 08 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश सेना एवं प्रशासन के अधिकारियों के साथ समन्वय में भारतीय नागरिकों को सीमाओं तक सुरक्षित पहुंचाने की सुविधा प्रदान की है।सूत्रों के अनुसार मिशन ने परिवहन और आवाजाही के मुद्दों पर सलाह दी है और उड़ानों के लिए हवाई अड्डे और एयरलाइंस के साथ समन्वय भी किया है। मिशन नियंत्रण कक्ष ने पिछले दो दिनों में 350 से अधिक कॉलों पर कार्रवाई की है।

सूत्रों ने कहा कि भारतीय मिशन ने विभिन्न परियोजनाओं में लगे कर्मियों सहित भारतीय नागरिकों को भूमि सीमाओं के पार आवाजाही की सुविधा प्रदान की है। इनमें से कुछ स्थितियाँ जीवन के लिए खतरा थीं। इरकॉन खुलना, एलएंडटी, राइट्स, टाटा प्रोजेक्ट्स, एफ़कॉन्स और ट्रांसरेल सिराजगंज के सदस्यों की भूमि सीमा के माध्यम से सुविधाजनक ढंग से स्वदेश भेजा गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.